- बजट : सत्ता पक्ष और विपक्ष में गतिरोध बरकरार - 7

- केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- अधिक आयकर संग्रह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत- 10

- बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान - 11

- इटली ने नेपाल को रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला - 12

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.46

सूर्यास्त 06.00

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी 02:26 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 13 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 9, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

परेशान नहीं कर पाएंगे रिकवरी एजेंट आरबीआई के नए सख्त नियम लागू

मुंबई, एजेंसी

- कर्ज वसूली एजेंटों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य, फोन कॉल की रिकॉर्डिंग संबंधी नियमों का मसौदा जारी

बैंक के लिए कर्ज वसूली करने वाले रिकवरी एजेंट अब परेशान नहीं कर पाएंगे क्यों कि आरबीआई ने बैंक एजेंटों की नियुक्ति और उनके कामकाज के नियमन के लिए गुरुवार को नियमों का मसौदा जारी किया। इसमें एजेंट के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य करने और कर्जदारों को किए जाने वाले सभी फोन कॉल की रिकॉर्डिंग का प्रावधान है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि वसूली एजेंट द्वारा उधारकर्ता को किए गए सभी फोन कॉल को रिकॉर्ड किया जाए। इसके साथ ही एजेंट को कर्जदार के साथ 'सभ्य तरीके' से बातचीत करनी होगी।

नियमों के मसौदे मुताबिक, बैंक का कर्मचारी या वसूली एजेंट कर्जदार के साथ शालीनता एवं मर्यादा बनाए रखते हुए व्यवहार करेगा और कर्ज वसूली के लिए उधारकर्ता के घर जाने पर भी अपना आचरण संयमित रखेगा। आरबीआई इस पर भी विचार कर रहा है कि वसूली एजेंटों के लिए भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान (आईआईबीएफ) द्वारा संचालित 'ऋण वसूली प्रशिक्षण' को अनिवार्य किया जाए। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक में एजेंटों के आचरण को नियमित करने के लिए कदम उठाने की बात कही थी। पहले ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिनमें वसूली एजेंट के खराब व्यवहार से कर्जदारों को काफी परेशानियां उठानी पड़ीं।

यदि गिरफ्तारी विधि सम्मत नहीं तो न्यायिक हिरासत भी अवैध

विधि संवाददाता, लखनऊ

- बिना कारण बताए गिरफ़्तारी पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि अभियुक्त की गिरफ़्तारी विधि सम्मत नहीं है तो मजिस्ट्रेट द्वारा उसे न्यायिक हिरासत पर लेने का आदेश भी वैध नहीं ठहराया जा सकता। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने पॉक्सो के एक मामले में गिरफ्तार अभियुक्त की न्यायिक हिरासत को अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया है तथा अभियुक्त को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने प्रतापगढ़ निवासी शिवम चौरसिया की ओर से उसके भाई द्वारा दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया है। याचिका में कहा गया था कि याची को दुराचार व पॉक्सो तथा अन्य आरोपों में अभियुक्त बनाते हुए प्रतापगढ़ के कंधई थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। आरोप है कि वादी की 17 वर्षीय पुत्री को बहलफुसला कर याची/अभियुक्त ने शारीरिक संबंध बनाए तथा ब्लैकमेल किया। दलील दी गई कि 28 जनवरी 2026 को याची को थाने पर बयान देने के लिए बुलाया गया, वह वहाँ पहुंचा तो उससे अरेस्ट मेमो पर हस्ताक्षर करा लिए गए। गिरफ्तार कर अगले दिन संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से मजिस्ट्रेट ने भी बिना यह देखे कि अरेस्ट मेमो में याची के गिरफ़्तारी के किसी कारण का उल्लेख नहीं किया गया है, याची को न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया। याचिका का राज्य सरकार के अधिवक्ताओं शिवनाथ तिलहरी व अनुराग वर्मा ने विरोध करते हुए दलील दी कि गिरफ़्तारी के बाद यदि मजिस्ट्रेट ने रिमांड स्वीकार कर लिया है तो यदि गिरफ़्तारी की प्रक्रिया में कोई त्रुटि रह भी गई है तो वह विलुप्त मान ली जाएगी। हालांकि कोर्ट इस दलील दे सहमत नहीं हुई।

पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन होगा: सरकार

लखनऊ, विधि संवाददाता। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक जनहित पर जवाब देते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर लिया जाएगा। साथ ही संबंधित कानून के तहत रिपोर्ट के आधार पर ही ओबीसी आरक्षण लागू किया जाएगा। सरकार की ओर से आए उक्त जवाब पर कोर्ट ने संबंधित याचिका को निस्तारित कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की याचिका पर पारित किया। याचिका में कहा गया था कि अक्टूबर 2025 में पिछड़ा वर्ग आयोग का कार्यकाल पूरा हो चुका है, जिसे एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार भी दिया गया है। कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने जयश्री लक्ष्मण राव पाटील मामले में समर्पित आयोग का गठन कर, उक्त आयोग के सर्वे व रिपोर्ट के आधार पर ही स्थानीय चुनावों में आरक्षण लागू किए जाने का आदेश दिया था। दलील दी गई कि अप्रैल व जुलाई 2026 के मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव होने हैं, बावजूद इसके अब तक एक समर्पित आयोग का गठन नहीं किया जा सका है। यह भी दलील दी गई कि 6सदस्यीय आयोग के गठन का मामला कैबिनेट के समक्ष विचाराधीन है।

ब्रीफ न्यूज

दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का निधन

नई दिल्ली। दूरदर्शन की पूर्व समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं। वह 1980 और 1990 के दशक में टीवी समाचार जगत के सबसे जाने-माने चेहरों में से एक थीं और जिनकी शांत शैली आज के टेलीविजन समाचार बुलेटिन के शोरगुल से बिल्कुल अलग थी। माहेश्वरी 1976 से लेकर 2005 तक टीवी समाचारों का जाना-पहचाना चेहरा थीं। उनके साथ सलमा सुल्तान, मीनू तलवार, शम्मी नारंग, गीतांजलि अय्यर, नीति रविंद्रन और अन्य भी थीं। उनका नाम सुनते ही प्रसारण जगत और उसके श्वेत-श्याम से रंगीन प्रसारण में परिवर्तन की यादें ताजा हो जाती हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति 18 को पांच दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे

नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा 18 फरवरी को भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि लूला की राजकीय यात्रा से दोनों देशों की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। साथ ही द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि मोदी 21 फरवरी को राष्ट्रपति लूला से मिलेंगे और दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे।

असम राइफल्स श्वान दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को करेगा शामिल

जोरहाट। केंद्र सरकार के स्वदेशीकरण के आह्वान को मजबूती प्रदान करते हुए असम राइफल्स अपने अभियानों को अंजाम देने के लिए दस्ते में भारतीय नस्ल के कुत्तों को शामिल करने की योजना बनाई है। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल आलोक ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के तहत 'तंगखुल हुई' नस्ल के कुत्तो को श्वान दस्ते में शामिल कर लिया है।

रेरा को समाप्त कर देना चाहिए, यह दागी बिल्डरों के लिए काम कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, कहा- जिनके लिए रेरा बनाया वे पूरी तरह से निराश और हताश

- कोर्ट की सख्त टिप्पणी से रियल एस्टेट सेक्टर में मची हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सभी राज्यों के लिए रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के गठन पर पुनर्विचार करने का यह सही समय है क्योंकि यह संस्था दागी बिल्डरों को सुविधा प्रदान करने के अलावा कुछ नहीं कर रही है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि जिन लोगों के लिए रेरा बनाया गया था, वे पूरी तरह से निराश और हताश हैं।

पीठ ने जोर देकर कहा कि अगर इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। पीठ ने हिमाचल प्रदेश सरकार को रेरा के कार्यालय को अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरित करने की अनुमति देते हुए ये टिप्पणियां कीं। हिमाचल प्रदेश सरकार और अन्य द्वारा दायर याचिका पर पीठ ने नोटिस जारी किया, जिसमें हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जो राज्य के रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने से संबंधित था।

उच्च न्यायालय ने इससे पहले रेरा कार्यालय के स्थानांतरण से संबंधित जून 2025 की अधिसूचना पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। बाद में, 30 दिसंबर 2025 को अपने आदेश में, उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश को जारी रखने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने 30 दिसंबर के उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, दागी बिल्डरों को सुविधा देने के अलावा यह संस्था (रेरा) कुछ नहीं कर रही है। बेहतर होगा कि इस संस्था को समाप्त कर दिया जाए, हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं है ...अब समय आ गया है कि सभी राज्य इस प्राधिकरण के गठन पर ही पुनर्विचार करें। राज्य सरकार ने अधिवक्ता सुगंधा आनंद के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी याचिका में कहा कि हिमाचल प्रदेश रेरा कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने का निर्णय शिमला शहर में भीड़भाड़ कम करने के लिए लिया गया था, और यह पूरी तरह से प्रशासनिक कारणों पर आधारित था। प्रतिवादी की ओर से पेश एक वकील ने कहा कि प्राधिकरण जिन परियोजनाओं से संबंधित मामलों को देखता है, उनमें से 90 प्रतिशत शिमला, सोलन, परवानू और सिरमौर में हैं, जो अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा कि रेरा के समक्ष लंबित शिकायतों में से लगभग 92 प्रतिशत इन्हीं जिलों से हैं।

किसी को अरावली को छूने की अनुमति नहीं देंगे

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह किसी को भी अरावली की पहाड़ियों को छूने की अनुमति नहीं देगा। इसी के साथ विशेषज्ञों द्वारा पर्वतमाला की परिभाषा स्पष्ट किए जाने तक हरियाणा सरकार को जंगल सफारी पर विस्तृत योजना प्रस्तुत करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अरावली पहाड़ियों से संबंधित मुख्य मामले पर विचार करते समय 'जू सफारी' के मुद्दे पर भी संज्ञान लिया जाएगा। हरियाणा का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सफारी परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को 10,000 एकड़ से संशोधित करके 3,300 एकड़ से अधिक कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे केवल इतना चाहते हैं कि उन्हें डीपीआर को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के समक्ष समीक्षा के लिए प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। पीठ ने कहा, हम विशेषज्ञ नहीं हैं। अरावली की परिभाषा विशेषज्ञ तय करेंगे। सीजेआई ने कहा कि अरावली केवल हरियाणा या राजस्थान की ही नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी पर्वत शृंखला है जो कई राज्यों से होकर गुजरती है। उन्होंने हरियाणा सरकार के वकील से कहा, हम जू सफारी के मुद्दे पर मुख्य मामले के साथ ही विचार करेंगे। इस पर हरियाणा सरकार के वकील ने कहा कि मुख्य मामला बिल्कुल अलग है और जंगल सफारी का मुद्दा अलग है। पीठ ने इसपर टिप्पणी की, कभी-कभी, सीईसी अनुमति देने में बहुत चुनिंदा रवैया अपनाता है। अगर हम अनुमति देते हैं, तो वे बहुत ही आकर्षक तस्वीर पेश करेंगे कि ये पेड़, वन्यजीव और जंगल हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि विशेषज्ञ समिति की राय आने के बाद वह सफारी परियोजना पर विचार करेगी।

बिजली-कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विधानसभा में तीखी बहस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और सपा नेता शिवपाल यादव आमने-सामने

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा एवं सपा विधायक शिवपाल सिंह

अमृत विचार: विधानसभा में गुरुवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बिजली आपूर्ति, कानून व्यवस्था, किसान और बजट के मुद्दों पर सदन का माहौल बार-बार गरमाया। ऊर्जा मंत्री और सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के बीच तीखी बहस केंद्र में रही।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत होते ही भाजपा विधायकों ने सरकार की उपलब्धियों का बखान किया। भाजपा विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में उत्तर प्रदेश में शिक्षा, कानून व्यवस्था और निवेश का माहौल बेहतर हुआ है। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में सुविधाओं, बेहतर भवनों और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया।

सदन में सबसे तीखी बहस ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव के बीच हुई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पीएम सूर्य घर योजना सहित कई केंद्रीय योजनाओं में देश में अग्रणी है और आज प्रदेश में कहीं 24 तो कहीं 21 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब सपा कानून व्यवस्था और बिजली की बात करती है तो हंसी आती है। इस पर शिवपाल सिंह यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में भी बिजली और सड़क के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम हुआ था।

किसान, डीजल व अधिग्रहण पर सरकार का जवाब

किसानों की बदहाली, डीजल की कीमत और जमीन अधिग्रहण को लेकर सपा विधायक अनिल प्रधान ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि किसान कर्ज, मौसम की मार और आवारा पशुओं से परेशान हैं, वहीं खाद के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यूपी में डीजल पर वैट देश के कई राज्यों की तुलना में कम है और डीजल की कीमतें पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु सहित करीब 20 राज्यों से कम हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सरकार लगातार योजनाओं पर काम कर रही है। भूमि अधिग्रहण पर उन्होंने कहा कि किसानों से संवाद कर बाजार दर पर मुआवजा दिया जाता है।

देशव्यापी हड़ताल का मिलाजुला असर, बैंकिंग सेवाएं सुचारू रहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनों के संयुक्त मंच की सरकार की नीतियों के खिलाफ गुरुवार को आहूत एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का सामान्य जनजीवन पर खास असर नहीं पड़ा।

श्रमिक संगठनों ने कई राज्यों में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ जगहों पर श्रमिक हड़ताल में समर्थन दिखाने के लिए कार्यस्थल पर देर से पहुंचे। उत्तर प्रदेश ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, गोवा सहित कई राज्यों में इसका मिला-जुला असर

देखने को मिला। श्रमिक संगठनों ने दावा किया कि हड़ताल में 30 करोड़ से अधिक श्रमिकों, किसानों और अन्य वर्गों ने भाग लिया। बैंकिंग सेवाएं भी सुचारू रूप से चलती रहीं।

एक्सप्रेस-वे पर टोल दरों में कटौती, 15 से लागू

नई दिल्ली। सरकार ने चालू राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के उपयोगकर्ताओं के लिए टोल शुल्क कम करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में संशोधन किया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने गुरुवार को बयान में कहा कि संशोधित नियम 15 फरवरी से लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा, इसके तहत यदि कोई राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे शुरू से अंत तक पूरी तरह चालू नहीं है, तो उसके केवल तैयार हिस्से पर सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुसार कम दर से टोल शुल्क लिया जाएगा।

114 राफेल विमानों को खरीदने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद के काफी समय से लंबित प्रस्ताव को गुरुवार को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने रक्षा बलों की युद्ध तत्परता बढ़ाने के लिए कुल 3.60 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों के पूंजीगत अधिग्रहण को मंजूरी दी। राफेल विमानों की खरीद को मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से ठीक चार दिन पहले मिली। इस सौदे को हालांकि अंतिम रूप देने के लिए औपचारिक अनुबंध इस साल के अंत से पहले होने की संभावना नहीं है,। अप्रैल 2019 में, भारतीय वायुसेना ने लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से 114 बहु-भूमिका लड़ाकू विमान (एमआरएफए) की खरीद के लिए एक आरएफआई (सूचना के लिए अनुरोध), या प्रारंभिक निविदा जारी की। इस परियोजना के अन्य दावेदारों में लॉकहीड मार्टिन का एफ-21, बोइंग का एफ/ए-18 और यूरोफाइटर टाइफून शामिल थे। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 की संख्या से घटकर 31 रह गई है।

तटरक्षक बल को कानपुर एचएएल से मिलेंगे 8 डोर्नियर 228 विमान

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर यहां एचएएल के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन, कानपुर के साथ हस्ताक्षर किए गए।

लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रवर्तन निदेशालय ने 85 करोड़ के घोटाले में की कार्रवाई, सितंबर 2025 में दर्ज हुई थी राजेंद्र लोढ़ा समेत कई पर एफआईआर

अमृत विचारः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक राजेंद्र लोढ़ा को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई 85 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। पिछले वर्ष सितंबर में लंबी जांच के बाद लोढ़ा ग्रुप के पूर्व निदेशक व कई अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने प्रॉपर्टी से संबंधित जांच कर रही थी। इस दौरान राजेंद्र लोढ़ा समेत कई आरोपियों को हिरासत में लिया गया था। इसके बाद ईडी ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की है।

ईडी के मुताबिक राजेंद्र लोढ़ा पर कंपनी से जमीन अधिग्रहण के नाम पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप है। पुलिस ने इस संबंध में करीब चार दर्जन से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किये। इनमें से सात ने मजिस्ट्रेट के सामने भी बयान दर्ज करा दिया है। गवाहों में राजेंद्र लोढ़ा का चालक भी शामिल हैं। उनसे बताया था कि नकदी एक आरोपी को ले जाकर दी थी। इसके अलावा फोर्ट व बोरीवली में एक करोड़ रुपये जुटाकर राजेंद्र को दिये थे। जांच में सामने आया कि कंपनी ने जमीन को कम दाम पर राजेंद्र लोढ़ा के बेटे की कंपनी को ट्रांसफर किया था। राजेंद्र के लेन-देन का रिकार्ड कंप्यूटर व मोबाइल में मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया कि सीसीटीवी फुटेज में राजेंद्र के भाई दीपक लोढ़ा को संदिग्ध बैग घर से बाहर ले जाते देखा गया। बैग से नकद लेनदेन और कंपनी के दस्तावेज थे। ईडी के अधिकारी उनको कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी में है।

एसआईआर | मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा- 3 .26 करोड़ मतदाताओं को भेजे गए नोटिस

नो-मैपिंग के 1 .04 करोड़, विसंगतियों के 2 .22 करोड़ मतदाता चिह्नित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दस दिन में आपत्ति का मौका 1.09 करोड़ को भेजे जा चुके हैं नोटिस

अमृत विचार : प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नो-मैपिंग और तार्किक विसंगतियों को लेकर बड़े पैमाने पर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि छह जनवरी को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची के आधार पर कुल 3 करोड़ 26 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने हैं। इनमें से अब तक लगभग एक करोड़ 9 लाख मतदाताओं को नोटिस निर्गत किए जा चुके हैं। 10 दिन में आपत्ति देनी होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण के दौरान नो-मैपिंग से संबंधित 1 करोड़ 04 लाख और तार्किक विसंगतियों से संबंधित 2 करोड़ 22 लाख मतदाताओं की पहचान की गई है। इन सभी श्रेणियों में आने वाले मतदाताओं की सूचियां संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को उपलब्ध करा दी गई हैं। साथ ही, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन सूचियों को तहसील, पंचायत भवन, वार्ड कार्यालय सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मतदाता इन सूचियों को ऑनलाइन भी देख सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की वेबसाइट के साथ-साथ जनपदवार, विधानसभा-वार और बूथ-वार जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी ये सूचियां उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि किसी भी मतदाता को जानकारी के अभाव में असुविधा न हो। रिणवा ने बताया कि सभी मतदाता सहायता केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों को कार्यदिवस में पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रों पर वर्ष 2003 की अंतिम मतदाता सूची, 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची, नो-मैपिंग एवं तार्किक विसंगतियों से संबंधित सूचियां, फार्म-6, फार्म-7, फार्म-8 तथा घोषणा-पत्र पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेंगे। जिन मतदाताओं के नाम नो-मैपिंग अथवा तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में आए हैं, वे सूची प्रदर्शित होने की तिथि से 10 दिनों के भीतर आपत्तियां व्यक्तिगत रूप से दे सकते हैं।

मंडलायुक्त, डीएम और एसडीएम करेंगे औचक निरीक्षण

सीईओ रिणवा ने शहरी क्षेत्रों में कामकाजी दंपतियों की सुविधा को देखते हुए अवकाश के दिनों में भी सुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मंडलायुक्त (रोल ऑब्जर्वर), जिला निर्वाचन अधिकारी और उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को सुनवाई केंद्रों का औचक निरीक्षण कर समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक सुनवाई केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित करने के दिए निर्देश

नवदीप रिणवा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनवाई से संबंधित सभी अभिलेखों और आपत्तियों का सुरक्षित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सुनवाई केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

विधानसभा में गूंजे एआई व किन्नर कल्याण के मुद्दे

बजट सत्र का चौथा दिन : विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना बोले, एआई का दुरुपयोग राजनीति के लिए खतरनाक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को विधानसभा में प्रश्नकाल शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। न तो किसी दल ने वॉकआउट किया और न ही कोई सदस्य वेल में आया। कार्यवाही के दौरान किन्नर समुदाय, एआई तकनीक के दुरुपयोग और औद्योगिक निवेश जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

सपा विधायक अतुल प्रधान ने नियम-300 के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एआई एक खतरनाक तकनीक बनती जा रही है और इसके जरिए किसी व्यक्ति की आवाज और चेहरा हूबहू नकल कर गलत संदेश फैलाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने अपने जिले के एसएसपी से शिकायत की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सपा विधायक के आग्रह पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को मामले का संज्ञान लेने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि एआई का दुरुपयोग खासतौर पर राजनीति में सक्रिय लोगों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा- एआई पर लेंगे विधिक राय

इससे पहले सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि इस विषय पर केंद्र सरकार ने 10 फरवरी 2026 को दिशा-निर्देश जारी किए हैं और उन्हीं के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विधिक राय लेने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किन्नर समुदाय के मुद्दे पर असीम अरुण हुए तल्ख

प्रश्नकाल में सपा विधायक सचिन यादव ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय से जुड़े मुद्दे को सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि किन्नर समाज के लोगों को शिक्षा, राशन कार्ड, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं आज भी समुचित रूप से नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने ट्रांसजेंडर कल्याण आयोग तो बनाया है, लेकिन उसके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पुरुष हैं, जिससे इस वर्ग को न्याय मिलना कठिन है। जवाब देते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर में यह इस तरह का पहला सवाल है। उन्होंने बताया कि थानों में इस समुदाय के लिए अलग सेल बनाई गई है, किन्नर समाज के लोग आज स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं तथा पहचान सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसजेंडर कार्ड बनाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधा के तहत आयुष्मान कार्ड भी उन्हें उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा ट्रांसजेंडर महोत्सव आयोजित कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कानून-व्यवस्था को लेकर सपा का विधान परिषद से वॉकआउट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नियम 105 के तहत सपा सदस्यों ने उठाए सवाल सत्तापक्ष के जवाब से असंतुष्ट सदस्यों ने की नारेबाजी**

अमृत विचार : विधान परिषद में बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को कानून-व्यवस्था को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। सपा विधायकों ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा खतरे में है। सत्तापक्ष से मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 2016 और 2025 में अपराधिक आंकड़ों का तुलनात्मक विवरण पेश करना शुरू किया, विरोध करते हुए नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में सपा सदस्यों ने सदन से सामूहिक वॉकआउट कर दिया।

सदन में प्रश्नकाल के बाद नियम-105 अंतर्गत सपा के मुकुल यादव ने प्रदेश की गिरती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाया, सपा के अन्य सदस्यों में आशुतोष सिन्हा ने जौनपुर में दो पुलिस कर्मियों द्वारा मोबाइल चोरी की घटना समेत विभिन्न जिलों में घटित कई अपराधिक घटनाओं से प्रदेश की कानून व्यवस्था को तार-तार दिखाने का प्रयास किया। राज्य सरकार की तरफ से मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि वर्ष 2016 में प्रदेश की हालत किसी से छिपी नहीं है, योगी सरकार में आजमगढ़ से मां-बेटी रात 12 बजे भी सफर कर रही हैं। अब फावड़ा भी चोरी नहीं हो सकता है, जबकि पहले तो ट्रैक्टर उठा लेते थे। वर्ष 2017 के बाद एक भी दंगा नहीं हुआ है, सपा सदस्य किरण पाल कश्यप ने सरकार की बयानबाजी का विरोध करते हुए कहा कि दंगा कराने वाले सरकार चला रहे हैं, हम सपाई दंगा नहीं कराते हैं, नेता विरोधी दल ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के साथ घटित 55292 मामलों को लेकर सरकार जवाब नहीं दे रही है, गुमराह कर रही है और सदन छोड़ दिया।

इसके अलावा 105 अंतर्गत निर्दलीय राज बहादुर सिंह चंदेल ने संविदा शिक्षकों के खाते में सीधे मानदेय देने का मुददा उठाया, सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह के हस्तक्षेप के बाद बेसिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने आश्वासन दिया। शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने 2002 से नियुक्त विषय विशेषज्ञों को पुरानी पेंशन व्यवस्था में शामिल करने का मुद्दा उठाया, मंत्री गुलाब देवी ने आश्वासन दिया।

विधानसभा में मंत्रियों के जवाब...

2017 से पहले अपराध था उद्योग : नंदी

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के चौथे दिन औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में उद्योग की परिभाषा अपहरण, गुंडा टैक्स और अपराध तक सीमित थी, जबकि आज उद्योग की पहचान निवेश, निर्यात और आर्थिक समृद्धि से होती है। विधायकों के तारांकित प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री नंदी ने कहा कि 2016-17 में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 13 .30 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 30 .25 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस प्रकार जीएसडीपी में 127 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि 2018 से अब तक चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 12 .10 लाख करोड़ रुपये की लागत से 16,478 औद्योगिक इकाइयों की ग्राउंडिंग हुई, जिनमें से 6,352 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है।

ओडीओपी से 3.16 लाख को रोजगार : सचान

मंत्री राकेश सचान

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू की गई 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना ने प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों और उत्पादकों को नई पहचान दी है। उन्होंने बताया कि अब तक 1.31 लाख कारीगरों को नि :शुल्क प्रशिक्षण और टूल किट दी गई है। सहारनपुर में 2275 कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया और 454 लाभार्थियों को 16 .26 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी वितरित की गई। मंत्री सचान ने कहा कि वर्ष 2017-18 में प्रदेश का निर्यात 86 हजार करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत योगदान ओडीओपी और हस्तशिल्प उत्पादों का है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक ओडीओपी योजना के माध्यम से 3 .16 लाख लोगों को रोजगार मिला है और इसकी सफलता को देखते हुए इसे देशभर में लागू किया गया है।

पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहेगा: कश्यप

मंत्री नरेंद्र कश्यप

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने विधानसभा में कहा कि योगी सरकार में पिछड़े वर्ग के एक भी पात्र छात्र-छात्रा को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 2 लाख रुपये है, जिसे सरकार निरंतर लागू रखे हुए है। वर्ष 2023-24 से अब तक एक भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहा है। मंत्री कश्यप ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में विभाग का बजट 1286 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 3500 करोड़ रुपये हो गया है। यह लगभग तीन गुना वृद्धि है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 38 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देने का लक्ष्य रखा गया है और छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने में विश्वास रखती है।

विवि संशोधन विधेयक पुरस्थापित : उपाध्याय

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विधानसभा में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026 और द्वितीय संशोधन विधेयक 2026 को पुरस्थापित किया। सदन ने बहुमत से दोनों विधेयकों को पुरस्थापित करने की अनुमति प्रदान की। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इन संशोधन विधेयकों के माध्यम से विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक और शैक्षणिक ढांचे को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शैक्षणिक अनुशासन, जवाबदेही और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा।

लोकलेखा समिति के तीन प्रतिवेदन विस में पेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कैग की रिपोर्टों में ऑडिट आपत्तियों के आधार पर किए गए तैयार**

अमृत विचार: विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को सदन में लोकलेखा समिति (पीएसी) के तीन प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए। ये प्रतिवेदन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्टों में दर्ज ऑडिट आपत्तियों के आधार पर तैयार किए गए हैं। लोकलेखा समिति ने संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन और सार्वजनिक धन के उपयोग की गहन समीक्षा के बाद अपनी सिफारिशें सदन के पटल पर रखीं।

सदन में प्रस्तुत पहला प्रतिवेदन कैग की उस रिपोर्ट पर आधारित है, जो 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए थी और जिसमें कृषि विभाग से जुड़ी ऑडिट आपत्तियों का उल्लेख है। समिति ने कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट उपयोग और प्रक्रियागत खामियों पर टिप्पणी करते हुए विभाग से स्पष्ट जवाबदेही तय करने की सिफारिश की है। दूसरा प्रतिवेदन 31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष की कैग रिपोर्ट पर आधारित है, जिसमें पंचायती राज विभाग से संबंधित ऑडिट आपत्तियों को शामिल किया गया है। इस प्रतिवेदन में ग्राम पंचायतों से लेकर जिला स्तर तक वित्तीय प्रबंधन, कार्यों के निष्पादन और अभिलेखों के रख-रखाव में पाई गई अनियमितताओं की ओर ध्यान दिलाया गया है। समिति ने पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित की है। तीसरा प्रतिवेदन 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष की कैग रिपोर्ट पर आधारित है, जो सामान्य (जनरल एवं सोशल सेक्टर) से संबंधित ऑडिट आपत्तियों पर केंद्रित है।

तेल और गरम तासीर वाले पदार्थों का कम सेवन करे विपक्ष, गुस्सा नहीं आएगा : पाठक

विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री ने सपा नेताओं को लिया आड़े हाथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सदन में बोलते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक विधान परिषद में गुरुवार को प्रश्नकाल में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर सपा सदस्यों को जवाब दे रहे थे। उन्होंने नेता विरोधी दल समेत अन्य सदस्यों को तेल और गरम तासीर वाली पदार्थों का कम सेवन की सलाह देते हुए कहा कि इससे गुस्सा जल्दी आता है और शरीर बीमार होता है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रकृति द्वारा शरीर को अनुमन्य भोज्य पदार्थों का ही सेवन करना चाहिए, शारीरिक श्रम जरूर करना चाहिए। कोई काम न हो तो खुद को घर के काम में व्यस्त रखकर स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गंभीर रोगों से ग्रसित रोगियों के लिए लगातार काम कर रही है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा है। हमारे पास गोरखपुर और रायबरेली में दो एम्स हैं, जो रोगियों का गुणवत्तापूर्ण इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानक विहीन चिकित्सालयों के विरुद्ध विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जाती रहती है। वर्तमान में प्रदेश में 16520 चिकित्सक तैनात हैं। नए चिकित्सकों की तैनाती भी की जा रही है।

ब्राह्मणों के सम्मान को लेकर उठाए सवाल

अमृत विचार : विधान परिषद में सपा सदस्यों ने पीडीए के साथ ही ब्राम्हण कार्ड भी खेला, प्रश्नकाल में सपा के मुकुल यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को स्नान करने से रोके जाने का मुद्दा उठाया, उन्होंने रामचरित मानस की चौपाई का वाचन करते हुए कहा कि शिखा काटना ही ब्राम्हण की मृत्यु समान होता है। प्रदेश में आराजकता का माहौल है, इस पर सत्तापक्ष कहा कि 2015 में सपा सरकार ने उन पर लाठीचार्ज करवाया था।

इलाज डॉक्टरों से मिलता है इमारत से नहीं : विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा पर जमकर बरसे। सपा सरकार के कामकाज को कुकर्म बताते हुए गाय-पड़वा की एक देशी कहानी सुनाकर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि सपा ने मेट्रो ही नहीं, अस्पतालों की इमारतें बनवाईं, मगर डॉक्टर की व्यवस्था नहीं की, उनका चलाने का कोई इरादा नहीं था, सिर्फ ठेकेदारी व लूट का खेल खेला गया। उप मुख्यमंत्री प्रश्नकाल में सपा के आशुतोष सिन्हा के कन्नौज मेडिकल कॉलेज में हृदय और कैंसर हास्पिटल में पद व उपलब्ध इलाज के मुद्दे पर जवाब दे रहे थे, उन्होंने कहा कि सिर्फ बिल्डिंग से अस्पताल नहीं चलता। बिल्डिंग बनाकर छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि अभी सहायक शिक्षकों की संख्या पर्याप्त है, चार साल की सेवाएं देने के बाद ये प्रमोशन के बाद असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर बन जाएंगे, शिक्षकों की कमी दूर हो जाएगी।

एएम ग्रुप और इन्वेस्ट यूपी के बीच एमओयू

289 एकड़ में कार्बन-फ्री डेटा सेंटर, 2030 तक एक गीगावॉट क्षमता से संचालन का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एएम ग्रुप के प्रतिनिधियों को लेटर ऑफ इंटेंट सौंपते यीडा के सीईओ। अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप प्रदेश को देश का अग्रणी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल हुई है। राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी और एएम ग्रुप के बीच एक गीगावॉट हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूट (एचपीसी) एवं एआई हब की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

गुरुवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने एएम ग्रुप के प्रतिनिधियों को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) सौंपा। यीडा द्वारा सेक्टर-28 में 114 एकड़ और सेक्टर-8डी में 175 एकड़, कुल 289 एकड़ भूमि के लिए एलओआई जारी किया गया है। इस भूमि पर अत्याधुनिक, वैश्विक मानकों वाला एआई एवं हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग हब विकसित किया जाएगा। परियोजना यीडा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से स्थापित की जाएगी, जिसमें लगभग 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का प्रस्ताव है।

परियोजना के तहत लगभग पांच लाख हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स से युक्त डेटा सेंटर विकसित किया जाएगा, जो 24×7 कार्बन-फ्री ऊर्जा पर आधारित होगा। इसके लिए पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पम्प्ड स्टोरेज जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों का उपयोग किया जाएगा। पहले चरण का संचालन वर्ष 2028 तक शुरू करने का लक्ष्य है, जबकि वर्ष 2030 तक पूर्ण 1 गीगावॉट क्षमता प्राप्त करने की योजना है।

पर्यटन विकास पारदर्शिता के साथ होगा: जयवीर

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के चौथे दिन विधान परिषद में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रदेश में पर्यटन विकास को लेकर सरकार की नीति और प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों का विकास निर्धारित गाइडलाइन, बजट की उपलब्धता और निर्विवाद, निःशुल्क भूमि की शर्तों के आधार पर ही किया जाता है। मंत्री ने ललितपुर, सीतापुर, झांसी और मिर्जापुर के धार्मिक एवं आस्था केंद्रों के संबंध में बताया कि बुनियादी पर्यटक सुविधाएं- जैसे शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साइनेज ही पर्यटन विभाग के दायरे में आती हैं, जबकि जीर्णोद्धार एवं संरचनात्मक कार्य वर्तमान गाइडलाइन्स में अनुमन्य नहीं हैं।

ब्रह्मोस के संग 'हार्ड पावर' विजन का संदेश

- **मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बदली कवर इमेज**

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने 'नए यूपी' की बढ़ती ताकत का संकेत दिया। बजट 2026-27 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कवर इमेज बदल दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस संग अपनी फोटो लगाकर 'हार्ड पावर' विजन का संदेश दिया। सोशल मीडिया हैंडल पर मुख्यमंत्री का यह संदेश बताता है कि लखनऊ में ब्रह्मोस निर्माण के जरिए उत्तर प्रदेश एक तरफ रक्षा उत्पादन का उभरता वैश्विक हब हो गया है।

श्रृंगवेरपुर को मिलेगा अयोध्या जैसा वैभव

अमृत विचार, लखनऊ : रामनगरी अयोध्या की तर्ज पर निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भव्य और आकर्षक रूप दिया जा रहा है। प्रयागराज जिले के इस ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल पर निषादराज गुह्य सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण तेज गति से जारी है। उप्र. संस्कृति विभाग की इस परियोजना की लागत 19.61 करोड़ रुपये है और लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना में लगभग 400 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम भी है, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऑडिटोरियम में स्टेप स्लैब का काम प्रगति पर है और ब्रिकवर्क पूरा हो चुका है। साथ ही पूरे परिसर में आर्किटेक्चरल व स्ट्रक्चरल कार्य, विद्युत और आंतरिक जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है।

नए बिजली कनेक्शन पर वसूले गए 6016 रुपये समायोजित हों

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने नए बिजली कनेक्शनों पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर की गई 6016 प्रति उपभोक्ता की अतिरिक्त वसूली के समायोजन और अविकसित कॉलोनियों में बिजली कनेक्शन संबंधी नियमों में संशोधन की मांग उठाई है। यह प्रस्ताव परिषद के अध्यक्ष एवं सप्लाई को रिव्यू पैनल सब कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात कर दिया है। परिषद के अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि 31 दिसंबर से प्रदेश में नई कॉस्ट डाटा बुक लागू की गई है, लेकिन उससे पूर्व बिना आयोग की अनुमति के स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर प्रति उपभोक्ता 6016 की वसूली की गई।

पायलट प्रोजेक्ट | लाभार्थियों को नहीं भरना होगा फार्म, पोर्टल कर लेगा ट्रेस

फैमिली आईडी से ऑटोमेटिक बनेगी वृद्धा पेंशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **गोरखपुर, कन्नौज, हरदोई ललितपुर व गाजियाबाद में शुरू होगी व्यवस्था**

अमृत विचार : नियोजन विभाग की तरफ से चल रहा अभियान ''एक परिवार एक पहचान'' के तहत फैमिली आईडी बनवाने वाले बुजुर्ग लाभार्थियों को वृद्धा पेंशन के लिए न कोई आवेदन करना होगा, न ही कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ेंगे। बल्कि उनकी फैमिली आईडी से उम्र और आय के आधार पर ऑटोमेटिक वृद्धा पेंशन का फार्म भर जाएगा। सिर्फ लाभार्थी की सहमति लेकर उसकी बायोमेट्रिक कराकर पेंशन स्वीकृत कर दी जाएगी।

समाज कल्याण विभाग ये नई व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गोरखपुर, कन्नौज, हरदोई, ललितपुर व गाजियाबाद में शुरू करेगा। इन जिलों में एनआईसी पोर्टल विकसित कर रहा है। नये पोर्टल पर समाज कल्याण विभाग और साथ फैमिली आईडी का विवरण लिंक होगा। यदि फैमिली आईडी में 60 वर्ष से ऊपर का कोई लाभार्थी पेंशन योजना से वंचित होगा तो उसका विवरण समाज कल्याण विभाग से ट्रेस होकर ऑटोमेटिक फार्म भर जाएगा। इसके अलावा जो पहले से पेंशन पा रहे या अपात्र हैं, उन्हें लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही डुप्लीकेसी रुकेगी। इससे बिना भागदौड़ और आसानी से घर बैठे बुजुर्गों की पेंशन बनेगी। आगे अन्य योजनाओं में फैमिली आईडी से चयन होगा। अभियान के तहत केंद्र व राज्य के 32 विभागों की 98 महत्वपूर्ण योजनाएं फैमिली आईडी के डाटाबेस के साथ इंटीग्रेट हो चुकी हैं।

एक नजर में आंकड़े

- प्रदेश में पेंशनर - 65 .50 लाख
- फैमिली आईडी से सृजित 4 करोड़ परिवार
- फैमिली आईडी सृजित 15 .62 करोड़ व्यक्ति

पोर्टल आय और उम्र से करेगा ट्रेस व बायोमेट्रिक

अब आय समेत अन्य प्रमाण पत्र आधार प्रमाणिक बनते हैं। इस आधार पर नया पोर्टल फैमिली आईडी के पेंशन से वंचित लाभार्थियों की उम्र और आय ट्रेस करके उनका ऑटोमेटिक फार्म भरेगा। इसके बाद लाभार्थी की सहमति लेकर उसका बायोमेट्रिक कराया जाएगा। इससे पात्रता संबंधित पूरी जांच भी हो जाएगी। इस योजना का मकसद जरूरतमंदों का बिना दौड़भाग के ऑटोमेटिक पेंशन का फार्म भरकर लाभान्वित करना है।

भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि ये 'डील' वो 'डाल' है, जिसको उस पर बैठने वाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ खेती-मज़दूरी ही नहीं, बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोज़गार के खिलाफ है। अब भाजपा के वो संगी-साथी कहां भूमिगत हो गये हैं, जो स्वदेशी का नारा लगाते थे। आत्मनिर्भरता की जगह भाजपाइयों को 'परनिर्भरता' का नारा अपना लेना चाहिए। सपा प्रमुख ने गुरुवार को कहा कि भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। इससे खेती किसानी और किसानों का बड़े पैमाने पर नुकसान होगा।

छूटे तीन करोड़ बच्चों को आज खिलाई जाएगी दवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान का मॉपअप राउंड आज**

अमृत विचार: राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर प्रदेश में 6.7 करोड़ बच्चों ने पेट के कीड़ों से बचाव की दवा एल्बेंडाजाल खाई। छूट गए बच्चों के लिए शुक्रवार को मापअप राउंड चलाया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट में कीड़े रहने से बच्चे कुपोषित हो जाते हैं। इसलिए बचे सभी 1 से 19 साल आयु के बच्चे शुक्रवार को दवा का सेवन जरूर करें।

एसजीपीजीआई की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ पियाली भट्टाचार्य के अनुसार बच्चों के पेट में कीड़े होने पर वे आंतों में खून चूसते हैं। एल्बेंडाजाल सीधे कीड़े को मारने का काम करती है। दवा खाने के बाद पेट में मौजूद कीड़े मचलते हैं। इससे उल्टी, पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इन दुष्प्रभावों को घर पर रहकर की ठीक किया जा सकता है। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सतीश कुमार गौतम ने गुरुवार को बताया कि एल्बेंडाजाल सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से खिलाई जाएगी।

1,60,152 परिवारों को मिली रोजगार की 'गारंटी'

41.36 फीसद महिला श्रमिकों की रही भागीदारी वित्तीय वर्ष में | **21.92** लाख मानव दिवस हुए सृजित प्रदेश में 11 फरवरी तक | **370** परिवार को लखनऊ में गारंटी के 100 दिन काम मिला है

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने गांवों में श्रमिकों को रोजगार देकर उनका शहर की तरफ पलायन रोका है तो पुरुषों के साथ महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। वित्तीय वर्ष में अब तक 1,60,152 परिवारों को गारंटी के 100 दिन काम मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

विभागीय आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11 फरवरी तक 21 करोड़ 92 लाख 17 हजार मानव दिवस सृजित हुए हैं। इनमें 51.82 लाख परिवार ने काम किया है। जबकि 1,60,152 परिवार को लगातार 100 दिन काम मिला है। इसमें महिलाओं की 41.31 फीसद भागीदारी है। अभी फरवरी और मार्च तक रोजगार का आंकड़ा और बढ़ेगा। पिछले वर्ष 2024-25 में मार्च तक सृजित 33 करोड़ 63 लाख 89 हजार मानव दिवस में 65.26 लाख परिवारों ने काम किया था। उस समय महिलाओं की 41.87 फीसद रही। 100 दिन गांरटी के 65.26 लाख परिवार ने काम किया था।

लखनऊ की बात करें तो मनरेगा का दायरा छोटा है। फिर भी इस वर्ष 11 फरवरी तक 16 हजार परिवारों ने काम करके 6.15 लाख मानव दिवस सृजित किए हैं। 370 परिवार को गारंटी के 100 दिन काम मिला है। आगे वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना विकसित भारत - जी राम जी ने नाम से संचालित होकर श्रमिकों को और सशक्त बनाएगी।

यूं बढ़ीं महिला श्रमिक

2021	22	30.96
2022	23	31.75
2023	24	42.46

इसमें पहले से अधिक बजट और 125 दिन काम के साथ कई प्राविधान किए गए हैं।

विकास को रफ्तार देगा इंफ्रास्ट्रक्चर, योजनाओं को लगेंगे पंख

- **अमृत विचार, लखनऊ :** विकास प्राधिकरणों को अवसंरचना यानी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मिला 800 करोड़ रुपये बजट शहर के विकास को रफ्तार देगा। बेहतर रोड व पुल की कनेक्टविटी से यातायात सुगम होगा तो कई नये प्रोजेक्ट धरातल पर उतारे जाएंगे। इससे नई व पुरानी आवासीय योजनाओं में पंख लगेंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण वर्ष 2026-27 में मास्टर प्लान रोड, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, ग्रीन कॉरिडोर, पार्क व संचार जैसी सुविधाएं धरातल पर उतारने की योजना बना रहा है। इससे एक तरफ यातायात सुगम होगा और समय की बचत होगी। रोड कनेक्टविटी भी बेहतर होगी। नई व पुरानी योजनाओं तक आनाजाना आसान और आसान हो जाएगा। इन कार्यों में बजट आवंटित होते ही किसी तरह की बाधा नहीं आएगी। नये वित्तीय वर्ष में एलडीए कई नई टाउनशिप भी लाएगा। इसके अलावा बहुमंजिला अपार्टमेंट बनाने का भी खाका तैयार किया है। योजनाओं की बुकिंग भी शुरू हो गई है। गरीब व मध्यम वर्ग के लिए कई आवासीय व भूखंड की योजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। अवसंरचना के इन योजनाओं को पंख लगेंगे।

पंचायत भवन में सरकारी काम डिजिटल लाइब्रेरी बढ़ाएगी ज्ञान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जिले में चार पंचायत भवन और 112 लाइब्रेरी बनेंगी
- पंचायती राज विभाग को मिला बजट, मजबूत होगा बुनियादी ढांचा

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में कृषि, उद्यान, ग्राम्य विकास और पशुपालन के साथ ग्राम पंचायतों के विकास पर भी जोर दिया है। ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी के लिए 454 करोड़ और बहुद्देशीय पंचायत भवन निर्माण के लिए 57 करोड़ रुपये बजट दिया है। इसमें लखनऊ को उसके हिस्से का बजट आवंटित होने पर चार पंचायत भवन और 112 डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएंगी।

संबंधित विभाग ने चार नये पंचायत भवन बनाने का प्रस्ताव बनाया था। एक पंचायत भवन की लागत 17.46 लाख रुपये है। पंचायत भवन में ग्रामीणों के ब्लॉक, तहसील व जिला स्तरीय सरकारी व ऑनलाइन काम किए जाएंगे। एक छत के नीचे 200 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध होंगी। वहीं, इस बार के बजट में छात्र-छात्राओं के लिए पिछले वर्ष शुरू हुई डिजिटल लाइब्रेरी पर सरकार ने फोकस किया है। अब दूसरे चरण में जिले की ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर चार-चार लाख रुपये से 112 डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएंगी। पहले चरण की 113 लाइब्रेरी का कार्य भी चल रहा है। सरकार का मकसद गांवों में ही छात्र-छात्राओं को डिजिटल पढ़ाई की सुविधा देना है। जिले में एक विधानसभा क्षेत्र में एक उत्सव भवन/बारात घर भी 1.41 करोड़ से बनाया जाएगा। यह जिले का दूसरा उत्सव भवन होगा, पिछले वर्ष ग्राम कठवारा को पहला उत्सव भवन मिला था।

खाली ग्राम पंचायतों पर रखी जाएंगी 91 बीसी सखी

- जिले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत खाली ग्राम पंचायतों पर 91 बीसी सखी रखी जाएंगी। इनके कार्य से ग्रामीणों को घर बैठे बैंकिंग सुविधा मिलेगी तो इससे प्राप्त कमीशन से महिलाएं आत्मनिर्भर और सशक्त बनकर परिवार का हाथ बटाएंगी। मिशन द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह की उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को बीसी सखी के रूप में चयनित किया गया है। कुल 491 ग्राम पंचायत में 273 बीसी सखी सक्रिय और किसी कारण 127 निष्क्रिय यानी काम नहीं करती हैं। जिन्हें मिशन जागरूक करके उनकी जरूरतों को पूरा करते हुए सक्रिय करेगा। साथ ही खाली ग्राम पंचायतों पर 91 नई सखियां रखी जाएंगी।जिला मिशन प्रबंधक तौसीफ अहमद ने बताया कि सरकार की यह अच्छी स्कीम है। इसके संचालन के लिए बजट पर जोर दिया है। यह महिलाएं ग्रामीणों का खाता खोलना, पेंशन संबंधित काम, डीबीटी योजनाओं समेत सभी बैंकिंग कार्य घर-घर जाकर करती हैं। कुछ महिलाएं अस्पतालों पर जाकर गर्भवती महिलाएं और बीमार बुजुर्गों को डिजिटल प्रणाली से उनके खातों से निकासी करके रुपये दिए हैं। 10 से 50 हजार रुपये तक कमा लेती हैं।

न्यूज ब्रीफ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सपा ने सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि जिलों में भाजपा के लोग फार्म-7 के जरिए जिलाधिकारी पर दवाब बनाकर सपा समर्थकों में पीडीए व मुस्लिम मतदाताओं के नाम कटवा रहे हैं। ज्ञापन में मांग की है कि सभी फार्म-7 तत्काल निरस्त किये जायें और मिथ्या (फाल्स) के आधार पर आवेदक के रूप में हस्ताक्षर करने वालों तथा बल्क में फार्म-7 जमा करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए, जिससे एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष सम्पन्न हो सके। कन्नौज, इटावा, बस्ती, प्रयागराज, मेरठ, मिर्जापुर, आगरा, गोरखपुर, देवरिया, बुलंदशहर आदि अधिकांश जिलों के मामले में साक्ष्य दिए हैं।

चौधरी अजित सिंह की जयंती मनाई

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह की 87वीं जयंती 'सेवा सद्भावना दिवस' के रूप में मनाई गई। प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर व आदित्य विक्रम सिंह, प्रदेश महासचिव रमावती तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन रोहित अग्रवाल ने किया। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि चौधरी अजित सिंह का जीवन किसानों, मजदूरों और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित रहा।

डिपो निर्माण से परियोजना को गति मिलेगी

लखनऊ मेट्रो ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के लिए वसंत कुंज डिपो का दूसरा टेंडर जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) ने लखनऊ मेट्रो के प्रस्तावित 12 किलोमीटर लंबे ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के लिए वसंत कुंज डिपो का दूसरा टेंडर जारी कर दिया है।

इस डिपो के निर्माण में करीब 180 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इससे पहले प्रशासन ने पांच एलिवेटेड स्टेशनों के निर्माण का टेंडर जारी किया था। अधिकारियों के अनुसार, नए डिपो से परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी आएगी।

डिपो में अत्याधुनिक तकनीक और पर्यावरण संरक्षण

- वसंत कुंज डिपो ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर चलने वाली ट्रेनों के रखरखाव, जांच और पार्किंग का मुख्य केंद्र होगा। इसे ट्रांसपोर्ट नगर डिपो की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। डिपो में पिट व्हील लेथ मशीन, फुली ऑटोमैटिक सिंक्रोनाइज्ड पिट, मोबाइल जैक मशीन और बोगी टर्न टेबल जैसे अत्याधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। इसके साथ ही डिपो में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी। यहां सोलर पैनल, ड्यूल प्लंबिंग सिस्टम, सीवेज और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी-ईटीपी) लगाए जाएंगे।

परियोजना की लागत और समयसीमा

- ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर परियोजना की कुल अनुमानित लागत 5801.05 करोड़ रुपए है। यह चारबाग से वसंत कुंज तक 12 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें 7 भूमिगत और 5 एलिवेटेड स्टेशन प्रस्तावित हैं। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद इसे पांच वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि डिपो का दूसरा टेंडर जारी होने से परियोजना क्रियान्वयन की दिशा में मजबूती आई है।

कैंसर संस्थान में गरीब मरीजों का इलाज फंसा, बजट खत्म होने की नौबत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में गरीब मरीजों का इलाज फंस गया है। असाध्य योजना के तहत गरीब मरीजों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। बजट खत्म होने से यह नौबत आई है। संस्थान प्रशासन ने उच्च अधिकारियों को कई पत्र लिखे। लेकिन एक माह बाद भी अब तक बजट संस्थान को नहीं मिला है। इसका खामियाजा गरीब कैंसर मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।

कैंसर संस्थान की ओपीडी में प्रतिदिन 500 से अधिक मरीज आ रहे हैं। लगभग 300 बेड हैं। ज्यादातर बेड भरे रहते हैं। प्रदेश भर से कैंसर पीड़ित संस्थान में इलाज के लिए आ रहे हैं। संस्थान में गरीब मरीजों के लिए कई तरह की सरकारी योजनाओं का संचालन हो रहा है। इसमें पंडित दीन दयाल उपाध्याय, आयुष्मान, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री राहत कोष व असाध्य योजना शामिल है। सितंबर 2022 से कैंसर संस्थान में योजना शुरू हुई। योजना में अब तक 130 मरीज पंजीकृत हैं। 2024-25 में शासन ने असाध्य योजना के मरीजों के लिए एक करोड़ का बजट भेजा था। बजट खत्म हो गया। जरूरी कागजी कार्रवाई शासन में कर दी गई है।

मुफ्त इलाज के लिए गरीब मरीज भटक रहे

- बीते करीब एक माह से संस्थान में असाध्य योजना का बजट खत्म हो गया है। इससे संस्थान में हाहाकार मच गया है। कई कैंसर मरीजों का इलाज प्रभावित हो गया है। मरीज संस्थान में मुफ्त इलाज की खातिर चक्कर लगा रहे हैं। अधिकारियों से फारियाद कर रहे हैं। उनकी पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है। कई मरीजों का इलाज प्रभावित है। किसी के रेडियोथेरेपी रुकी है तो किसी मरीज की कीमोथेरेपी की डोज नहीं लग पा रही है। वहीं कई मरीजों की महंगी पेट स्कैन व सीटी स्कैन जैसी जांचें नहीं करा पा रहे हैं।

पांच करोड़ का भेजा प्रस्ताव

- संस्थान के अधिकारियों का कहना है कि पांच करोड़ रुपये का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा गया है। कई रिमाइंडर भी भेजे जा चुके हैं। लेकिन उच्च अधिकारियों ने अभी तक बजट संस्थान नहीं भेजा है। उच्च अधिकारियों की सुस्ती का खामियाजा बेबस मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।

त्योहारों पर अराजकता बर्दाश्त नहीं : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रंग में भंग डालने वालों से सख्ती से निपटने का दिया निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को होली, महाशिवरात्रि और रमजान सहित आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाए।

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से किसी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रंग में भंग डालने वाले, उन्माद फैलाने वाले और अराजक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में सभी मंडलों, पुलिस जोन, रेंज एवं जनपदों के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 2 से 4 मार्च तक मनाए जाने वाले होली पर्व के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाए। होलिका दहन केवल परंपरागत स्थलों पर हो। सड़क के बीच में दहन न कराया जाए। शोभायात्राओं में उपद्रवी तत्वों की घुसपैठ रोकी जाए। सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखी जाए।

महाशिवरात्रि और कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा: योगी ने महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रमुख शिवधामों वाराणसी, मेरठ, लखीमपुर खीरी और बाराबंकी में दर्शन-पूजन की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें 24×7 सक्रिय रहें। महिला सुरक्षा के लिए पर्याप्त महिला पुलिस बल तैनात हो। यातायात और पार्किंग की सुचारु व्यवस्था हो।

ध्वनि नियंत्रण और नई परंपराओं पर रोक: मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि धर्मस्थलों पर ध्वनि-विस्तारक यंत्रों की आवाज परिसर से बाहर न जाए। रात्रि 10 बजे के बाद डीजे और तेज ध्वनि उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में कोई नई परंपरा प्रारंभ न की जाए। धर्मस्थलों के आसपास बढ़ती भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने और संबंधित व्यक्तियों के पुनर्वास की योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए।

परीक्षाएं, रमजान और जनगणना पर सतर्कता

- मुख्यमंत्री योगी ने 18 फरवरी से शुरू हो रही माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन कराने के निर्देश दिए गए। परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। रमजान माह और संभावित 21 मार्च को ईद पर्व के मद्देनजर धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित कर शांति और सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया गया। साथ ही आगामी जनगणना के प्रथम चरण की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए।

सेमीकंडक्टर परियोजना की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में फॉक्सकॉन द्वारा प्रस्तावित प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर पार्क के विकास कार्यक्रम की समीक्षा की। करीब 48 एकड़ में लगभग चार हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस सेमीकंडक्टर पार्क को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना को आधुनिक तकनीक और वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए। साथ ही इसके क्रियान्वयन में सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य में निवेश आकर्षित हो और रोजगार के अवसर बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना से स्थानीय लोगों को अधिकतम लाभ मिले, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। बताया गया कि सेमीकंडक्टर पार्क के निर्माण से लगभग तीन हजार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

जागरूकता | चौक कोतवाली में हुई बैठक में पतंगबाज और विक्रेताओं ने ली शपथ

दिलाई शपथ, न प्रतिबंधित मांझा बेचेंगे, न करेंगे उपयोग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- धारदार-प्रतिबंधित मांझे के प्रयोग और बिक्री पर पुलिस और लखनऊ व्यापार मंडल ने जताई चिंता, किया लोगों को जागरूक

अमृत विचार: धारदार/प्रतिबंधित मांझे के उपयोग से हो रही दुर्घटनाओं एवं जनहानि की संभावनाओं को रोकने के लिए गुरुवार को मांझा बेचने वाले और पतंग उड़ाने वाले लोगों के साथ एक बैठक चौक कोतवाली में की गई। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस बैठक में लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, चौक क्षेत्र के पार्षद अनुराग मिश्रा, पतंग एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, विभिन्न सामाजिक एवं क्लब संगठनों के प्रतिनिधियों और क्षेत्रीय पतंग प्रेमियों ने भाग लिया। बैठक में सीओ चौक, सीओ बाजारखाला की मौजूदगी रही।

बैठक में धारदार एवं प्रतिबंधित मांझे के उपयोग से हो रही दुर्घटनाओं एवं जनहानि की संभावनाओं पर चिंता जताते हुए पतंग उड़ाने वाले लोगों, संस्थाओं और पतंग विक्रेताओं को सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई कि वह आज से किसी भी प्रकार के धारदार अथवा प्रतिबंधित मांझे का प्रयोग नहीं करेंगे और न ही उसकी बिक्री करेंगे। सभी पतंग प्रेमियों ने अपनी स्वेच्छा से अपने पास उपलब्ध ऐसे मांझे को पुलिस प्रशासन के समक्ष जमा कराया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) ने अपने संबोधन में कहा कि धारदार एवं प्रतिबंधित मांझे का प्रयोग विधि विरुद्ध होने के साथ-साथ जनसुरक्षा के लिए अत्यंत घातक है। इसके कारण पूर्व में अनेक दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं, जिनमें आम नागरिकों, दोपहिया वाहन चालकों तथा पक्षियों को गंभीर क्षति पहुंची है।

डी सी पी पश्चिम की अध्यक्षता में चौक कोतवाली लखनऊ परिसर में जनसुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शासन एवं प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित मांझे के क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई का प्रावधान है। किसी भी व्यक्ति द्वारा ऐसे मांझे का उपयोग अथवा भंडारण किए जाने पर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा जनसुरक्षा सर्वोपरि है। पार्षद अनुराग मिश्र ने नागरिकों से अपील की कि वे जागरूकता का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित करें तथा सुरक्षित एवं साधारण धागे का ही उपयोग करें।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

चोरी करने वाले दो किशोर समेत चार धरे गए

अमृत विचार, लखनऊ : जिला गन्ना अधिकारी बाराबंकी समेत दो के निर्माणाधीन मकान में चोरी करने वाले दो चोरों को गोमतीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरोह में शामिल दो किशोरों को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से छह बंडल तार बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों में शुभम कनौजिया उर्फ मोंटू निवासी रायबरेली हालपता सरस्वती अपार्टमेंट गोमतीनगर विस्तार और राकेश निषाद उर्फ सूर्य निवासी छत्तीसगढ़ हालपता ग्वारी गोमतीनगर हैं।

दहेज हत्या में पति गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : दहेज में स्कार्पियो व दो लाख रुपये की मांग से परेशान होकर ललिता ने खुदकुशी की थी। मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपी पति राममिलन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। भदेसुवा में रहने वाले राम मिलन की पत्नी ललिता का शव कमरे में साड़ी के सहारे छत के कुंडे से लटकता हुआ मिला था। मृतका के भाई मनोज कुमार ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिग की पुष्टि हुई थी।

किसानों की आय बढ़ाने पर जोर: मौर्य

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों, उद्यमियों और युवाओं की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत दी जा रही सुविधाओं और अनुदानों की व्यापक जानकारी देकर अधिक से अधिक उद्यम स्थापित कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में इस सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा का शटर गिरा खाताधारक बैठे धरने पर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: जाली एफडी मामले में पारा स्थित शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में गुरुवार सुबह ग्यारह बजे खाताधारकों ने बैंक बंद कर धरना शुरू कर दिया। अपनी मेहनत की कमाई को लेकर चिंतित ग्राहक शाखा के सामने बैठ गए। रकम वापस दिलाने की मांग पर अड़ गए। आरोप है कि खातों से जुड़े लेनदेन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और इस पूरे प्रकरण में बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की संलिप्तता की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

पारा पुलिस ने मौके पर स्थिति संभालने का प्रयास किया और प्रदर्शनकारियों को शांत कराने की कोशिश की। लेकिन, खाताधारक अपनी मांगों पर डटे रहे। एहतियात के तौर पर परिसर में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। दिनभर चली नोंकझोंक के बाद मुख्य शाखा से महिला कर्मचारियों ने पहुंचकर आश्वासन दिया कि शुक्रवार को सभी वरिष्ठ अधिकारी बैंक पहुंचकर उनकी समस्या का समाधान करेंगे।

महिला अधिवक्ता पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास

अमृत विचार , लखनऊ : जानकीपुरम विस्तार में घर के सामने खड़ी पिकअप हटाने को लेकर महिला अधिवक्ता का चालक से विवाद हो गया। अधिवक्ता ने चालक पर अभद्रता करने और गाडी चढ़ाने की कोशिश का आरोप लगते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकीपुरम विस्तार निवासी अधिवक्ता मधुलिका यादव ने बताया कि वह बुधवार शाम करीब 5 :30 बजे अपने जूनियर अधिवक्ता संग घर लौटी थी। उनके घर के गेट के सामने सोलर ऊर्जा का सामान लदी एक सफेद रंग की पिकअप खड़ी थी। जूनियर ने चालक से गाड़ी हटाने को कहा तो उसने इंकार कर दिया। आरोप है कि जब अधिवक्ता खुद गाड़ी हटवाने पहुंचीं तो चालक ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची पुलिस पिकअप चालक रमेश पांडेय को थाने ले आई। जांच की जा रही है।

सड़क हादसों में वृद्ध सहित तीन लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। अलग-अलग क्षेत्रों में तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। वहीं अन्य सड़क हादसों में कावड़ियों सहित अन्य लोग गंभीर घायल हो गए है। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

पुरवा कोतवाली क्षेत्र के तुसरौर गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद (70) पुत्र रामेश्वर मिश्रा गुरुवार सुबह करीब पांच बजे शौच क्रिया के लिए सड़क पार कर रहे थे। तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। खेत में पानी लगा रहे गांव के युवक मुकेश ने बताया कि हादसे के बाद जब कोई पहुंचता तभी पीछे से आया अज्ञात वाहन ने शव को रौंदते हुए करीब 2 किमी आगे बिल्लेश्वर मंदिर तक घसीटता ले गया। इससे शव क्षत-विक्षत हो गया। हादसे की खबर मिलते पत्नी बिटना, बेटे रामकिशोर, श्याम किशोर बेहाल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुरवा कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि बेटे की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लोडर की टक्कर से रायबरेली के युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार। रायबरेली के रमुआपुर दुबाई गांव के मजरा ठाकुरपुर सचिन मिश्रा (32) पुत्र विनोद कुमार बुधवार को बिहार कस्बा में एक शादी में शामिल होने आया था। जहां से देर रात लौटने समय बिहार थानाक्षेत्र के उन्नाव-लालगंज हाइवे पर आकमपुर के पास लोडर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे पीएचसी सुमेरपुर पहुंचाया। जहां डॉक्टर सुनील कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे मां साधना बेहाल हो गई। सचिन तीन भाई व तीन बहनों में बड़ा था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। भाई की मौत की खबर मिलते वह घर के निकले है। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार 3 घायल

औरास, उन्नाव। औरास थाना क्षेत्र में गुरुवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक वृद्ध की हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। मुसलावा गांव निवासी राज (17) पुत्र ब्रजकिशोर, रामजीवन (65) पुत्र बद्री तथा कासिमपुर थाना क्षेत्र के रामपुर भटौली निवासी आशीष (22) पुत्र दीपू एक ही बाइक से भटौली गांव जा रहे थे। औरास-कबरोई मार्ग पर धानमऊ गांव के पास पहुंचते ही किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। रामजीवन को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

पृथक आबकारी निर्यात नीति लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदिरा व एथनॉल निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

अमृत विचार : राज्य सरकार ने उद्योग, कृषि और निर्यात को नई गति देने के उद्देश्य से पहली बार पृथक आबकारी निर्यात नीति लागू की है। यह नीति तीन वित्तीय वर्षों के लिए तैयार की गई है और इसके माध्यम से एथनॉल व पेय मदिरा के निर्यात को प्रोत्साहन देने के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

यह जानकारी आबकारी मंत्री नीतिन अग्रवाल ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि नीति के प्रमुख उद्देश्यों में स्थानीय कृषि से जुड़े अनाज एवं फल आधारित एथनॉल और अन्य उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना शामिल है। इसके साथ ही पेय मदिरा निर्यात के लिए औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने, डिस्टिलरी, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सेवाओं जैसे सहायक क्षेत्रों का विस्तार कर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन का लक्ष्य तय किया गया है।

आबकारी मंत्री ने बताया कि उप्र. देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने तीन वित्तीय वर्षों के लिए अलग से आबकारी निर्यात नीति लागू की है। निर्यात प्रोत्साहन के तहत निर्धारित पेय क्षमता के 25 प्रतिशत तक के समतुल्य निर्यात पर बोतल भराई शुल्क, निर्यात पास फीस, फ्रैंचाइजी फीस और स्पेशल फीस की दरों को न्यूनतम स्तर तक कम कर दिया गया है। इसके अलावा निर्यात किए जाने वाले मदिरा ब्रांडों के ब्रांड पंजीकरण और लेबल अनुमोदन की प्रक्रिया को सरल करते हुए फीस दरों में भी कटौती की गई है। उन्होंने बताया कि नीति के अंतर्गत अन्य राज्यों को शीरा आधारित ईएनए (एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल) के निर्यात पर शुल्क घटाकर 50 पैसे प्रति बल्क लीटर कर दिया गया है। साथ ही निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आसवनियों को हेरिटेज मदिरा निर्माण, टेस्टिंग टैवर्न और फुटकर बिक्री की अनुमति के प्रावधान भी किए गए हैं।

मौसम आधारित कृषि परामर्श जारी, किसानों को फसल प्रबंधन के निर्देश

अमृत विचार , लखनऊ : उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) की 23वीं क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप बैठक में आगामी दो सप्ताह के लिए मौसम आधारित कृषि परामर्श जारी किया गया। महानिदेशक डॉ. संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में छिटपुट वर्षा तथा 17 फरवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज-चमक व तेज हवाओं की संभावना है। बुंदेलखंड व दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री अधिक रह सकता है। किसानों को रबी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई और गेहूं में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग की सलाह दी गई है।

समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारी। अमृत विचार

क्षेत्रीय प्रबंधक ने की यातायात अधिकारियों की समीक्षा बैठक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में क्षेत्र में तैनात यातायात निरीक्षकों व सहायक यातायात निरीक्षकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बसों की सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। मार्गों पर ब्रेथ एनालाइजर से चालकों व परिचालकों का एल्कोहल परीक्षण अनिवार्य रूप से करने को कहा गया। वर्दी में ड्यूटी न करने, ड्यूटी स्लिप तथा सॉफ्टवेयर से निर्गत ड्यूटी की जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मार्ग में बस गंदी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

अनियंत्रित लोडर पेड़ से टकराया 5 कांवड़िए गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ, अमृत विचार। बेहटामुजावर थाना क्षेत्र के अंतर्गत संडीला मार्ग पर बुधवार देर रात लोडर चालक को अचानक झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में खड़े पेड़ से जा टकराया। हादसे में लोडर पर सवार पांच कांवड़िए गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

कन्नौज के थाना गुरसहायगंज क्षेत्र से करीब डेढ़ दर्जन कांवड़ियों का एक जत्था बाराबंकी स्थित बाबा लोधेश्वर महादेव धाम जल चढ़ाने गया था। बुधवार देर रात सभी कांवड़िए लोडर में सवार होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनका वाहन बांगरमऊ-संडीला मार्ग पर स्थित माखन खेड़ा गांव के पास पहुंचा, चालक को नींद की झपकी आ गई और तेज रफ्तार लोडर सीधे पेड़ से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोडर के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों में कौशल (31), उपेंद्र (30), कल्लू (38) निवासी हजरतपुर, कन्नौज, नीतीश (25) निवासी खुदलापुर, कन्नौज, मनोज (चालक) निवासी सादुल्लापुर, बाराबंकी शामिल हैं। सभी घायलों को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दे दी है।

सोशल मीडिया पर गांजा बेचने का वीडियो वायरल, जांच शुरू

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। गुरुवार को सोशल मीडिया पर गांजा बेचने का एक वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया। करीब 44 सेकेंड के इस वीडियो में एक युवक झोले में कथित रूप से गांजा रखे दिखाई दे रहा है। इसी दौरान तीन अन्य युवक वहां पहुंचते हैं और विरोध करते हुए उसका वीडियो बनाने लगते हैं। वीडियो में युवक कहते सुनाई दे रहे हैं कि खुलेआम गांजा बेचा जा रहा है। वे झोला दिखाने और पुड़िया निकालने की बात कहते हुए पुलिस से शिकायत करने की बात भी कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि वीडियो कब और कहां का है, इसकी पुष्टि की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि वॉयरल वीडियो की पुष्टि आपका अमृत विचार अखबार नहीं करता है।

भविष्य संवारने की उम्र में टोल प्लाजा पर बूट पॉलिश कर लोगों के जूते चमका रहे बच्चे

नवाबगंज, अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो दावों और हकीकत के बीच की खाई को बयां कर रही है। यहां नवाबगंज टोल प्लाजा के पास दो मासूम बच्चे अपने कंधों पर भारी बैग लटकाए राहगीरों के जूते पॉलिश करते नजर आए।

जिस उम्र में इन हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए थे, उनमें आज गरीबी ने पॉलिश की डिबिया और ब्रश थमा दिया है। करीब 10 से 12 साल के ये दो बच्चे धूप और धूल के बीच पूरे दिन ग्राहकों का इंतजार करते हैं। एक बच्चा बड़ी कुशलता से जूते चमकाता है, तो दूसरा आने-जाने वाले लोगों से काम के लिए गुजारिश करता है। जब

टोल पर पॉलिश का बैग लिए बच्चे।

किसी राहगीर ने उनसे स्कूल जाने के बारे में पूछा, तो उनके पास कोई जवाब नहीं था सिर्फ एक फीकी मुस्कान और झुकी हुई नजरें थीं, जो उनकी बेबसी को बयां कर रही थीं। प्रदेश सरकार और केंद्र की 'सर्व शिक्षा अभियान' जैसी योजनाएं हर बच्चे को स्कूल पहुंचाने का दम भरती हैं। लेकिन टोल प्लाजा जैसे व्यस्त और संवेदनशील स्थान पर इन बच्चों का खुलेआम बाल श्रम करना प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आर्थिक तंगी ने इन परिवारों को इतना लाचार कर दिया है कि वे बच्चों के भविष्य की बलि देने को मजबूर हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि जब तक प्रशासन इन बच्चों को चिह्नित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से नहीं जोड़ता, तब तक बाल संरक्षण की बातें केवल कागजी ही रहेंगी।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति फेज-5' के अंतर्गत 'सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश' अभियान के तहत गुरुवार को नगर क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक किया गया। एंटी रोमियो महिला पुलिस दल ने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़ी सरकारी सेवाओं की जानकारी दी। गंगाघाट कोतवाली की महिला सिपाही श्रद्धा सिंह, मधु यादव और पूजा पाल ने गंगाघाट रेलवे स्टेशन, मरहला चौराहा तथा नगर की विभिन्न बैंकों में महिलाओं से संवाद स्थापित किया। इस दौरान महिलाओं ने नशेबाजी से बचाव आदि के बारे में भी जानकारी दी।

पौधरोपण करते बीएसए एवं अन्य। अमृत विचार

प्राइमरी विद्यालय में किया पौधरोपण

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देशानुसार जनपद के परिषदीय विद्यालयों में सहजन की फली को मध्याह्न भोजन में शामिल करने तथा प्रत्येक विद्यालय परिसर में सहजन का पौधा लगाने की पहल शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में बुधवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पाण्डेय ने नगर क्षेत्र के पुलिस लाइन स्थित प्राथमिक विद्यालय में सहजन का पौधरोपण किया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय संजय यादव भी उपस्थित रहे। बीएसए ने बच्चों को सहजन के पौष्टिक गुणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह कैल्शियम, आयरन तथा विटामिन ए, सी और ई से भरपूर होता है। इसके नियमित सेवन से बच्चों की हड्डियां मजबूत होंगी, पाचन तंत्र बेहतर होगा और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होगी।

युवक ने लगाया फंदा अस्पताल में भर्ती

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की बालूघाट चौकी अंतर्गत श्रीनगर इलाके में बुधवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। समय रहते परिजनों की नजर पड़ने से उसकी जान बच गई। गंभीर हालत में युवक को कानपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। श्रीनगर निवासी मयंक तिवारी (22) पुत्र अजय तिवारी ने रात करीब साढ़े नौ बजे अपने कमरे में फांसी लगा ली। उस समय घर पर उसकी मां और बहन मौजूद थीं। कुछ आहट होने पर परिजनों ने कमरे में देखा तो युवक फंदे पर लटका मिला। उसे तत्काल फंदे से उतारकर राजधानी मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल ले गए।

शिक्षकों को चयन वेतनमान स्वीकृत किए जाने की मांग

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल खंड शिक्षा अधिकारी हिलौली सुरेश कुमार से मिला। इस दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए विकासखंड के उन सभी शिक्षकों को चयन वेतनमान स्वीकृत करने की मांग की गई, जिनकी सेवाएं 10 वर्ष पूर्ण कर चुकी हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बीएसए द्वारा मांगी गई जिज्ञासाओं को पूर्ण कर शीघ्र प्रेषित किया जाए, ताकि पात्र शिक्षकों को समय से चयन वेतनमान का लाभ मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी न होने की स्थिति में संगठन को आगे की रणनीति बनाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन देने वालों में नीरज कश्यप, दीपक सिंह व सौरभ गुप्ता सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देते जिला उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह व अन्य।

जॉब फेयर में कंपनियों की गैर-मौजूदगी पर भड़के दिव्यांग

उन्नाव, अमृत विचार। आईटीआई परिसर में दिव्यांगों को रोजगार देने के नाम पर आयोजित किया गया जॉब फेयर विवादों के घेरे में आ गया है। प्रशासन ने मेले में 16 प्रतिष्ठित कंपनियों के शामिल होने का दावा किया था, लेकिन हकीकत में केवल 2 कंपनियां ही पहुंचीं। इस कुप्रबंधन से नाराज दिव्यांगों ने जमकर हंगामा किया और सरकार पर गुमराह करने का आरोप लगाया। दिव्यांग महागठबंधन के प्रदेश प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने विकलांग वर्ग को सिर्फ मजाक बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दूर-दराज से आए दिव्यांगों को केवल परेशान किया गया।

पोनी रोड तिराहे पर जाम में फंसे वाहन सवार। अमृत विचार

अवैध टेंपो स्टैंड से लगा भीषण जाम

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। पोनी रोड तिराहे पर अवैध टेंपो स्टैंड लगातार जाम का कारण बन रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड व पुलिसकर्मी अक्सर प्वाइंट छोड़कर गायब हो जाते हैं, जिसके बाद ऑटो और ई-रिक्शा चालक मनमानी ढंग से वाहन खड़े कर देते हैं। परिणामस्वरूप क्षेत्र में बार-बार भीषण जाम की स्थिति बन जाती है। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे पोनी रोड तिराहे पर आड़े-तिरछे खड़े ऑटो और ई-रिक्शों के कारण पोनी रोड तिराहे से लेकर टाकीज के सामने तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। इसी दौरान एक लोडर के पोनी रोड की ओर मुड़ने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। लोडर के हटते ही वाहनों का दबाव बालूघाट मोड़ पर पहुंच गया, जहां फिर जाम लग गया।

आयोजन

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हुआ मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

वर्तमान में लोग अनिद्रा की समस्या से पीड़ित

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य विभाग उन्नाव से आई विशेषज्ञ टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी दी।

कार्यक्रम में मनोविज्ञान काउंसलर सरस्वती रानी, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशा गौतम तथा कम्युनिटी नर्स विजय कुमार उपस्थित रहे। काउंसलर ने बताया कि प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह के गुरुवार को यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि मानसिक रोगों से ग्रसित मरीजों को समय पर परामर्श और उपचार मिल सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोग अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं। पर्याप्त नींद न लेने से इसका सीधा प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है, जिससे व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि डायबिटीज और हृदय रोग की तरह स्कीजोफ्रेनिया भी एक शारीरिक रोग है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक और काल्पनिक अनुभवों में अंतर करने में कठिनाई होती है। भूत-प्रेत का साया महसूस होना, नौकरी जाने का डर, लगातार उदासी, किसी काम में मन न लगना, वजन में बदलाव, आत्महत्या के विचार, यौन इच्छा में कमी और एक ही विचार का बार-बार आना इसके प्रमुख लक्षण हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे मरीजों को घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसका उपचार संभव है।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में जानकारी देती विशेषज्ञ। अमृत विचार

गंगाघाट कोतवाली में हुई पीस कमेटी की बैठक

शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार। आगामी महाशिवरात्रि, रमजान माह एवं होली पर्व के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को गंगाघाट कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार ने की। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, उपजिलाधिकारी सदर क्षितिज द्विवेदी तथा क्षेत्राधिकारी नगर बिनी सिंह मौजूद रहीं। बैठक में धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों, विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजकों एवं डिजिटल वालंटियर्स से त्योहारों को भाईचारे, सौहार्द एवं समन्वय के साथ मनाने की अपील की गई।

निष्काम भक्ति से ही मिलती है आध्यात्मिक शांति व मोक्ष की प्राप्ति

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। कंचन नगर स्थित मां वैष्णो जूनियर हाईस्कूल परिसर में श्री ममतामयी मंडल परिवार के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति का वातावरण चरम पर रहा।

कथा व्यास श्री वल्लभचरणाश्रित केशव देव भक्तमाली ने सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए कृष्ण-सुदामा की निस्वार्थ मित्रता और अनन्य भक्ति का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। व्यास जी ने श्रीमद्भागवत महात्म्य के माध्यम से सात दिनों की कथा का सार प्रस्तुत करते हुए जीवन में भक्ति, समर्पण और सत्कर्मों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम भक्ति से ही मनुष्य को आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम में विधि-विधान से व्यास पूजन एवं आरती की गई। श्रद्धालुओं ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा समापन पर श्री शुकदेव जी द्वारा राजा परीक्षित को मोक्ष प्रदान करने का प्रसंग सुनाया गया, जिसके बाद उनकी भावपूर्ण विदाई का वर्णन हुआ। अंत में भगवान के साथ फूलों की दिव्य होली खेली गई और आनंद उत्सव मनाया गया। पूरा परिसर भक्ति रस में डूबा नजर आया।

कथा व्यास को स्मृति चिन्ह देते पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि।

हरदोई में महिला की गला रेतकर हत्या

शाहाबाद क्षेत्र के अमिरता गांव में खेत में काम करने गयी थी, पुलिस ने शुरू की जांच

वारदात

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

ग्रामीणों से जानकारी लेते एसपी अशोक मीणा। ● अमृत विचार

अमृत विचार। गुरुवार को पूर्वान्ह 11 बजे खेत पर काम करने गई एक महिला की गला रेत कर हत्या कर दी गई हत्या की खबर से इलाके में सनसनी व्याप्त हो गई । घटना की सूचना पाकर सबसे पहले प्रभारी निरीक्षक और क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा और अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना कर बच्चों और ग्रामीणों से बातचीत की। मृतका के देवर ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है।

शाहाबाद कोतवाली के ग्राम अमिरता निवासी सुरेश चंद्र की 42 वर्षीया पत्नी श्रीदेवी गुरुवार को सुबह लगभग 8:30 बजे अपने बेटे आलोक (12) और अंशुल (8) को अपने साथ लेकर खेत पर प्याज गाड़ने के लिए गई थी। थोड़ी देर बाद दोनों बेटे खाना खाने के लिए घर चले आए और खाना खाकर मां के लिए खेत पर खाना ले गए, लेकिन श्रीदेवी दोनों बेटों को खेत पर नहीं मिली तो दोनों बेटे घर वापस आए और अपनी बड़ी बहन अर्चना (18) को पूरी बात बताई कि मां खेत पर नहीं है। अर्चना दोनों बेटों को साथ लेकर खेत पर गई। उसने भी खेत में देखा उसकी मां नहीं है, लेकिन उसको खून के छींटे नजर आए तो खून की दिशा में वह चलती चली गई। करीब 20 कदम दूर श्याम लाल के गेहूं के खेत में श्रीदेवी का रक्त रंजित शव पड़ा हुआ था। शव देखकर उसके होश उड़ गए। गले में गहरी चोट के निशान थे। अर्चना चीखने और चिल्लाने लगी। आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। कुछ ही देर में श्रीदेवी की हत्या की खबर आम हो गई। घटनास्थल पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। घटना की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी गई। क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण, प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। महिला की हत्या की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा और अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और बारीकी से घटनास्थल का मौका मुआयना करने के बाद बच्चों और ग्रामीणों से बात की। मृतका की गर्दन पर धारदार हथियार के निशान थे, जिससे लगता था कि महिला की बेरहमी के साथ गर्दन रेत कर हत्या की गई। मृतका का पति हिमाचल प्रदेश में एक फैक्ट्री में मजदूरी करता है। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किये। मृतका के देवर पिंटू पुत्र भैया लाल ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जांच के बहाने इश्क लड़ाने वाला दरोगा लाइन हाजिर

बाराबंकी, अमृत विचार : घरेलू विवाद की जांच के बहाने महिला से एकतरफा मोहब्बत में डूबे रामनगर थाने के दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया। परिजनों के विरोध पर दरोगा ने झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी थी। जांच पूरी कर सीओ ने एसपी को रिपोर्ट सौंप दी। प्रारंभिक जांच की बिना पर यह कार्रवाई की गई।

बताते चलें कि रामनगर थाना क्षेत्र के कुम्हरावां निवासी अरुण कुमार ने एसपी को बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व पत्नी से हुए विवाद की शिकायत पर एसआई अखिलेश यादव उनके घर जांच के लिए आए थे। आरोप है कि इसी दौरान दरोगा ने पत्नी को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे फोन पर बातचीत शुरू की, जो बाद में कथित तौर पर प्रेम प्रसंग में बदल गई। पीड़ित का कहना है कि कई बार दरोगा जबरन उसकी पत्नी को कार में बैठाकर ले गया। एक बार वह घर में पत्नी के अकेले होने पर भी पहुंचा और दोनों आपत्तिजनक स्थिति में देखे गए। परिवार द्वारा दरोगा के घर आने-जाने पर रोक लगाने से नाराज होकर 28 जनवरी को दरोगा घर पहुंचा, गाली-गलौज की और पूरे परिवार को डकैती के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। मामले में बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद महकमे में हलचल मच गई। हालांकि, एसआई अखिलेश यादव ने सभी आरोपों को निराधार बताया। एसपी के निर्देश पर मामले की जांच सीओ रामनगर गरिमा पंत कर रही थीं। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर आरोपी दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया है। विभागीय जांच जारी है।

1.30 लाख रुपये की वसूली में दो सब इंस्पेक्टर निलंबित

गोंडा, अमृत विचार : एफआईआर और दबिश के नाम पर 1.30 लाख रुपये की वसूली करना श्रावस्ती के दो पुलिसकर्मियों को भारी पड़ गया है। देवीपाटन परिक्षेत्र की भ्रष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन पर दर्ज दो अलग-अलग शिकायतों में आरोप सही पाए जाने के बाद आईजी अमित पाठक ने श्रावस्ती के जेल चौकी प्रभारी समेत 2 उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया है।

शिकायतकर्ता राजेन्द्र वर्मा ने परिक्षेत्र की हेल्पलाइन नम्बर-8467919487 पर शिकायत दर्ज करायी कि 20 जून 2025 की रात लगभग 1 बजे थाना हरदत्तनगर गिरण्ट, जनपद श्रावस्ती के उपनिरीक्षक अंकुर वर्मा अन्य 8-10 पुलिसकर्मियों के साथ उनके घर पहुंचे और दबिश देकर उन्हें थाने ले गये। आरोप है कि पूछताछ के बाद सुबह करीब 4 बजे छोड़ने के एवज में स्थानीय चर्चित दलाल के माध्यम से 1 लाख 30 हजार रुपये वसूले गये। एक अन्य मामले में फूलमती पत्नी जगतराम कुमार, निवासी ग्राम हल्लाजोत, थाना भिनगा, जनपद श्रावस्ती ने शिकायत की कि पड़ोसी से विवाद के मामले में मुकदमा दर्ज कराने व विपक्षी पर कार्रवाई के लिए दलाल के जरिये प्रभारी जेल चौकी भिनगा एसएन यादव द्वारा 2000 रुपये लिये गये, लेकिन इसके बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गयी। दोनों शिकायतों पर पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र अमित पाठक के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधी सेल द्वारा गोपनीय जांच करायी गयी। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए।

कार्यालय जिलाधिकारी, बहराइच।

(खनन अनुभाग)

पत्रांक 54/तीस–खनन/2026 दिनांक : 11/02/2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या–125 दिनांक 15.01.2016 एवं Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016 तथा Enforcement And Monitoring Guidelines For Sand Mining 2020 के अनुक्रम में जनपद बहराइच के जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में विद्यमान 06 क्षेत्रों के अतिरिक्त 05 नये क्षेत्रों को जोड़ते हुए नवीन ड्राफ्ट–जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार किया गया है। जिसे गठित SDC समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

जनपद बहराइच के ड्राफ्ट जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर सर्वसाधारण से टिप्पणी/आपत्ति प्राप्त किये जाने हेतु जनपद बहराइच की पब्लिक डोमेन https://bahraich.nic.in पर दिनांक 14.02.2026 से दिनांक 15.03.2026 (30 दिन) हेतु अपलोड तथा कार्यालय जिलाधिकारी बहराइच, कार्यालय अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) बहराइच एवं खनिज कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया जायेगा। सर्वसाधारण से प्राप्त टिप्पणियों/आपत्तियों पर विचार किया जायेगा तथा उपयुक्त पाये जाने पर उन्हे अन्तिम रूप से दी जाने वाली जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (D.S.R.) में शामिल किया–जायेगा। यदि कोई व्यक्ति उक्त के सम्बन्ध में अपना सुझाव/आपत्ति देना चाहता है, तो वह दिनांक 14.02.2026 से दिनांक 15.03.2026 (30 दिन) के अन्दर कार्यालय जिलाधिकारी (खनन अनुभाग) बहराइच में प्रस्तुत कर सकता है।

(अक्षय त्रिपाठी)
जिलाधिकारी
बहराइच।

UP – **245869 दिनांक:** 11/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कमर हयात अंसारी ने बसपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ी

जलालपुर, अंबेडकरनगर। बसपा को जनपद में उस समय बड़ा झटका लगा जब पार्टी के पूर्व लोकसभा उम्मीदवार एवं पालिका जलालपुर के पूर्व चेयरमैन कमर हयात अंसारी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। करीब 30 वर्षों तक बसपा से जुड़े रहे कमर हयात अंसारी ने अपने त्यागपत्र में लिखा है कि उन्होंने कांशीराम के मिशन और राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती के नेतृत्व में दलित, मुस्लिम और पिछड़े वर्गों के हितों के लिए निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बीते लोकसभा चुनाव में उन्हें लगभग दो लाख मत प्राप्त हुए। लेकिन अपरिहार्य कारणों से वह बसपा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहे हैं। इधर इस संबंध में जब बसपा जिलाध्यक्ष सुनील सावंत से वार्ता की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बाबत न तो कोई आधिकारिक पत्र प्राप्त हुआ है और न ही त्यागपत्र की कोई जानकारी है। कमर हयात के बसपा से इस्तीफे के बाद सपा में शामिल होने की उनकी चर्चाएं तेज हैं। हालांकि इस संबंध में अभी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

लेखा सहायक व कंप्यूटर ऑपरेटर की संविदा समाप्ति के निर्देश

बलरामपुर, अमृत विचार : विकास खंड बलरामपुर सदर के औचक निरीक्षण के दौरान मनरेगा कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने मनरेगा के लेखा सहायक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की संविदा समाप्त कर नए कर्मियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में शिथिलता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने विभिन्न पटलों के अभिलेखों, रजिस्टरों एवं संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। सभी अभिलेख नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा पुरानी व निष्प्रयोज पत्रावलियों को समयबद्ध बीड आउट कर कार्यालय व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। पेंशन के ऑनलाइन आवेदनों की समीक्षा करते हुए पात्रों को समयसीमा में लाभान्वित करने को कहा। आधार केंद्र का निरीक्षण कर सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कन्वर्जेंस से निर्मित हो रहे आंगनबाड़ी केंद्रों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने ग्राम सचिवों को निर्माण कार्य तय समय में पूर्ण कराने को कहा। परिवार रजिस्टर अद्यतन करने के निर्देश दिये।

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना सं. 12/2026

रेल यात्रियों के लिए होली स्पेशल महत्पवूर्ण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु होली स्पेशल (टीओडी) रेल गाड़ियाँ चलाई जाएगी।

01) गाड़ी संख्या. 05005/05006 बढ़नी-अमृतसर-बढ़नी होली स्पेशल (टीओडी)

गाड़ी संख्या. 05005: बढ़नी बुधवार 04.03.2026 से 25.03.2026 = 04 फेरा
गाड़ी संख्या. 05006: अमृतसर बृहस्पतिवार 05.03.2026 से 26.03.2026 = 04 फेरा

गाड़ी संख्या 05005 (बढ़नी - अमृतसर)			गाड़ी संख्या 05006 (अमृतसर - बढ़नी)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	15.10	बढ़नी	8.15	–
15.48	15.50	तुलसीपुर	07.20	07.22
16.16	16.18	बलरामपुर	06.48	06.50
17.05	17.15	गोंडा जंक्शन	06.00	06.05
18.20	18.22	बुढ़वाल	04.57	05.02
19.48	19.58	सीतापुर जंक्शन	02.28	02.38
23.08	23.10	बरेली	22.51	22.56
00.45	00.55	मुरादाबाद	21.22	21.30
03.57	04.02	सहारनपुर जंक्शन	18.00	18.10
04.25	04.27	यमुनानगर जगाधरी	17.30	17.32
05.12	05.20	अंबाला कैंट	16.40	16.50
06.45	06.55	ढंडारी कलां	15.05	15.15
08.05	08.10	जालंधर सिटी	13.53	13.58
08.43	08.45	ब्यास	13.15	13.17
09.30	–	अमृतसर	–	12.45

रेक रेल संरचना: वाताकुलित 3 टीयर–02, वाताकुलित 2 टीयर–01, शयनयान–11, साधारण श्रेणी–4, एसएलआर–2 कुल = 20

02) गाड़ी संख्या. 05023/05024 गोमती नगर-खातीपुरा-गोमती नगर होली स्पेशल (टीओडी)

गाड़ी संख्या. 05023: गोमती नगर बृहस्पतिवार 03.03.2026 से 24.03.2026 = 04 फेरा
गाड़ी संख्या. 05024: खातीपुरा बुधवार 04.03.2026 से 25.03.2026 = 04 फेरा

गाड़ी संख्या. 05023 (गोमती नगर-खातीपुरा)			गाड़ी संख्या. 05024 (खातीपुरा–गोमती नगर)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	23.55	गोमती नगर	11.45	–
00.05	00.10	बादशाह नगर	11.30	11.35
00.15	00.45	डालीगंज	10.50	11.20
03.55	04.00	सीतापुर जंक्शन	08.50	09.00
07.14	07.16	बरेली	05.45	05.47
09.00	09.10	मुरादाबाद	04.22	04.27
11.23	11.25	गाजियाबाद	01.25	01.27
12.10	12.20	दिल्ली जं.	00.25	00.35
12.50	12.52	दिल्ली कैंट	22.50	22.52
13.06	13.08	गुडगांव	22.30	22.32
14.25	14.35	रेवड़ी	21.55	22.05
15.27	15.30	अलवर	20.30	20.33
16.30	16.32	बांदीकुयी	19.40	19.42
17.30	–	खातीपुरा (केडब्ल्यूपी)	–	18.50

रेक रेल संरचना: वाताकुलित 3 टीयर–02, वाताकुलित 2 टीयर–01, शयनयान–11, साधारण श्रेणी–4, एसएलआर–2 कुल = 20

मुजाधि/टी–100–बी मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर

"ट्रैनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

उत्तर प्रदेश सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

(प्रेस–आतिथ्य)

संख्या– 14/सू0एवंज0सं0वि0 (आ0सा0)–01/2023 टी0सी0
लखनऊः दिनांकः 12 फरवरी, 2026

ई–निविदा सूचना

होली के पावन पर्व पर उच्चस्तर से लिये गये निर्णयोपरान्त प्रदेश के जनपदों के महत्वपूर्ण मन्दिरों के पुजारियों, मठों के मठाधिशों प्रदेश सरकार के मंत्रियों सांसदों, विधायकों, विधान परिषद के सदस्यों के अतिरिक्त अतिविशिष्ट महानुभावों समाजसेवियों आदि के मध्य उच्चस्तर से चयनोपरान्त एक आकर्षक मेवा एवं गुजिया, होली के रंगों से युक्त मिष्ठान पैकेट (जिसमें गिफ्ट बॉक्स के अतिरिक्त मेवा, पूजा सामग्री आदि की उपलब्धता के साथ) गिफ्ट बॉक्स के क्रय हेतु अनुभवी एवं दक्ष एजेंसियों से ई–टेण्डर के माध्यम से Quality And Cost Based Selection Method **(QCBS)** के आधार पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाइन ई–निविदा दिनांक– 13.02.2026 के प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 18.02.2026 के अपरान्ह 02:00 बजे तक http://etender.up.nic.in से डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। ऑनलाइन प्राप्त समस्त निविदाओं की तकनीकी बिड निविदादाताओं की उपस्थित/अनुपस्थित में दिनाँक 18.02.2026 के अपरान्ह 04:00 बजे खोली जायेगी।

उक्त आमंत्रित निविदा का विस्तृत विवरण, निविदा प्रपत्र, नियम व शर्ते वेबसाइट http://etender.up.nic.in और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट http://information.up.gov.in पर उपलब्ध हैं।

ऑनलाइन निविदा में प्रतिभाग हेतु निविदादाताओं के पास किसी डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथॉरिटी द्वारा जारी डिजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकैट होना तथा उक्त वेबसाइट पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। तकनीकी बिड में अर्ह पायी गयी फर्म/एजेंसियों का ही प्रस्तुतीकरण कराया जायेगा। एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त/अस्वीकार करने का अधिकार सूचना निदेशक को होगा।

(विशाल सिंह)
सूचना निदेशक

UP-246003 दिनांक 12.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट **www.up.gov.in** पर उपलब्ध है।

बाराबंकी में डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार सगे भाइयों की मौत

निन्दूरा, बाराबंकी

अंकित फाइल फोटो।

विकास फाइल फोटो।

अमृत विचार : घुंघटेर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में ड्यूटी कर घर लौट रहे तीन युवकों की बाइक को तेज रफ्तार डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में जहां एक घर के दो चिराग बुझ गए, वहीं मृतकों में एक तीन माह पहले ही पिता बना था।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के पीरनगर गांव निवासी अंकित यादव (24) और उनके छोटे भाई विकास यादव (20) पुत्र कमलेश यादव अपने साथी विकास (23) पुत्र सुरेश निवासी चुलिहापुरवा के साथ कुर्सी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक अलमारी फैक्ट्री में कार्यरत थे। बुधवार रात ड्यूटी समाप्त कर तीनों एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। देर रात करीब एक बजे निगोहां-बजगहनी मार्ग पर सामने से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद डीसीएम चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को अंकित और उनके भाई विकास मृत अवस्था में मिले। जबकि तीसरा युवक विकास घायल अवस्था में पड़ा था। उसे अस्पताल भेजा गया, जहां हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की खबर जैसे ही पीरनगर गांव पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। अंकित की शादी हो चुकी थी और तीन माह पहले ही उसके घर बेटे का जन्म हुआ था। छोटा भाई विकास अविवाहित था। एक ही घर के दो जवान बेटों की असमय मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

न्यायालय श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय वितत एवं राजस्व न्यायिक खीरी
मेवा राम आदि
बनाम
करतार सिंह आदि
ता0पेशी– 28–2–2026
मु0नं0– 557/2023
धारा– 38 (1) भू0राज0अधि0उ0प्र0
ग्राम दयानतपुर, तह0 मोहम्मदी–खीरी

1– करतार सिंह पुत्र बन्ता सिंह, 2– प्रगट सिंह पुत्र त्रिलोक सिंह, 3. ग्राम पंचायत दयानतपुर, द्वारा प्रधान, 4. हरभजन सिंह कौर पत्नी करतार सिंह, निवासीगण ग्राम दयानतपुर पो0 वीरपुर परगना–अटवा पिपरिया, तह0– मोहम्मदी जिला खीरी (उ0प्र0) 5– हरपाल सिंह पुत्र बल्देव सिंह 6– बलविन्दर सिंह पत्नी बल्देव सिंह 7– जोगेन्द्र सिंह पत्नी दिलीप सिंह, निवासीगण– ग्राम रामलक्षना पो0 वीरपुर परगना–अटवा पिपरिया, तह0– मोहम्मदी जिला खीरी, (उ0प्र0), 8– कुलविन्दर सिंह पुत्र दिलीप सिंह। नि0– पूर्व लखापेड़ा कब्जा व तह0– मोहम्मदी जिला खीरी, (उ0प्र0), 9. सुखविन्दर सिंह पुत्र बलदेव सिंह, वीरहर, निवासी–ग्राम राजगढ, परगना मगदापुर तह0– मोहम्मदी जिला खीरी, (उ0प्र0),

उपरोक्त प्रकाशन द्वारा आप को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28 फरवरी 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा आप के विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए आदेश पारित किया जायेगा।

द्वारा श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय वित्त एवं राजस्व न्यायिक लखीमपुर खीरी (उ0प्र0)

चोरी के 1495 लीटर डीजल के साथ तीन शातिर गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : पेट्रोल पंप पर खड़े वाहनों से डीजल चोरी के बाद सक्रिय हुई लोनीकटरा पुलिस ने 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 31 गैलन व 2 ड्रम में चोरी का 1495 लीटर डीजल, चोरी की घटना में प्रयुक्त इनोवा कार, औजार, उपकरण व एक तमंचा बरामद किया है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि पुलिस ने पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त मो. शोहराब, सतीश कुमार व हरिओम को हुसैनाबाद नेशनल हाईवे-56 अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी का 1495 लीटर डीजल, इनोवा कार, मोहम्मद शोहराब के पास से एक तमंचा आदि बरामद किया गया।

पूछताछ से पता चला कि अभियुक्त मोहम्मद शोहराब अपने साथी सत्य प्रताप व राहुल के साथ रात में खड़े वाहनों से डीजल चोरी करते थे। चोरी के डीजल को सतीश, हरिओम की दुकान पर बेच दिया जाता है। इनके द्वारा 11 फरवरी की रात थाना क्षेत्र में दो वाहनों से डीजल चोरी किया था।

पत्नी और बेटे से बिछड़ने से निराश युवक ने फंदा लगाकर दी जान

हरदोई, बिलग्राम, अमृत विचार। मेहनत-मज़दूरी करने वाले युवक की पत्नी इकलौते बेटे को साथ ले कर उसे अकेला छोड़ गई,अकेलेपन के चलते युवक शराब का लती हो गया(बुधवार की रात उसने अपने कमरे में गमछे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। सुबह उसका शवलटकता मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिलग्राम कोतवाली के नूरपुर हथौड़ा निवासी पप्पू (36) पुत्र फूल चन्द्र दो भाइयों में बड़ा था,वह मेहनत-मज़दूरी कर पत्नी रेखा और इकलौते बेटे का पेट पालता था,उसका छोटा भाई हरिनाम गुजरात में मज़दूरी करता है,। करीब 13 साल पहले पत्नी बेटे को साथ ले कर पप्पू को छोड़ कर चली गई थी,उसके बाद से पप्पू शराब का लती हो गया था। उसके भतीजे अंकुल ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह पप्पू को चाय के लिए बुलाने पहुंचा,जहां कमरे में उसका शव लटक रहा था।

कार्यालय नगर पंचायत सलोन जनपद–रायबरेली

पत्रांकः 693/अधि0अधि0न0प0स0/ई–टेण्डर/2025–26 दिनांकः 12.02.2026

अति अल्पकालीन ई–निविदा सूचना (द्वितीय आमन्त्रण)

एतद्वारा ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य वित्त आयोग/निकाय निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत सलोन में निम्नांकित कार्य हेतु यू0पी0 इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्टर्ड बिल्डर्स/कान्ट्रैक्टर्स/बेन्डर्स से दिनांक– 13.02.2026 से 19.02.2026 सांय 05:00 बजे तक ई–निविदाएं आमन्त्रित की जाती है, जिसकी समस्त कार्यवाही www.etender.up.nic.in पर ही की जायेगी। दिनांक 20.02.2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे निविदाएँ खोली जायेगी। किसी एक अथवा समस्त टेण्डर को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। शासन के निर्देशानुरूप जी.एस.टी. भी मान्य होगी। ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

टेण्डर शेड्यूल (www.etender.up.nic.in पर)

क्र0	नगर पंचायत	ठेकेदार	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1.	Tender Release		12.02.2026	-
2.		Tender Download	13.02.2026 - 10 AM	19.02.2026 - 05 PM
3.		Bid Submission	13.02.2026 - 10 AM	19.02.2026 - 05 PM
4.	Bid Opening		20.02.2026 - 11 AM	

''कार्य–विवरण''

क्र0 सं0	कार्य स्थल का विवरण	अनुमानित लागत (GST रहित)	जमानत राशि 10 प्रतिशत	निविदा फार्म शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पंचायत सलोन के अन्तर्गत वार्ड नं0 15 मोहल्ला मिल्कियाना पश्चिमी में रबरमोल्ड इन्टरलॉकिंग रिपेयरिंग व नाली मरम्मत का कार्य।	423263.00	42350.00	500.00	01 माह
2.	नगर पंचायत सलोन के अन्तर्गत वार्ड नं0 13 मोहल्ला करीमगंज में जिया राईन के मकान से नफीस के मकान तक नाली रिपेयरिंग व पत्थर रखने का निर्माण कार्य।	121776.00	12200.00	150.00	01 माह
3.	रायबरेली प्रतापगढ रोड़ में बिजली घर के सामने नाला व पाइप डालने का निर्माण कार्य।	502374.00	50250.00	600.00	01 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सलोन
रायबरेली

प्रशासक
नगर पंचायत सलोन
रायबरेली।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः– 605/98काम–गो0वृ0/25–26 दिनांक 05.02.2026

ई–निविदा सूचना
(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्षाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

क्र0 सं0	जनपद/ खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।							
विधान सभा–मनकापुर							
1	गोण्डा / प्रान्तीय खण्ड	ग्राम पंचायत दुर्गापुर सकरी चौराहा से ऐलनपुर ग्रन्ट मुरावनडीह होते हुए अमवा राजकरन वर्मा के पुरवा तक सम्पर्क मार्ग	76.50	5.83	2600.00	2 माह	ए,बी
2	गोण्डा / प्रान्तीय खण्ड	अंधियारी जिगना मार्ग से धुसवा गांव होते हुए खैराही डिहवा गांव होते हुए ज्ञानीपुर राम प्रसाद प्राइमरी पाठशाला तक सम्पर्क मार्ग	44.63	4.23	2600.00	2 माह	ए,बी,सी
3	गोण्डा / प्रान्तीय खण्ड	बिरतिया सम्पर्क मार्ग	38.25	3.83	2600.00	2 माह	ए,बी,सी
4	गोण्डा / प्रान्तीय खण्ड	गौरा चौकी मसकनवा मार्ग से पूरे पाण्डेय पासीपुरवा जगन्नाथपुर गांव होते हुए गोपालपुर तक सम्पर्क मार्ग	77.78	5.89	2600.00	2 माह	ए,बी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 14.02.2026 से 24.02.2026 तक दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 24.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 24.02.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/षर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन10आई0सी10 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 24.02.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

UP – **245862 दिनांकः** 11/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

(पी0 के0 त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,गोण्डा

(योगेन्द्र सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

न्यूज ब्रीफ

जल निकासी व्यवस्था का लिया जायजा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने अध्यक्ष नगर पालिका सिद्धार्थनगर गोविंद माधव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अधिशासी अभियंता एन एच 730 आरके वर्मा के साथ नगर पालिका के काशीराम कालोनी में जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने काशीराम कालोनी से उसका मार्ग, केन्द्रीय विद्यालय एवं जिला उद्यान कार्यालय के सामने एन एच द्वारा नाला निर्माण कार्य को देखा। अधिशासी अभियंता एन एच 730 एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को समन्वय स्थापित करते हुए नाला निर्माण कराने का निर्देश दिया, जिससे काशीराम कालोनी में जल जमाव न हो सुचारू रूप से पानी नाले में पहुंच जाए।

दुकान में आग से लाखों रुपये का नुकसान

संतकबीरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के बरदहिया बाजार में बुधवार देर रात होजरी की दुकान में आग लग गई। आग की चपेट में आकर दुकान में रखा लाखों रुपये का कीमती कपड़ा और अन्य सामान जलकर राख हो गया। महुली थाना क्षेत्र के कुरसुरी गांव निवासी दुकान मालिक इसराइल के अनुसार घटना में करीब 20 से 25 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। दमकल की दो गाड़ियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

परिवार की इच्छा के विरुद्ध विवाह करने वाले दंपति की सुरक्षा राज्य का दायित्व

हाईकोर्ट ने अगस्त, 2019 के सरकारी आदेश का कड़ाई से पालन करने का दिया निर्देश

विधि संवाददाता,प्रयागराज।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बालिग दंपतियों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा के मुद्दे पर स्पष्ट किया कि पारिवारिक इच्छाओं के विरुद्ध विवाह करने वाले बालिग दंपतियों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना राज्य का दायित्व है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के 31 अगस्त, 2019 के सरकारी आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, जिसमें ऐसे दंपतियों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य निवारक, उपचारात्मक और दंडात्मक उपाय निर्धारित हैं। उक्त आदेश न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की एकलपीठ ने सामिया व अन्य की ओर से दाखिल सुरक्षा याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने रेखांकित किया कि प्रत्येक मामले में पुलिस अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे खतरे की आशंका का आकलन करें और परिस्थिति की गंभीरता के अनुसार सुरक्षित आवास व पुलिस सुरक्षा सहित आवश्यक संरक्षण उपलब्ध कराएं। मामले के अनुसार दोनों दंपत्ति हापुर जिले के निवासी हैं। मौजूदा याचिका में आरोप लगाया गया था कि आयु अंतर और पति की वैवाहिक स्थिति को लेकर संदेह के कारण महिला का पिता दंपति को लगातार धमका रहा है, जिससे उनके जीवन और स्वतंत्रता पर खतरा उत्पन्न हो गया है। हालांकि कोर्ट ने पाया कि पूर्व में प्रदान की गई अंतरिम सुरक्षा के बाद अब कोई तात्कालिक खतरा शेष नहीं है। इन तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि वास्तविक और गंभीर खतरा उत्पन्न होता है तो दंपति संबंधित पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। अधिकारियों को 2019 के सरकारी आदेश और सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप कार्रवाई करनी होगी।

एफआईआर याचिका खारिज होने के विरुद्ध हाईकोर्ट में चुनौती

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत एक याचिका दाखिल कर संभल न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कथित विवादास्पद बयान के संबंध में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। उक्त आदेश को चुनौती देते हुए हिंदू शक्ति दल की सिमरन गुप्ता द्वारा दाखिल मौजूदा याचिका में तर्क दिया गया है कि वर्ष 2025 में एआईसीसी कार्यालय के उद्घाटन के दौरान गांधी द्वारा कथित रूप से दिए गए बयान "हम अब भाजपा, आरएसएस और स्वयं भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं" से देशभर में जनभावनाएं आहत हुई हैं। इसे प्राथमिकी दर्ज करने योग्य आधार न मानते हुए संभल की निचली अदालत ने पिछले वर्ष प्रथम दृष्टया एफआईआर दर्ज करने की मांग अस्वीकार कर दी। इसके विरुद्ध दाखिल पुनरीक्षण याचिका भी खारिज कर दी गई। इसके बाद याची ने हाईकोर्ट का रुख किया। मामला न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ के समक्ष प्रस्तुत हुआ। अपर शासकीय अधिवक्ता ने तर्क दिया कि याचिका में चुनौती के स्पष्ट आधार नहीं दर्शाए गए हैं। इस पर याची के अधिवक्ता ने आधारों को स्पष्ट करते हुए पूरक हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा। अंत में कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि पूरक हलफनामा दाखिल होने पर कार्यालय उसे अभिलेख पर ले और अगली तिथि तक पंजीकृत करे। मामले की अगली सुनवाई 11 मार्च को निर्धारित की गई है।

एनबीडब्ल्यू के निष्पादन में लापरवाही पर हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य में यूपी पुलिस अधिकारियों को उनके द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के बार-बार निष्पादन न होने के मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि पुलिस बल को बता दें कि यह कानून की अदालत है। हम कानून जानते हैं, हम अदालत की कार्यप्रणाली जानते हैं। हो सकता है कि हम पुलिस के कामकाज को न जानते हों, लेकिन हम इतने समझदार हैं कि यह जान सकें कि पुलिस कब अदालत को हल्के में लेने की कोशिश कर रही है। हमारे साथ खिलवाड़ न करें और जनता के विश्वास को न तोड़ें। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने गौतम बुद्ध नगर और हापुड़ के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए की। दरअसल वर्ष 2019 की एक आपराधिक अपील में हत्या के एक दोषी के खिलाफ जारी एनबीडब्ल्यू का निष्पादन नहीं हो सका। आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने अधीनस्थों के साथ मिलकर वारंट के क्रियान्वयन में ढिलाई बरती। इस पर कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि आईपीसी की धारा 498ए के मामलों में पुलिस प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी तुरंत गिरफ्तार कर लेती है, लेकिन फरार अभियुक्तों को पकड़ने में असफल रहती है। पूर्व सुनवाई में न्यायालय ने पुलिस की रिपोर्ट और अपीलकर्ता के हलफनामे में विरोधाभास पाया था। पुलिस ने पते का सत्यापन न होने की बात कही थी, जबकि अपीलकर्ता ने दावा किया कि पुलिस वारंट की सूचना देने उसके घर आई थी। इस पर 4 फरवरी को गौतम बुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त और हापुड़ के एसएसपी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया गया था। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में हापुड़ के एसएसपी और गौतम बुद्ध नगर के डीसीपी कोर्ट में उपस्थित हुए, जबकि पुलिस आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। प्रारंभ में कोर्ट ने प्रतिनिधि की उपस्थिति पर आपत्ति जताई, हालांकि बाद में आयुक्त को वर्चुअल माध्यम से पेश होने की अनुमति दी।

बिना सुनवाई समन आदेश असंवैधानिक : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट), भदोही द्वारा पारित समन आदेश को प्रथम दृष्टया प्रक्रियागत त्रुटिपूर्ण पाते हुए कड़ी नाराजगी जताई। कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223(1) के प्रथम प्रावधान के तहत आरोपी को सुनवाई का अवसर दिए बिना संज्ञान लेना विधि-विरुद्ध है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरी की एकलपीठ ने विशाल विश्वकर्मा उर्फ विशाल द्वारा बीएनएसएस की धारा 528 के तहत दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में 13.11.2025 के समन आदेश तथा आपराधिक शिकायत वाद की कार्यवाही को निरस्त करने की मांग की गई थी। बता दें कि बीएनएस की धारा 75, 76, 352 तथा एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(द) व 3(1)(ध) के तहत पुलिस स्टेशन भदोही, भदोही में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। विवेचना के उपरांत पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। तत्पश्चात विरोध-पत्र दाखिल हुआ, जिसे परिवाद के रूप में ग्रहण कर लिया गया और बयान दर्ज करने के बाद याची को समन कर लिया गया, इसके खिलाफ मौजूदा याचिका दाखिल की गई।

विवाह या धर्म परिवर्तन से नहीं बदलती जाति

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जाति निर्धारण के मुद्दे पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि जन्म के समय प्राप्त जाति व्यक्ति के साथ बनी रहती है, भले ही वह धर्म परिवर्तन कर ले या विवाह कर ले। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विवाह के बाद भी महिला की जन्मजात जाति में कोई परिवर्तन नहीं होता। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति अनिल कुमार (दशम) की एकलपीठ ने दिनेश व आठ अन्य द्वारा दाखिल आपराधिक अपील को खारिज करते हुए की। अपील में अलीगढ़ के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी अधिनियम) के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत अपीलकर्ताओं को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 323, 506, 452, 354 तथा एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(r) के अंतर्गत मुकदमे की सुनवाई के दौरान तलब किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अपीलकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया तथा विवाद के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना में उसके सहित तीन लोगों के घायल होने का भी आरोप है। समन आदेश को चुनौती देते हुए अपीलकर्ताओं ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता जन्म से अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय से संबंधित है, लेकिन जाट समुदाय के व्यक्ति से विवाह के बाद उसने अपनी जातिगत स्थिति खो दी है।

तीसरी लाइन निर्माण को दी स्वीकृति

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रू. 497.07 करोड़ की लागत से पूर्वोत्तर रेलवे के औड़िहार-वाराणसी सिटी (31.36 किमी.) तीसरी लाइन निर्माण को स्वीकृति प्रदान की। यह परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी एवं गाजीपुर जनपद में अवस्थित है। परियोजना के अन्तर्गत कार्य आरम्भ होने पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा।

औड़िहार-वाराणसी दोहरी लाइन खंड पर बड़ी संख्या में यात्री एवं माल गाड़ियों का संचलन किया जाता है। औड़िहार एक प्रमुख जं. स्टेशन है, जहां से देश के बड़े और महत्वपूर्ण शहरों के लिये ट्रेनों का आवागमन होता है, जिसके कारण इस मार्ग पर तीसरी लाइन की माँग थी, जिसको पूरा करते हुये रेल मंत्रालय द्वारा औड़िहार-वाराणसी सिटी के मध्य तीसरी लाइन के निर्माण को मंजूरी दी है।

कॉरिडोर को तेज़ी से पूरा करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, अमृत विचार। यह नया डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर लगभग 2,100 किलोमीटर लंबा होगा। यह डानकुनि से सूरत तक पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर गुज़रेगा। इससे पूर्वी और पश्चिमी भारत के बीच माल ढुलाई तेज़ और आसान होगी। मालगाड़ियों का समय बचेगा और मौजूदा रेल मार्गों पर भीड़ कम होगी। डीएफसीसीआईएल के अधिकारियों को आधुनिक तकनीक के अनुसार बेहतर तकनीकी मानक तय करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें उच्च क्षमता की बिजली व्यवस्था, बिना किसी लेवल क्रॉसिंग के ट्रैक और 'कवच' जैसी आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा बढ़े और अधिक माल ढुलाई हो सके।

कानूनी लड़ाई में रेलवे को मिली ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली, अमृत विचार। भारतीय रेलवे को सुप्रीम कोर्ट से एक ऐतिहासिक और निर्णायक जीत मिली है। लगभग 10 वर्षों से चली आ रही कानूनी लड़ाई में शीर्ष अदालत ने रेलवे प्रशासन के अधिकारों पर लगी न्यायिक आपराधिक कार्यवाही को पूरी तरह खारिज किया। भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) की वरिष्ठ अधिकारी प्रवीण गौड़ द्विवेदी से जुड़े इस मामले में आया फैसला न केवल रेलवे के संस्थागत हितों की रक्षा करता है, बल्कि भविष्य में रेलवे प्रशासनिक स्वायत्तता के लिए एक मजबूत कानूनी आधार भी तैयार करता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णायक फैसले में निचली अदालतों के विवादित आदेशों को रद्द कर दिया और रेलवे अधिकारी के विरुद्ध चल रहे आपराधिक कार्यवाही को खत्म कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जहां रेलवे मजिस्ट्रेट अपने ही मामले में जज बनना चाहते हैं। अपीलकर्ता ने अपने अधिकारिक क्षमता से बाहर कोई काम नहीं किया था।

तिलौराकोट क्षेत्र में बौद्ध मंदिर खोजा गया

ककरहवा, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नेपाल के इतिहास में पहली बार अप्साइडल (अर्धवृत्ताकार) शैली के बौद्ध मंदिर की खोज तिलौराकोट-कपिलवस्तु क्षेत्र में की गई है। पुरातत्व विभाग ने बुधवार को प्रेस वार्ता में इस महत्वपूर्ण खोज की आधिकारिक घोषणा की। यह खोज दक्षिण एशिया के प्रारंभिक ऐतिहासिक काल के सर्वाधिक संरक्षित प्राचीन नगरों में शामिल तिलौराकोट क्षेत्र में हुई है। प्रेस वार्ता में पुरातत्व विभाग, लुम्बिनी विकास ट्रस्ट तथा यूके के डरहम विश्वविद्यालय से संबद्ध यूनेस्को चेयर के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी साझा की। विशेषज्ञों के अनुसार अप्साइडल मंदिर दक्षिण एशियाई धार्मिक वास्तुकला की एक विशिष्ट शैली है, जिसकी प्रमुख पहचान इसका अर्धवृत्ताकार पिछला भाग तथा सामने बना प्रवेश मंच होता है।

13 घंटे चले ईडी के छापे में नहीं मिले आपत्तिजनक दस्तावेज

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। ब्रिटिश मौलाना शमशुल हुदा के संतकबीरनगर और आजमगढ़ स्थित आवासों पर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने एक साथ छापेमारी की। लखनऊ से आई टीम ने सुबह करीब सात बजे कार्रवाई शुरू की, जो शाम 7:40 बजे तक चली। करीब 13 घंटे चली जांच के बाद किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक दस्तावेज या सामग्री बरामद नहीं होने की बात सामने आई है। आधिकारिक तौर पर भी जब्ती की पुष्टि नहीं की गई।

खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के मीट मंडी मोहल्ले स्थित आवास पर टीम के पहुंचते ही क्षेत्र में हलचल मच गई। अधिकारियों ने मकान को अपने कब्जे में लेकर दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। परिवार के सदस्यों से पूछताछ की गई तथा मोबाइल फोन व अन्य जरूरी कागजातों की पड़ताल की गई। वहीं, मौलाना की पत्नी सकलैन खातून और पुत्रवधू नसरीन जहां का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत दर्ज किया गया। जांच पूरी होने के बाद टीम बिना किसी दस्तावेज की जब्ती के वापस लौट गई। मौलाना शमसुल हुदा ख़ान की पत्नी व पुत्रवधू दोनों ने ईडी के पूछताछ की पुष्टि भी की। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। आवास के बाहर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात रहे और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। संतकबीरनगर में कार्रवाई सहायक निदेशक प्रताप सिंह (ईडी, लखनऊ) के नेतृत्व में हुई।

फार्मर रजिस्ट्री प्रचार वाहन को डीएम ने किया रवाना

संतकबीरनगर, अमृत विचार। जनपद में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री अभियान को गति देने के लिए गुरुवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीणा ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश भी मौजूद रहे। डीएम आलोक कुमार ने बताया कि प्रचार वाहन तीनों तहसीलों के सभी ब्लॉकों व न्याय पंचायतों में भ्रमण कर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के प्रति जागरूक करेगा। किसानों को आधार व खतौनी के माध्यम से पोर्टल पर भूमि विवरण दर्ज कर गोल्डन कार्ड बनवाना है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन-1985 अनुक्रमांक-1199022 का प्रमाण-पत्र वास्तव में खो गया है। MOHAMMAD SAIF (मोहम्मद सैफ़) पुत्र AFZAL AHMAD (अफजाल अहमद), निवासी-म0नं0-107/44, बाइसी की मस्जिद, लखनऊ, उ0प्र0-226001

सूचना
मेरा नाम राज कुमार श्रीवास्तव था जिसे बदल के मैंने राज कुमार रखा है अतः मुझे राज कुमार के नाम से जाना और पहचाना जाए। **राज कुमार पुत्र कृष्ण मोहन, निवासी- ग्राम अंधियारी तहसील मनकापुर पोस्ट अंधियारी, अंधियारी गोंडा उत्तर प्रदेश- 271302**

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD SHAHAVAN से बदलकर SAHBAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। FATHER NAME -IRFAN ADD-VILLAGE SARKATIYA POST AND PS-RUDAULI DIST-AYODHYA-224120 (U.P.)

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम CHANDRA PRAKASH GUPTA था से बदलकर CHANDRA PRAKASH रख लिया है। अब मुझे CHANDRA PRAKASH के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-VISHVA NATH GUPTA, ADD-94/109, NEAR SAI BABA MANDIR NAVAIYA GANESHGANJ PARK AMINABAD DIST-LUCKNOW-226018 (U.P.)

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम MITHILESH KUMAR SHARMA था से बदलकर MITHILESH SHARMA रख लिया है। अब मुझे MITHILESH SHARMA के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAJESH SHARMA ADD-76 BADHAI TOLA PO-MATHIA-BUZURG DIST-KUSHINAGAR-274802 (U.P.)

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम TABREZ AHMAD KHAN था से बदलकर TABREZ AHMED KHAN रख लिया है। अब मुझे TABREZ AHMED KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SHABBIR AHMED KHAN ADD-314, SITALAPUR MANKAURA NUNGO SHITLAPUR DIST-BALRAMPUR-271208(U.P.)

सूचना
पहले मेरा नाम RAKESH KUMAR था अब मैने बदलकर अपना नाम RAKESH KUMAR JAISWAL रख लिया है भविष्य में मुझे RAKESH KUMAR JAISWAL के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- ISHWAR CHANDRA JAISWAL R/O- WARD N0 7 BILTHARA ROAD, PO- BILTHARA ROAD, DISTT- BALLIA UTTAR PRADESH- 221715

Public Notice
Delisha Anwar daughter of Lt. Sabir Anwar Siddiqui is now to be known as Dalisha Anwar Siddiqui as her name has been corrected in the school records as it was a manual error done by her parents.

सूचना
मैं **पिन्की गुप्ता पत्नी ललित कुमार गुप्ता निवासिनी 5/417, विकास नगर, लखनऊ, उ0प्र0,** सर्वसाधारण को विदित करना है कि पिन्की सिंह, श्री ललित कुमार गुप्ता की पत्नी हैं। इनके नाम में पिन्की सिंह के स्थान पर पिन्की गुप्ता जाना जाए।

सूचना
सूचित हो हम **नन्द गोपाल तिवारी पुत्र जगन्नाथ प्रसाद तिवारी व साधना तिवारी पत्नी नन्द गोपाल तिवारी निवासी - 2/30 जिला जेल ब्लॉक 8 मोहनलालगंज लखनऊ, वर्तमान पता - प्लाट सं0 - 39 खसरा सं0-9 गंगोत्री विहार फेज-2 गोमतीनगर विस्तार लखनऊ** अपने बडे पुत्र ओमकार तिवारी व बडी पुत्रवधू अंचल शुक्ला व पौत्र एकाक्ष तिवारी को उनके अनैतिक कृत्यो से क्षुब्ध होने के कारण हम उपरोक्त से सम्बन्ध समाप्त कर चुके हैं, इनके द्वारा किये गये कृत्यो एवं संव्यवहारों से हमारा व हमारे परिवार का कोई वास्ता सरोकार नहीं है।

सूचना
मैं सचिन यादव घोषित करता हूँ कि मेरी द्वितीय वर्ष की अंक तालिका 5 फरवरी को जिसका रोल नं 210721 है। यह (बीबीएयू) बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ की है और गुम हो गयी है। यदि किसी को मिलती है, तो कृपया निम्नलिखित पते पर सूचित करने का कष्ट करें : सचिन यादव 7985877251 आप बीबीएयू के परीक्षा विभाग को भी सूचित करा सकते हैं।

सूचना
सूचित हो कि निरमा कुमारी का नाम आधार कार्ड में निरमा कुमारी (NIRAMA KUMARI) दर्ज है, जबकि हाईस्कूल प्रमाण पत्र में निरमा कुमारी (NIRMA KUMARI) अंकित है। प्रमाण पत्र पर अंकित नाम (NIRMA KUMARI) शपथी आधार कार्ड में भी दर्ज करवाना चाहती है। **निरमा कुमारी पुत्री जय प्रकाश निवासी खल्ला निद्धिपुरवा कोतवाली मुर्तिहा, जिला बहराइच, यूपी**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सूची परगना व तहसील सलोन, जिला रायबरेली की भूमि प्रबंधन समिति की खुली बैठक दिनांक 20-02-2026 को पंचायत भवन सूची में बुलाई गई है। जिसमें अनुसूचित जाति जनजाति एवं गरीब व्यक्तियों को आवासीय एवं कृषि भूमि आवंटन पर विचार विमर्श किया जायेगा। सभी ग्राम वासियों से अनुरोध है कि बैठक में पहुंचने की कृपा करें। - **अध्यक्ष/सचिव, ग्राम पंचायत सूची**

सांड़ों के हमले में युवक की मौत, बुजुर्ग की हालत गंभीर

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचारः हाटा कोतवाली क्षेत्र के भिस्वां बाजार में छुट्टा सांड़ों के झुंड ने युवक पर हमला कर दिया, जिससे मल्लू (48) पुत्र भुवर प्रजापति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मल्लू को बचाने गये मिट्ठु यादव (65) गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाटा पहुंचाया जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया।

गुरुवार दोपहर बाद लगभग 5 बजे मल्लू अपना गेहूं खेत देखने बगीचे की तरफ निकला था, जहां एक दर्जन से अधिक सांड़ों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने सांड़ों को खदेड़ा। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने विधिक कार्रवाई के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मल्लू की मौत से ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे तहसीलदार व कोतवाली प्रभारी संजय दूबे से छुट्टा पशुओं को गांव से बाहर निकालने और मृतक के परिजनों को त्वरित आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई व आर्थिक सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने प्रतियोगिता में दर्ज की जीत

गोरखपुर, अमृत विचार। गाजीपुर में चल रहे राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मैच में पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम को हरा कर प्रतियोगिता जीत ली। पूर्वोत्तर रेलवे की सुमिता को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एवं नंदनी को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। पूर्वोत्तर रेलवे की महिला हॉकी टीम की इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा बिजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद स्तरीय प्रगति-स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 बाल उत्सव का आयोजन गुरुवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद के सभी 14 विकास खंडों से आए छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन में बच्चों के चेहरे पर आत्मविश्वास और मंच पर प्रस्तुति की दृढ़ता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करतीं छात्राएं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एंटी रोमियो दल की जिला प्रभारी शाइस्ता खान रहीं। उन्होंने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने कहा कि स्वाभिमान, साहस और आत्मनिर्भरता जीवन की सफलता के मूल मंत्र हैं। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि डर और झिझक को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना ही सच्ची प्रगति है। आप सभी अपने परिवार, समाज और देश का भविष्य हैं। अपने अंदर की क्षमता को पहचानिए और उसे निखारने का निरंतर प्रयास कीजिए। उन्होंने बालिकाओं को विशेष रूप से आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और किसी भी प्रकार के अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम हैं।

लिया जायजा | जलाभिषेक मार्ग और मेला क्षेत्र में सुरक्षा, पार्किंग व भीड़ प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा

कमिश्नर-डीआईजी ने किया निरीक्षण

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। आगामी महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए बृहस्पतिवार क कमिश्नर बस्ती अखिलेश सिंह व डीआईजी संजीव त्यागी ने डीएम आलोक कुमार और एसपी संदीप कुमार मीना के साथ बाबा तामेश्वरनाथ धाम का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने मंदिर परिसर, जलाभिषेक मार्ग और मेला क्षेत्र में सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तामेश्वर नाथ धाम स्थित महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारी का जायजा लेते कमिश्नर बस्ती अखिलेश सिंह, डीआईजी संजीव त्यागी व अन्य अधिकारी।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर अखिलेश सिंह ने जलाभिषेक के लिए लगने वाली कतारों की बैरिकेडिंग, रूट डायवर्जन, पार्किंग व्यवस्था और श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र व मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखने, अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित करने, अग्निशमन दल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा वालंटियर्स की मदद लेने के निर्देश दिए। साथ ही खोया-पाया केंद्र संचालित करने, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वहीं, डीआईजी बस्ती रेंज संजीव त्यागी ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों, मंदिर के पुजारी/गोसाई जी तथा स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

मंडलायुक्त व डीआईजी ने पर्व को आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनपद की शांतिपूर्ण परंपरा को बनाए रखते हुए कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को चेन स्नेचिंग, चोरी जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की हुई समीक्षा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक सिद्धार्थ सभागार में संपन्न हुआ। जिलाधिकारी ने पीएम श्री स्कूल फेज वन एवं फेज टू में गैप्स के पैरामीटर की समीक्षा की। निपुण लक्ष्य के लिए जारी गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित करायें।

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 113/114/115/ECTC(L)/2025-26
अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट-I टेक्निकल बिड एवम् पार्ट-II फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। 113- **कार्य का नाम :- 132 के0वी0 उपकेन्द्र, कोराँव, प्रयागराज पर क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार के निर्माण से सम्बन्धित जानपदीय कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत :- **रू0 29.93 लाख**, कार्यावधि :- **03 माह**, 114- **कार्य का नाम :- 132 के0वी0 उपकेन्द्र, त्रिपुला रायबरेली पर सुरक्षा दीवार की ऊचाई बढाने एवं नवीन सुरक्षा दीवार के निर्माण एवं सड़क मार्ग मरम्मत के जानपदीय कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत :- **रू0 30.86 लाख**, कार्यावधि :- **01 माह**, 115- **कार्य का नाम :- 132 के0वी0 जी0आई0एस0 उपकेन्द्र, मेहताब बाग, लखनऊ पर मुख्य एप्रोच रोड से बनाये गये ढाल की तीव्रता कम करने के जानपदीय कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत :- **रू0 14.71 लाख**, कार्यावधि :- **01 माह।** उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्ते तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 25.02.2026 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 26.02.2026 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाए'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, कक्ष सं. 223 से 226, प्रथम तल, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ। संख्या : 514-वि.जा.पा.मं.(ल.)/निविदा दिनांक : 10.02.2026**

वर्ल्ड ब्रीफ

पटना: नीट की छात्रा की मौत के मामले को सीबीआई ने संभाला

नई दिल्ली। पटना में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले की जांच सीबीआई ने स्थानीय पुलिस से अपने हाथ में ले ली है। जहानाबाद निवासी छात्रा 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित महिला छात्रावास में बेहोश मिली थी। बाद में वह कोमा में चली गई और पांच दिन बाद निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद मचे हंगामे से बिहार सरकार ने 31 जनवरी को मामला सीबीआई को सौंप दिया। परिजनों ने पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। पीड़िता के परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का भी आरोप लगाया।

आर्थिक वृद्धि में पशु चिकित्सकों की भूमिका अहम : भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में पशु चिकित्सकों की अहम भूमिका है और उन्होंने उनसे पारंपरिक जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर अपना नजरिया व्यापक करने की अपील की। भागवत ने सह-अस्तित्व की भावना पर कहा कि मनुष्यों, जानवरों और प्रकृति के बीच बेहतर सामंजस्य होना चाहिए और समाज को इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए कि संतुलित सह-अस्तित्व कैसे तय किया जाए। भागवत इंडियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस और पशु एवं मत्स्य पालन विज्ञान विवि के संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

माल्या जब तक भारत नहीं लौटता, नहीं होगी सुनवाई : बंबई हाईकोर्ट

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अपने इस रुख को दोहराया कि वह भगोड़े कारोबारी विजय माल्या द्वारा दायर याचिका पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक वह भारत वापस नहीं लौट आता। अदालत ने यह टिप्पणी माल्या की उस याचिका पर दी जिसमें उसने भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के प्रावधानों को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि माल्या को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि वह भारत लौटेंगे या नहीं। माल्या को वापस लौटना होगा...अगर आप वापस नहीं आ सकते तो हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। माल्या 2016 से ब्रिटेन में है। उसने उच्च न्यायालय में दो याचिकाएं दायर की हैं।

केरल के तिरुचिरापल्ली में हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने रेल ट्रैक जाम कर दिया।

बंद : विपक्ष शासित राज्यों में जनजीवन ठप

केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना समेत कई राज्यों में रहा पूरी तरह बंद

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार की नई श्रम संहिताओं समेत कई और मुद्दों के विरोध में दस ट्रेड यूनियनों की ओर से गुरुवार को आहूत 24 घंटे के भारत बंद का देश भर में मिलाजुला असर देखने को मिला। इस हड़ताल ने विपक्ष शासित राज्यों, खासकर दक्षिणी राज्यों में जनजीवन और कारोबार को लगभग ठप कर दिया, दूसरी ओर बाकी भारत में जनजीवन काफी हद तक सामान्य रहा।

केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में पूरी तरह बंद रहा। विपक्षी पार्टियों का शासन वाले पश्चिम बंगाल, पंजाब और झारखंड में बंद आंशिक था, जिसका असर सिर्फ औद्योगिक इलाकों तक ही सीमित था। कई राज्यों की राजधानियों और

औद्योगिक केंद्रों में, मज़दूरों ने भारत बंद के साथ एकजुटता दिखाते हुए आईएनटीयूसी, सीटू, एटक और एचएमएस जैसी बड़ी ट्रेड यूनियनों के बैनर तले मार्च और रैलियां निकालीं। इसमें औद्योगिक श्रमिक, किसान और बैंकिंग, बीमा और दूसरे संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। ट्रेड यूनियन की हड़ताल की गूंज संसद की कार्यवाही में भी सुनाई दी, जहां विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आंदोलन कर रहे श्रमिकों को अपना समर्थन दिया।

राहुल गांधी ने कहा, देश भर में लाखों श्रमिक और किसान सड़कों पर हैं, अपने हक के लिए आवाज़ उठा रहे हैं, उन्होंने सरकार पर उनके भविष्य पर असर डालने वाले फैसले लेते समय हितधारकों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। गांधी ने लिखा, श्रमिकों को डर है कि चार श्रम संहिताएं उनके हक को कमजोर कर देंगी। किसानों को चिंता है कि व्यापार समझौतों से उनकी रोजी-रोटी को नुकसान होगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मनरेगा को कमज़ोर करने या बंद करने का कोई भी कदम ग्रामीण भारत पर बहुत बुरा असर डालेगा। अगर मनरेगा को कमज़ोर किया गया या खत्म कर दिया गया, तो गांवों के पास सहारे का आखिरी ज़रिया भी खत्म हो सकता है।

बजट सत्र : संसद के दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष के बीच घमासान जारी

सत्ता ने किया अर्थव्यवस्था मजबूत होने का दावा, विपक्ष बोला- कोई उपलब्धि नहीं

- **राज्यसभा में चर्चा के दौरान भाजपा ने कहा- सरकार का केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए**

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी के विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए राज्यसभा में सत्ता पक्ष ने कहा कि भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना बताता है कि सरकार ने कितना काम किया है। वहीं विपक्ष ने दावा किया कि उपलब्धियों के नाम पर सरकार के खाते में कुछ भी नहीं है।

राज्यसभा में बजट पर हो रहीं चर्चा में भाजपा के मदन राठौर ने कहा कि यह पूर्ण बजट है और इसमें पिछले साल तक हुए सरकार के कामकाज को आगे बढ़ाने के लिए समुचित प्रावधान किए गए हैं। केवल विरोध करना है इसलिए बजट की आलोचना नहीं की जानी चाहिए बल्कि उसके सकारात्मक पक्षों को भी देखना चाहिए। अगर कांग्रेस के कार्यकाल से तुलना की जाए तो यह बजट हर मायने में बेहतर है। कांग्रेस के जीसी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार का ध्यान विज्ञापनों पर है, वह पुरानी योजनाओं को समाप्त कर रही है और कई का नाम बदल रही है। उपलब्धियों के नाम पर उसके खाते में कुछ भी नहीं है।

भाजपा के शंभुशरण पटेल ने कहा कि यह बजट 140 करोड़ देशवासियों के सपने साकार करने वाला बजट है। मयंक नायक ने कहा कि हर मद में बजट बढ़ाया गया और कोई भी वर्ग उपेक्षा का दावा नहीं कर सकता। भाजपा के केसरीदेव सिंह झाला ने कहा कि प्रदूषण की समस्या के हल को बजट में 20 हजार करोड़ तय करना बेहतर कदम है। भाजपा के अमरपाल मौर्य ने कहा कि यह बजट देश के दीर्घकालिक निर्माण की नींव रखता है। सीमा द्विवेदी ने हर जिले में महिला छात्रावास खोलने की सरकार की घोषणा को सराहनीय बताया। राजीव भट्टाचार्य ने कहा कि शिक्षा के बजट में 14.2 फीसदी की वृद्धि की गई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी ने कहा कि सरकार खुद बताए कि उसने आम आदमी के लिए इस बजट में क्या दिया है। शिवसेना (उबाठा) की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बजट से 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग बजट में अपने लिए कुछ सुविधा की उम्मीद लगाए हुए थे लेकिन वह लोग निराश हो गए।

औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक को विपक्ष ने मजदूर विरोधी बताया, भाजपा ने कहा- श्रमिक हितैषी, हड़ताल रुकेगी

नई दिल्ली। औद्योगिक श्रेत्र के तीन कानूनों की जगह लेने वाली औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 में सरकार द्वारा पेश संशोधन पर लोकसभा में चर्चा करते हुए विपक्ष ने इसे उद्योगों के हित वाला तथा श्रमिक क्षेत्र के लिए असुरक्षा पैदा करने वाला कदम बताया, वहीं भाजपा ने कहा कि इसका मकसद सभी पक्षों के हितों की रक्षा करना है। प्रस्तावित कानून पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने कहा कि यह विधेयक सुधार वाला नहीं, बल्कि पीछे लौटाने वाला है और इसका उद्देश्य क्रमबद्ध तरीके से पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के समय के श्रमिक सुरक्षा सुधारों को समाप्त करना है। उन्होंने देशव्यापी श्रमिक संगठनों की हड़ताल का जिक्र करते हुए कहा कि यह सरकार के लिए चेतावनी है लेकिन सरकार संवाद के बजाय अपने प्रभुत्व में विश्वास रखती है। भाजपा के सदस्य दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि इस संहिता का मकसद प्रगतिशील श्रमिक सुधारों को लागू करते हुए कर्मचारियों समेत सभी पक्षों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि यह संहिता न केवल अर्थव्यवस्था को सुधारेगी, बल्कि मजदूरों को आगे बढ़ाएगी इससे गैरकानूनी हड़ताल और तालाबंदी रुकेगी।

निशिकांत ने की राहुल के खिलाफ दिए नोटिस पर सदन में चर्चा की मांग

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया और कांग्रेस नेता के खिलाफ दिये गए विशिष्ट नोटिस पर सदन में चर्चा कराने की मांग की। शून्य काल के दौरान, भाजपा सांसद ने राहुल पर सोरोस फाउंडेशन और फोर्ड फाउंडेशन के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया।

- **सदस्यता रद्द हो और कभी चुनाव नहीं लड़ पाएं**

उन्होंने आरोप लगाया, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करते हैं। भाजपा सदस्य ने दावा किया कि राहुल गांधी केवल देशद्रोहियों से मिलने वियतनाम, कंबोडिया, बहरीन और थाईलैंड जाते हैं। दुबे ने यह भी आरोप लगाया, वह कभी निर्वाचन आयोग पर, कभी संविधान पर, कभी लोकसभा अध्यक्ष पर, उच्चतम न्यायालय पर, जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं हैं, उन पर आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा आग्रह है कि एक विशिष्ट प्रस्ताव पर राहुल गांधी पर चर्चा होनी चाहिए। उनकी सदस्यता रद्द होनी चाहिए और वह कभी चुनाव नहीं लड़ पाएं।

विशेषाधिकार हनन लाओ या मुकदमा करो किसानों के लिए लड़ूंगा: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश और किसानों को अमेरिका के हाथों बेचने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार उनके खिलाफ चाहे मुकदमा दर्ज करवाए या विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाए, वह किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

- **मोदी ने अपने अरबपति मित्रों के लिए देश बेचा**

राहुल गांधी ने 'एक्स' और अपने व्हाटसएप चैनल पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा, प्राथमिकी हो, मुकदमा दर्ज हो या विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाएं, मैं किसानों के लिए लड़ूंगा। कोई भी ऐसा व्यापार समझौता जो किसानों की रोज़ी-रोटी छीने या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान-विरोधी है। किसान-विरोधी मोदी सरकार को अन्नदाताओं के हितों से समझौता नहीं करने देंगे। कहा, किसान विरोधी मोदी ने देश के अन्नदाताओं को, उनके खून-पसीने को ट्रंप के हाथों बेच दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री पहले अपने अरबपति मित्रों के मुनाफ़े के लिए काले क़ानून लाए थे, अब अपने गले से अमेरिकी शिकंजा हटाने के लिए ट्रंप के अमेरिका के सामने भारतीय खेती के दरवाज़े खोल दिए।

अमरनाथ यात्रियों के लिए दुर्घटना बीमा राशि 10 लाख रुपये

जम्मू। दक्षिण कश्मीर में होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के सिलसिले में पंजीकृत यात्रियों, सेवा प्रदाताओं और पुजारियों के लिए दुर्घटना बीमा की राशि पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। यह निर्णय जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की बैठक में लिया गया।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि बोर्ड ने 2026 की यात्रा के लिए प्रथम पूजा 29 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर करने की घोषणा की है। यात्रा के औपचारिक आरंभ की तिथि शीघ्र ही तय की जाएगी। प्रतिवर्ष देशभर से लाखों श्रद्धालु 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से निर्मित हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि बोर्ड ने बाबा बर्फानी को समर्पित लेजर और साउंड शो आयोजित करने को भी मंजूरी दी है, जो श्रीनगर और जम्मू में आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा एसएएसबी कर्मचारियों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कदमों को भी मंजूरी दी गई।

एचएएल को आठ डॉर्नियर-228 विमानों का मिला आर्डर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली में कानपुर स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के परिवहन विमान प्रभाग के साथ भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए आठ डॉर्नियर-228 विमानों और परिचालन संबंधी उपकरणों की खरीद के लिए 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

यह अनुबंध भारतीय उत्पाद खरीद (बाय (इंडियन) श्रेणी के तहत किया गया। रक्षा मंत्रालय की ओर से अनुबंध पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। डोर्नियर 228 विमान उन्नत सेंसर और आधुनिक एवियोनिक्स से लैस हैं, जिनमें पूर्ण ग्लास कॉकपिट, एकीकृत मिशन प्रबंधन प्रणाली तथा समुद्री निगरानी और टोही अभियानों के लिए विशेष इंतजाम शामिल किए गए हैं।

इस अनुबंध से न सिर्फ एचएएल का उत्पादन तंत्र मजबूत होगा, बल्कि लघु एवं मध्यम उद्यमों के नेटवर्क को भी समर्थन मिलने से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार भी सृजिक होगा। एचएएल की ओर से कहा गया है कि यह अनुबंध आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के साथ भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना को भी मजबूत बनाएगा।

इससे पहले पिछले माह के अंत में भारतीय तटरक्षक बल को दो डॉर्नियर- 228 विमान सौंपे गए थे। इन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के कानपुर स्थित ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन से तटरक्षक बल को दिया गया था। तटरक्षक बल ने इन विमानों का कई तरह के समुद्री अभियानों के लिए इस्तेमाल किए जाने की बात कही थी। इनमें तटीय निगरानी, प्रदूषण पर नजर, खोज और बचाव अभियान और रियल टाइम खुफिया जानकारी जुटाना शामिल था। डॉर्नियर-228 की

एअर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच जारी: एएआईबी

नई दिल्ली। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने कहा कि पिछले वर्ष अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच अभी जारी है और इस संबंध में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है।

एएआईबी ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि दुर्घटना की जांच पूरी हो जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट गलत व अटकलों पर आधारित हैं। एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 241 यात्रियों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। एएआईबी ने एक बयान में कहा, विमान दुर्घटना की जांच एक तकनीकी और साक्ष्य-आधारित प्रक्रिया होती है, जिसका उद्देश्य मूल कारणों का पता लगाना और विमानन सुरक्षा को सुदृढ़ करना है।

सुप्रीम कोर्ट का कर्नाटक की दरगाह पर महाशिवरात्रि की पूजा रोकने से इन्कार

बेंगलुरु, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के अलंद शहर में लाडले मशाक दरगाह पर महाशिवरात्रि पूजा रोकने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया और पूजा जारी रखने की इजाजत दे दी। इस साल 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर दरगाह के भीतर मौजूद राघव चैतन्य शिवलिंग की पूजा होनी है।

याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 32 का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था जिसमें प्रावधान है कि यदि किसी व्यक्ति को प्रतीत होता है कि उसके मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है तो वह इस अनुच्छेद के तहत शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने

- **संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई थी याचिका, कोर्ट ने खारिज कीं दलीलें**

कहा कि संपत्ति या स्थानीय धार्मिक रीति-रिवाजों पर हर विवाद अनुच्छेद 32 के तहत नहीं आता। इसे उच्च न्यायालय या दूसरी प्रशासनिक इकाइयों के फैसलों का लांघने के लिए शॉर्टकट के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि पूजा की इजाजत देने से दरगाह का धार्मिक रूप बदल जाएगा, जिसे वक्फ घोषित किया गया था। उन्होंने उस जगह के नवीनीकरण, निर्माण और पूजा की इजाजत मांगने वाले न्यायालय के पहले के आदेश का हवाला दिया। शीर्ष न्यायालय ने कोई रोक लगाने से मना कर दिया और पूजा जारी रखने की इजाजत दे दी।

दरगाह में है संत राघव चैतन्य की समाधि

14वीं सदी के सूफी संत लाडले मशाक के नाम पर बनी लाडले मशाक दरगाह में 15वीं सदी के हिन्दू संत राघव चैतन्य की समाधि भी है। उस जगह पर शिवलिंग ऐतिहासिक रूप से दोनों समुदायों के भक्तों को अपनी ओर खींचता रहा है। हिन्दू पारंपरिक रूप से वहां पूजा करते रहे हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फरवरी 2025 में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सिर्फ 15 लोगों को महाशिवरात्रि पूजा करने की इजाजत दी थी, जबकि याचिका में 500 भक्तों के लिए इजाजत मांगी गयी थी।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में हिंसा काबू में आई

नई दिल्ली। केंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले साल 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में भीड़ को उकसाने वाले मुख्य शख्स थे। केंद्र से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने कहा कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद हिंसा नियंत्रण में आ गई।

नटराज ने पीठ को बताया कि वह हिंसा को मुख्य रूप से उकसाने वाले थे। हिरासत आदेश में स्पष्ट संबंध दिखता है, इसमें सोची-समझी रणनीति का इस्तेमाल किया गया है।उनकी गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और हिंसा नियंत्रण में आ गई। इसलिए यह साबित हो गया कि गिरफ्तारी का आदेश सटीक था जो उस स्थिति में उचित था। विधि अधिकारी ने कहा कि वांगचुक की हिरासत के लिए इन सभी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक पालन किया गया।

राकांपा के दोनों गुटों के विलय में शरद बने बाधा

मुंबई, एजेंसी

- **अजीत पवार के गुट में भी बने दो धड़े, सुनेत्रा पवार भी अनिश्चय में**

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में उसके संस्थापक अध्यक्ष शरद पवार के ही दिवंगत अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के साथ एकीकरण के मार्ग में बाधा बन जाने की सुगबुगाहट है। इस बीच शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने कहा, हम जल्द ही दोनों गुटों के विलय के संबंध में घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि वह यह घोषणा गुरुवार को करने वाले थे लेकिन अब 16 या 17 फरवरी को करेंगे।

कहा जा रहा है कि अजीत पवार गुट के भीतर भी इस मुद्दे पर मोटे तौर पर दो धड़े हैं। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व वाला एक धड़ा भाजपा समर्थक है जो चाहता है कि शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा का विलय अजीत पवार गुट में उन शर्तों पर हो जो भाजपा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार के अनुकूल हों। तटकरे ने बुधवार को खुलकर यह बात कही। दूसरी ओर अजीत पवार गुट के अमोल मिटकरी और प्रमोद हिंदुराव समेत कई नेता भाजपा को लाभ पहुंचाने वाले विलय के विचार के प्रति खुश नहीं हैं, साथ ही दिवंगत अजीत पवार की 28 जनवरी को हुई विमान दुर्घटना में मृत्यु के बारे में खुलासे भी कर रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार भी प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के प्रभाव में हैं, जो भाजपा के करीबी माने जाते हैं। उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हालिया बैठक ने मामलों को और अधिक जटिल बना दिया है।

मप्र: सिंगरौली में दो लोगों की दी गई बलि आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में अंधविश्वास से जुड़े मानव बलि के मामले में गुरुवार को तड़के दो लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर लोहरा गांव के बेरिहवा टोल में 21 वर्षीय युवक को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि आरोपी ने फूलकुमारी सिंह गोंड और कमल नारायण सिंह गोंड को घर बुलाकर धारदार हथियार से उन पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। जब दो ग्रामीणों सुमित्रा सिंह और राम भजन सिंह ने हस्तक्षेप की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें घायल कर दिया। यह घटना सुबह चार से पांच बजे के बीच हुई और यह पूर्व नियोजित थी। हत्याओं को आरोपी के घर के बाहर आंगन में चबूतरे के पास अंजाम दिया गया। पुलिस को घटनास्थल से धार्मिक अनुष्ठानों की सामग्री मिली।

विपक्ष के आरोप राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् गाने के केंद्र के आदेश पर बंगाल में शुरू हुआ सियासी घमासान

चुनावी लाभ के लिए टैगोर को कमतर दिखाने की कोशिश

कोलकाता, एजेंसी

आधिकारिक समारोह में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सभी छह छंद को राष्ट्रगान जन गण मन से पहले गाए जाने के केंद्र के निर्देश के बाद पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले तीखी राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने इस आदेश को रवींद्रनाथ टैगोर को कमतर दिखाने और चुनावी लाभ के लिए प्रतीकवाद बढ़ाने का प्रयास बताया, वहीं कांग्रेस ने इसे भाजपा का विभाजनकारी हथकंडा करार दिया। भाजपा का कहना है कि यह केवल ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के गीत को पूरा सम्मान वापस दिलाने का प्रयास है।

बुधवार को अधिसूचित इस आदेश में गृह मंत्रालय ने कहा कि जब राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय गान साथ-साथ गाए जाएं, तो वंदे मातरम् को जन गण मन से पहले गाना अनिवार्य है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि पार्टी को बंकिमचंद्र के योगदान को उजागर करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह कदम टैगोर को कमतर दिखाने का प्रयास है। बसु ने कहा, इस बात पर जोर देकर कि वंदे मातरम् को जन गण मन से पहले गाया जाना चाहिए, वे एक श्रेणी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए रवींद्रनाथ का अपमान किया गया है।

राज्य की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए याद दिलाया कि उन्होंने एक बार संसद में बंकिमचंद्र को बंकिम दा कहा था। उन्होंने कहा, क्या यह उस घाव पर मरहम लगाने का प्रयास है। कांग्रेस ने भी इस आरोप को दोहराया और कहा कि इस कदम का उद्देश्य चुनाव से पहले राजनीतिक लाभ हासिल करना है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने इसे विभाजन की रणनीति करार दिया। हालांकि, भाजपा ने आलोचना को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर सांप्रदायिक तुष्टीकरण के दबाव में वंदे मातरम् को ऐतिहासिक रूप से छोटा किए जाने का आरोप लगाया।

आदेश असंवैधानिक, वापस न हुआ तो कोर्ट जाएंगे: पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों को गाए जाने संबंधी सरकार के आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यदि सरकार ने यह आदेश वापस नहीं लिया तो वह न्यायालय का रुख करेगा। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने कहा, यह आदेश असंवैधानिक, धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विपरीत और मुसलमानों की धार्मिक मान्यताओं से सीधा टकराव है। इसलिए यह फैसला मुसलमानों के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। मुजद्दिदी के मुताबिक, रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह और संविधान सभा में हुई चर्चा के बाद यह तय हुआ था कि वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरों का ही उपयोग किया जाएगा।

प्रेम का उपहार दिया नहीं जा सकता, यह स्वीकार किए जाने की प्रतीक्षा करता है।

–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

महत्वाकांक्षी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार का तकरीबन सवा नौ लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट संकेत देता है कि सरकार राज्य को 'ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' के लक्ष्य पर अग्रसर है। बजट में बुनियादी ढांचे, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक निवेश पर विशेष जोर है। एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर और औद्योगिक पार्क जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त प्रावधान प्रशंसनीय हैं। इससे निवेश आकर्षित होगा और दीर्घकाल में रोजगार सृजन की संभावना बढ़ेगी। पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं क्षेत्रीय असमानता कम करेंगी।

सरकार ने कौशल विकास, स्टार्टअप और स्वरोजगार योजनाओं के लिए बजट बढ़ाया है, हालांकि प्रत्यक्ष सरकारी नौकरियों की बड़ी घोषणाएं सीमित हैं। रोजगार सृजन का भरोसा मुख्यतः निजी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार पर आधारित है। चुनावी वर्ष की आहट को देखते हुए युवाओं के लिए लक्ष्य आधारित कार्यक्रम स्वागत योग्य हैं, लेकिन उनकी ठोस समय सीमा और निगरानी तंत्र भी स्पष्ट होना चाहिए। सरकारी स्कूलों के आधुनिकीकरण, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा पर खर्च बढ़ाने से मानव संसाधन विकास को बल मिलेगा। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी पार्क और अनुसंधान केंद्रों के लिए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि राज्य तकनीक आधारित विकास मॉडल अपनाना चाहता है। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन या स्थायीकरण संबंधी कोई स्पष्ट राहत न मिलना असंतोष का कारण बन सकता है। यह वर्ग लंबे समय से नियमितीकरण और वेतन वृद्धि की मांग कर रहा है। कृषि बजट में सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, फसल बीमा और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की घोषणाओं से उत्पादकता और लागत संतुलन में मदद मिल सकती है, किसानों को तकनीक आधारित सेवाओं और कृषि स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिलना दीर्घकालीन सुधार का संकेत है, पर एमएसपी, गन्ना भुगतान या कृषि ऋण राहत जैसे मुद्दों पर कोई बड़ा और नया एलान भी अपेक्षित था। विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन योजनाएं जारी हैं, परंतु वृद्धावस्था पेंशन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी न होना महंगाई के परिप्रेक्ष्य में निराशाजनक माना जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा का दायरा विस्तारित हुआ है, पर राशि में बड़े इजाफे की उम्मीद पूरी नहीं हुई। 8वें वेतनमान की घोषणा न होना यह दर्शाता है कि सरकार वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहती है। वेतन व्यय पहले ही बजट का बड़ा हिस्सा लेता है, संभव है कि इस पर निर्णय केंद्र के संकेतों के बाद लिया जाए। इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश परियोजनाओं में पिछली घोषणाओं का बड़ा हिस्सा लागू हुआ है, फिर भी कई सामाजिक योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन अभी मूल्यांकन मांगता है। संभव है कि वर्ष के मध्य में अनुपूरक बजट आए, जिसमें छूटे क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए जाएं।

इस बजट में आम नागरिक को बेहतर सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार अवसर के रूप में अप्रत्यक्ष लाभ की उम्मीद है। मध्यम वर्ग को बुनियादी सेवाओं के विस्तार से फायदा होगा, पर तात्कालिक आर्थिक राहत सीमित दिखती है।

प्रसंगवश

रेडियो के वो सुहाने दिन बस यादें रह जाती हैं

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रयाग पांडे

वरिष्ठ पत्रकार, नैनीताल

1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद् जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हर्ट्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा, लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूर संचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद् रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हर्ट्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर, 1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुंचाने में सफ़लता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया।

प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरूष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया।

शुरुआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया। 1920 मे वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमरीकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर, 1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया।

1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉपरेशन वजूद में आई। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। 1957 में आकाशवाणी।

लोकसभा अध्यक्ष पर अविश्वास प्रस्ताव व विपक्ष की राजनीति

विवेक सक्सेना

अयोध्या

वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव केंद्र सरकार के लिए न सही, पर देश की राजनीति के लिए भी चिंताजनक है। तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर इंडिया गठबंधन के करीब 120 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर वाले इस प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा होने की संभावना है। संविधान के अनुच्छेद 94C के तहत अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस 10 फरवरी को सौंपा गया था। विपक्षी दलों ने बिरला पर सदन में पक्षपात का आरोप लगाते हुए यह प्रस्ताव पेश किया है। विपक्ष ने अध्यक्ष पर लोकसभा में कुछ अप्रत्याशित कार्रवाई करने की बात करते हुए कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ झूठे दावे करने का भी आरोप लगाया है।

तृणमूल ने बिरला को दो दिनों की मोहलत देने की पैरोकारी करते हुए हस्ताक्षर से परहेज किया। राहुल गांधी के भी हस्ताक्षर नहीं हैं, हालांकि इस संदर्भ में तर्क दिया गया कि लोकसभा में नेता विपक्ष का संवैधानिक पद है और इसलिए संसदीय गरिमा-मर्यादा का ध्यान रखते हुए स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। सपा के कई सांसदों के तो हस्ताक्षर हैं, जिसमें डिंपल यादव भी शामिल हैं, लेकिन अखिलेश यादव ने हस्ताक्षर से परहेज किया है। स्पीकर बिरला ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव नोटिस को आगे की प्रक्रिया के लिए लोकसभा सचिवालय को भेज दिया है। इस बीच बिरला ने फैसला किया है कि महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया खत्म होने तक सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। विपक्षी दलों के इस नोटिस के साथ ही लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने देने के विवाद ने सियासी संग्राम का नया रूख अख्तियार कर लिया है।

भारत में गठबंधन राजनीति की प्रकृति को देखते हुए, स्वतंत्रता के बाद से समय-समय पर अविश्वास प्रस्ताव आते रहे हैं। अविश्वास प्रस्ताव एक राजनीतिक संकट का संकेत होता है, हालांकि ये प्रस्ताव राजनीतिक चर्चा को जटिल बनाते हैं और विपक्ष को अपनी असहमति दर्ज कराने का अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन क्या ये प्रस्ताव संकट के समाधान में सहायक होते हैं? जवाहरलाल नेहरू को अविश्वास प्रस्ताव का सामना 1963 में करना पड़ा, जो 1962 के भारत-चीन संघर्ष के बाद की स्थिति थी। इंदिरा गांधी के खिलाफ 1973 में अविश्वास प्रस्ताव पेश हुआ था। इंदिरा गांधी को 1966 से 1977 के बीच अपने कार्यकाल में 12 अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। राजनीति के आरोपों से घिरे मोरारजी देसाई के खिलाफ 1979 में संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।

तीन साल के अंतराल के बाद जब इंदिरा गांधी 1980 में सत्ता में लौटीं, तो उन्हें तीन और अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। 1993 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, हालांकि राव मामूली अंतर से चुनाव जीतने में कामयाब रहे। 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई, तो उन्हें लोकसभा का विश्वास खोने के कारण 13 दिनों के भीतर ही इस्तीफा देना पड़ा। वाजपेयी को अगस्त 2003 में जॉर्ज फर्नांडीस को रक्षा मंत्री नियुक्त करने के लिए एक और अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा।

लोकसभा में दो फरवरी से ही व्यवधान देखा जा रहा है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अध्यक्ष द्वारा पूर्व सेवा प्रमुख एमएम नरवाने की किताब के अंश पर आधारित एक लेख को पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी, जिसमें भारत-चीन संघर्ष का जिक्र था। चार फरवरी को विपक्ष के हंगामे के कारण प्रधानमंत्री मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब नहीं दे सके और प्रधानमंत्री के भाषण के बिना ही पांच फरवरी को धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। ये अविश्वास प्रस्ताव इसलिए लाया जा रहा है कि उन्होंने राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया।

वैसे तो विपक्षी सांसदों की शिकायतों पर सत्ता पक्ष के नेता अपना जवाब देते रहे हैं, पर अब उन्हें ज्यादा गंभीरता से इस प्रस्ताव का सामना करना पड़ेगा। अब सत्ता पक्ष या लोकसभा सचिवालय को भी आंकड़ों के आधार पर बताना होगा कि संसद सत्र में विपक्षी दलों के सांसदों को कितना वक्त बोलने के लिए दिया गया है? विपक्षी दलों के सदस्यों को क्या बोलने से रोका गया है? सत्ता पक्ष की खामियों को उठाना विपक्षी सांसदों का काम है, पर इसको दर्ज कराते समय उससे जुड़े प्रामाणिक तथ्य रखना भी उनकी जिम्मेदारी है, हालांकि संविधान का अनुच्छेद 96 अध्यक्ष को सदन में अपना बचाव करने का अवसर देता है। सदन में अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किए जाने पर अध्यक्ष अपना मत डाल सकते हैं, लेकिन बराबर होने की स्थिति में मत नहीं डाल सकते।

संख्या बल में सरकार आगे है और ओम बिरला के पद पर किसी तरह का खतरा फिलहाल नहीं है, लेकिन इसकी वजह से संसद में कड़वाहट और टकराव कहीं अधिक तीखा होगा। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ सकता है, फिलहाल कहना कठिन है कि इस अविश्वास प्रस्ताव का क्या हश्र होगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले विपक्ष ने राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की पहल की थी। संख्या बल धनखड़ के पक्ष में था, लेकिन अंततः वह इतने कमजोर हो गए कि इस्तीफा देना पड़ा।

धनखड़ की तुलना में ओम बिरला को सदन चलाने का ज्यादा अनुभव है। देश में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बलराम जाखड़ सर्वाधिक नौ वर्ष से ज्यादा समय तक पद पर रहे और उनके बाद ओम बिरला का ही स्थान है। पूर्व में तीन लोकसभा अध्यक्षों जीवी मावलंकर, हुकुम सिंह और बलराम जाखड़ के खिलाफ विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया जा चुका है, मगर तीनों ही बार यह खारिज हो गया था। दुर्भाग्य है कि आज की राजनीति में यह निरंतर घट रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्षी सांसदों द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव देश की राजनीति के लिए चिंताजनक है। करीब 120 सांसदों के हस्ताक्षर वाले प्रस्ताव पर नौ मार्च को चर्चा की संभावना है।

आमने

जब 'आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना' के तहत जनता को हर तरह का मुफ्त इलाज मिल रहा है, तो इस कानून की अलग से कोई जरूरत ही नहीं है। पिछली कांग्रेस सरकार चुनावी फायदे के लिए आचार संहिता से ठीक पहले राइट टु हेल्थ बिल लाई थी।

–गजेंद्र सिंह खींवसर

स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान

सामने

विधानसभा में चिकित्सा मंत्री का 'राइट टू हेल्थ' पर बयान निंदनीय है। हमारी सरकार ने यूनिवर्सल हेल्थकेयर योजनाएं जैसे चिरंजीवी योजना एवं निरोगी राजस्थान योजना लागू होने के बावजूद राइट टू हेल्थ की परिकल्पना की, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीज इलाज से वंचित न रहे।

–अशोक गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

धमकी से लेकर घुटने टेकने तक पाक का ड्रामा

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

पाकिस्तान बीते कई दिनों से कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप का आगामी 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। फिर उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट संघ (आईसीसी) के दबाव के आगे घुटने टेक दिए। अब उसने कहा है कि वह भारत के खिलाफ मैच खेलेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उससे जुड़े हलकों ने इस मामले पर जिस तरह से शर्तों और दबाव की भाषा अपनाई है, वह न सिर्फ खेल की मर्यादा के खिलाफ है, बल्कि अंततः उसकी विश्वसनीयता को भी कमजोर करती है। आईसीसी द्वारा पाकिस्तान की किसी भी शर्त को न मानना इस बात का संकेत है कि अंतर्राष्ट्रीय खेल संस्थाएं अब बंदर भभकी और राजनीतिक दबाव की रणनीति से प्रभावित नहीं होने वालीं।

पाकिस्तान लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 'विशेष रियायत' की अपेक्षा करता रहा है। कभी सुरक्षा का हवाला, कभी मेज़बानी के अधिकार, तो कभी बहिष्कार की धमकी। इस बार भी कहानी कुछ अलग नहीं थी। भारत के साथ मुकाबले को लेकर पाकिस्तान ने परोक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की कि अगर उसकी शर्तें नहीं मानी गईं, तो वह टूर्नामेंट या मैच से हट सकता है, लेकिन यह धमकी पहले से ही खोखली थी। वैश्विक क्रिकेट को पता है कि भारत–पाक मुकाबला आर्थिक, दर्शक संख्या और प्रसारण तीनों दृष्टि से टूर्नामेंट की रीढ़ होता है और इससे पीछे हटना पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होता।

आईसीसी का रुख इस बार स्पष्ट और स्वागतयोग्य रहा। उसने न तो अतिरिक्त शर्तों को स्वीकार किया और न ही किसी तरह का दबाव झेला। यह संदेश साफ है, क्रिकेट अंतर्राष्ट्रीय नियमों और तय ढांचे के अनुसार चलेगा, न कि किसी एक देश की अस्थिर राजनीति या घरेलू दबावों के हिसाब से। कोलंबो जैसे तटस्थ स्थल पर मैच कराने का निर्णय पहले से निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुरूप था और इसमें किसी तरह का पक्षपात नहीं था। इसके बावजूद पाकिस्तान का शोर-शराबा यह दर्शाता रहा कि वहां खेल प्रशासन अभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया और तात्कालिक राजनीति से बाहर नहीं निकल पाया है।

ऐसी बयानबाजी से न तो सम्मान मिलता है और न ही सहानुभूति। उल्टा, यह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है। खेल कूटनीति में दृढ़ता का मतलब यह नहीं कि हर बात पर अल्टीमेटम दिया जाए; दृढ़ता का अर्थ है नियमों के भीतर रहकर अपने हितों की रक्षा करना। भारत ने पूरे घटनाक्रम में अपेक्षाकृत संयम दिखाया। न उकसावे का जवाब दिया, न सार्वजनिक बयानबाजी में उलझा। यह परिपक्वता इस बात को रेखांकित करती है कि मजबूत पक्ष अक्सर शोर नहीं करता, वह व्यवस्था पर भरोसा करता है। आईसीसी का फैसला उसी भरोसे की पुष्टि है। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट अब किसी एक बोर्ड की धमकियों से नहीं चलती, बल्कि सामूहिक नियमों और पारदर्शिता से संचालित होती है।

पाकिस्तान को आत्ममंथन की जरूरत है। क्या बार-बार विवाद खड़ा कर वह सचमुच अपने खिलाड़ियों और प्रशंसकों का भला कर रहा है? क्या हर बड़े मंच पर नकारात्मक सुर्खियां बटोरना, उसकी क्रिकेट विरासत के अनुरूप है? खेल का मैदान प्रतिस्पर्धा के लिए होता है, बयानबाजी और धमकियों के लिए नहीं। अगर पाकिस्तान वास्तव में सम्मान और स्थिरता चाहता है, तो उसे अपनी रणनीति बदलनी होगी। धमकी की जगह प्रदर्शन और राजनीति की जगह खेल भावना को प्राथमिकता देनी होगी।

कोलंबो में होने वाला यह मैच खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का अवसर है। दर्शक क्रिकेट देखना चाहते हैं। आईसीसी ने सही संदेश दिया है कि नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी बोर्ड उनसे ऊपर नहीं। उम्मीद यही है कि पाकिस्तान इस अनुभव से सबक लेगा और भविष्य में ऐसी बंदर भभकी से परहेज करेगा। आखिरकार, क्रिकेट की जीत इसी में है कि खेल खेला जाए, धमकियां नहीं।

सबसे दुखद बात यह है कि इस पूरे प्रकरण में नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों और आम क्रिकेट प्रशंसकों का हुआ। उन्हें एक बार फिर अपने बोर्ड की नाकामी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का खामियाज़ा भुगतना पड़ा। क्रिकेटरों को मैदान पर अपनी मेहनत से पहचान बनानी चाहिए, न कि बोर्ड की बयानबाज़ी से। अगर पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट का भला चाहता है, तो उसे मेच्योर होना होगा। धमकियों से न सम्मान मिलता है, न सहानुभूति। सम्मान मिलता है प्रदर्शन से, अनुशासन से और नियमों के पालन से। बार-बार पीड़ित बनने की कोशिश करना अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर काम नहीं आने वाला। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की हालत उस बच्चे जैसी हो चुकी है जो हर बात पर ज़मीन पर लोटता है, लेकिन जब मां ध्यान नहीं देती तो खुद ही चुप हो जाता है।

पाकिस्तान कह रहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप के मैच का बहिष्कार करेगी। अब उसने आईसीसी के आगे घुटने टेक दिए हैं।

सोशल फोरम

कहानी रोम के राजा की

कलम रंगदार

ब्लॉगर

न्यूमा पोंपिलियस जब राजा बना, तो रोम के लोग हैरान थे। यह कैसा राजा था, जो तलवार नहीं उठाता? रोमुलस के जमाने में हर विवाद का फैसला खून से होता था, लेकिन न्यूमा के राज में हर फैसले के लिए 'बातचीत' और 'धर्म' का सहारा लिया जाने लगा। न्यूमा ने सबसे पहले रोम के लोगों को एक नई दिशा दी। उसने कहा, 'हम सिर्फ लड़ने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। हमें देवताओं को खुश रखना होगा।' उसने रोम में धर्म की नींव रखी। उसने पुजारियों का एक समूह बनाया जिसे 'पोंटिफेक्स' (Pontifex) कहा जाता था। इनका काम था देवताओं और इंसानों के बीच पुल का काम करना। आज भी 'पोंटिफ' शब्द का इस्तेमाल कैथोलिक चर्च के प्रमुख (पोप) के लिए किया जाता है, जिसकी जड़ें यहीं से जुड़ी हैं।

न्यूमा ने रोम के लिए एक और खास चीज बनाई- 'वेस्टल वर्जिन्स' (Vestal Virgins)। ये कुंआरी लड़कियां थीं, जो देवी 'वेस्टा' (Vesta) के मंदिर में पवित्र आग की रक्षा करती थीं। रोमनों का मानना था कि जब तक यह आग जलती रहेगी, रोम सुरक्षित रहेगा। अगर आग बुझ गई, तो रोम का विनाश तय है। इन लड़कियों को समाज में बहुत ऊंचा दर्जा मिलता था, लेकिन उनकी जिंदगी बहुत सख्त नियमों से बंधी थी। अगर उनसे कोई गलती हो जाती, तो सजा मौत से भी बदतर होती थी। उन्हें जिंदा दफना दिया जाता था, लेकिन न्यूमा का सबसे बड़ा योगदान कुछ और था। उस समय रोम का कैलेंडर बहुत अजीब था। साल में सिर्फ 10 महीने होते थे और सर्दियां कैलेंडर से गायब थीं। खेती-बाड़ी का कोई हिसाब नहीं था। न्यूमा ने देखा कि यह व्यवस्था ठीक नहीं है। उसने चांद की चाल को देखा और हिसाब लगाया। उसने साल में दो नए महीने जोड़े- 'जेनुअरियस' (Januarius) और 'फेब्रूअरियस' (Februarius)। जी हां, जनवरी और फरवरी।

जेनुअरियस, जो 'जेनस' देवता के नाम पर था- दो चेहरों वाले देवता, जो एक साथ पीछे (अतीत) और आगे (भविष्य) देख सकते थे और फेब्रूअरियस, जो शुद्धिकरण का महीना था। न्यूमा ने साल को 355 दिनों का बना दिया (जो बाद में और सुधरा)। उसने दिनों को 'फास्टि' (Fasti-काम करने के दिन) और 'नेफास्टि' (Nefasti-छुट्टी/धार्मिक दिन) में बांटा। आज हम जो छुट्टी मनाते हैं, उसकी शुरुआत कहीं न कहीं न्यूमा की इसी सोच से हुई थी। न्यूमा ने रोम की सीमाओं को भी बदला, लेकिन युद्ध से नहीं। उसने खेतों की सीमाओं पर 'टर्मिनस' देवता की मूर्तियां लगवा दीं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बेवजह के विवादों से प्रचार पातीं फिल्में

फिल्मों को एक सुनियोजित रणनीति के तहत विवादों में परोसना और फिर उस पर वितंडा खड़ा करके प्रचार पाना, अब कोई नयी बात नहीं रह गई है। दरअसल फिल्मकारों ने आस्था, भावना और मूल्यों के खिलाफ फिल्में बनाकर बेशुमार धन इकठ्ठा करने का एक चलन बना लिया है। भले ही इससे किसी जाति, धर्म आस्था और भावना को चोट क्यों न पहुंचती हो। ऐसी ही एक फिल्म 'घूसखोर पंडत' भी रुपहले पर्दे पर आने को तैयार है, जिसके टाइटल को लेकर वितंडा उठ खड़ा हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस फिल्म के टाइटल को लेकर विरोध-प्रदर्शन जारी है।

खुद फिल्म निर्माता संघ (एफएमसी) ने इस फिल्म को लेकर निर्माता नीरज पांडेय को नोटिस जारी किया है और कहा है कि फिल्म निर्माता ने नियमों के अनुसार शीर्षक के लिए अनिवार्य अनुमति प्राप्त नहीं की है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि फिल्म निर्माता ने जानबूझकर फिल्म को विवादों की परिधि में लाकर प्रचार पाने के लिए यह सारा उपक्रम किया था। अब जब विवाद चरम पर पहुंच गया है और फिल्म भी खूब प्रचार पा ली है, तो फिल्म निर्माता नीरज पांडेय और अभिनेता मनोज वाजपेई द्वारा सफाई दी जा रही है कि उनका मकसद किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। वे अब विवादित प्रचार सामग्री को हटाने की भी दुहाई दे रहे हैं। सच तो यह है कि फिल्म निर्माता ने अपनी फिल्म को विवादों के जरिए जितना प्रचार पाना चाहा था, उतना पा लिया। उनका मकसद पूरा हुआ। अब सवाल यह है कि क्या ऐसे फिल्म निर्माताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी, जो धन कमाने के निमित्त इस किस्म का घिनौने हथकंडा अपनाते हैं। कहना मुश्किल है, इसलिए कि इस तरह के हथकंडे बार-बार अपनाए जा रहे हैं।

अरविंद जयतिलक

लेखक

अभी गत वर्ष पहले अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म 'उड़ता पंजाब' विवादों के केंद्र में रहा। इस फिल्म का कथानक पंजाब में नशाखोरी के इर्द-गिर्द गढ़ा-बुना गया था। इसके कुछ दृश्यों और डॉयलाग को लेकर बवाल मचा। बेशक एक फिल्मकार को अधिकार है कि वह फिल्मों का निर्माण करे, लेकिन उसका उत्तरदायित्व भी है कि वह धर्म, संस्कृति और इतिहास को पढ़े-समझे और उसकी वास्तविकताओं एवं भावनाओं का ख्याल रखकर फिल्मों का निर्माण करे। उसे ध्यान रखना चाहिए कि फिल्मों के जरिए समाज के नैसर्गिक स्वभाव और आस्था पर बुरा असर न पड़े।

फिल्मकारों ने यह धारणा पाल रखी है कि फिल्मों पर जितना अधिक बवाल होगा उनकी कमाई में उतना ही इजाफा होगा। बेशक एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज में कहने-सुनने, लिखने-पढ़ने और दिखने-दिखाने की आजादी होनी चाहिए। विशेष रूप से कला के क्षेत्र में तो और भी अधिक, क्योंकि समाज में जो कुछ भी घटित होता है, उसे कला के जरिए पर्दे पर उकेरा जाता है, लेकिन कला और अभिव्यक्ति की आड़ लेकर अरबों कमाने की लालच में धर्म और आस्था पर प्रहार कहां तक उचित है?

एक वक्त था जब फिल्मों का कथानक समाज और राष्ट्र के जीवन में चेतना का संचार करता था। युवाओं को प्रेरणा देता था। आजादी की लड़ाई को धार देने से लेकर समाज के गुणसूत्र को बदलने-रचने में फिल्मों की अहम भूमिका रही है। आज भी कुछ फिल्में सामाजिक व राष्ट्रीय सरोकारों को उकेरती दिख जाती हैं, लेकिन अधिकांश फिल्में वास्तविकताओं से दूर अतिरंजित और फूहड़पन से लैस होती हैं। अगर किसी फिल्म के शीर्षक, कथानक या डॉयलाग से समाज का कोई वर्ग आहत होता है, तो सेंसर बोर्ड की जिम्मेदारी है कि वह इसे पास न करे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खोज

ऐसे हुआ मोबाइल का आविष्कार

1970 के दशक में अमेरिका की प्रतिष्ठित शोध संस्था बेल लैब्स में एक ऐसी अवधारणा पर प्रयोग शुरू हुए, जिसने भविष्य की संचार दुनिया की दिशा ही बदल दी। शोधकर्ताओं का विचार था कि पूरे देश को षट्भुजाकार (हेक्सागोनल) सेल के एक विशाल नेटवर्क से ढक दिया जाए। प्रत्येक सेल में एक बेस स्टेशन होगा, जो रेडियो आवृत्तियों के माध्यम से मोबाइल फोन से संदेश भेजेगा और प्राप्त करेगा। तकनीकी चतुराई यह थी कि दो आसन्न सेल अलग-अलग आवृत्तियों पर काम करें, ताकि सिग्नल हस्तक्षेप की समस्या न आए।

ये बेस स्टेशन रेडियो सिग्नलों को मुख्य दूरसंचार नेटवर्क से जोड़ते थे और जैसे ही कोई उपयोगकर्ता एक सेल से दूसरे सेल में प्रवेश करता, उसका फोन स्वत: ही फ्रीक्वेंसी बदल लेता। इस निर्बाध हैंडऑफ की कल्पना उस समय क्रांतिकारी थी। 1970 के दशक के अंत तक बेल लैब्स का एडवांस्ड मोबाइल फोन सिस्टम (एएमपीएस) छोटे पैमाने पर सफलतापूर्वक चालू हो चुका था, जिसने व्यावहारिक सेलुलर नेटवर्क का रास्ता खोल दिया। इसी दौर में मोटोरोला में कार्यरत इंजीनियर मार्टिन कूपर एक अलग ही सपने को साकार करने में जुटे थे। वे टीवी सीरीज स्टार ट्रेक के कम्युनिकेटर से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने एक ऐसा पोर्टेबल फोन बनाने का लक्ष्य तय कर लिया, जिसे हाथ में लेकर कहीं भी बात की जा सके। कूपर की टीम ने पहला हैंडहेल्ड मोबाइल फोन विकसित किया, जो बेल के एएमपीएस नेटवर्क से कनेक्ट हो सकता था।

1984 में मोटोरोला ने इस सपने को 'डायनाटैक' के रूप में बाजार में उतारा। एक किलोग्राम से अधिक वजन वाले इस फोन को प्यार से 'द ब्रिक' कहा गया। कीमत आज के हिसाब से लगभग 10,000 डॉलर थी, इसलिए यह आम लोगों की पहुंच से बाहर रहा, लेकिन अमीर फाइनेंसरों और उद्यमियों के बीच यह जल्द ही स्टेटस सिंबल बन गया। 1987 की फिल्म वॉल स्ट्रीट ने डायनाटैक को धन और लालच के प्रतीक के रूप में अमर कर दिया, जब माइकल डगलस द्वारा निभाया गया गॉर्डन गेको समुद्र तट पर टहलते हुए इसी फोन पर बात करता नजर आया। यहीं से मोबाइल फोन सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि आधुनिक शक्ति और महत्वाकांक्षा का प्रतीक भी बन गया।

वैज्ञानिक के बारे में

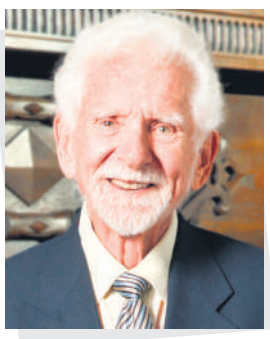

मार्टिन कूपर को भले ही दुनिया मोबाइल फोन के जनक के रूप में जानती हो, लेकिन उनकी निजी जिंदगी उतनी ही संतुलित, प्रेरक और मानवीय रही है। उनका जन्म 26 दिसंबर 1928 को अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ। एक यहूदी प्रवासी परिवार में पले-बढ़े कूपर ने बचपन से ही पढ़ाई और तकनीक में गहरी रुचि दिखाई। उनकी निजी जिंदगी में सबसे अहम भूमिका उनकी पत्नी आर्लीन हैरिस की रही। आर्लीन स्वयं भी एक प्रतिष्ठित इंजीनियर और उद्यमी हैं और उन्हें वायरलेस टेलीफोन सिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। मार्टिन कूपर का निजी जीवन दिखावे से दूर रहा। वे कभी भी केवल प्रसिद्धि या धन के पीछे नहीं भागे। उनका मानना था कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य को स्वतंत्र बनाना है, न कि उसे मशीनों पर निर्भर करना। यही सोच उनकी जीवनशैली में भी झलकती है, सादा जीवन, गहरी सोच और भविष्य को लेकर आशावादी दृष्टिकोण।

अंतरिक्ष में वायरस और बैक्टीरिया की जंग

एक नए अध्ययन में पाया गया कि पृथ्वी पर रहने वाले बैक्टीरिया-संक्रमित करने वाले वायरस अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की लगभग वजन-रहित 'माइक्रोग्रैविटी' स्थिति में भी अपने ई. कोलाई होस्ट को संक्रमित करने में सफल रहे, लेकिन वायरस-बैक्टीरिया की आपसी लड़ाई पृथ्वी से काफी अलग थी। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन के फिलहस और उनके साथियों के नतीजे बीती 13 जनवरी, 2026 को ओपन-एक्सेस जर्नल 'एलओएस बायोलॉजी' में प्रकाशित हुए। एक प्रयोग के दौरान जब वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया को संक्रमित करने वाले वायरस को अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर भेजा, तो ये सूक्ष्म जीव पृथ्वी पर जैसा व्यवहार करते हैं, वैसा नहीं किया।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

माइक्रोग्रैविटी (कम गुरुत्वाकर्षण) में संक्रमण तो हुआ, लेकिन समय के साथ वायरस और बैक्टीरिया दोनों ही अलग-अलग तरीके से विकसित हुए। जेनेटिक बदलाव आए, जिनसे वायरस बैक्टीरिया से चिपकने का तरीका बदल गया और बैक्टीरिया ने खुद को बचाने के नए हथियार विकसित कर लिए। ये खोज फेज थेरेपी (वायरस से बैक्टीरिया को मारने की तकनीक) को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, खासकर दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के खिलाफ।

नए रहस्य ये बदलाव पृथ्वी से अलग 'ट्रेजेक्टरी' (राह) पर होते हैं यानी स्पेस माइक्रोबियल इकोसिस्टम को नए तरीके से आकार देता है। उदाहरण के लिए स्पेस के फेज पृथ्वी पर दवा-प्रतिरोधी ई. कोलाई (जो यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन पैदा करते हैं) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी साबित हुए। इससे पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया-फेज की को-इवोल्यूशन (सह-विकास) को रीशेप करती है, जो सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन के बुनियादी सिद्धांतों को चुनौती देती है। यह रिसर्च पहली बार आईएसएस पर फेज-बैक्टीरिया की लंबी अवधि की डायनामिक्स को ट्रैक करती है, जो पहले की जमीन आधारित सिमुलेशंस से आगे जाती है।

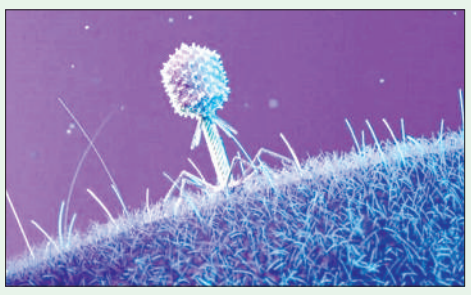

एक पृथ्वी, तो दूसरा अंतरिक्ष में

फेज यानी वो वायरस जो बैक्टीरिया को संक्रमित करते हैं और उनके होस्ट के बीच की लड़ाई सूक्ष्मजीवीय पारिस्थितिकी (माइक्रोबियल इकोसिस्टम) में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसे अक्सर एक 'एवोल्यूशनरी आर्म्स रेस' (विकास की हथियार दौड़) कहा जाता है, जहां बैक्टीरिया वायरस से बचने के लिए डिफेंस सिस्टम बनाते हैं और वायरस उन डिफेंस को तोड़ने के नए तरीके ईजाद करते हैं। पृथ्वी पर इस लड़ाई का अध्ययन हो चुका है, लेकिन माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और वायरस-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को बदल देती है, जिससे सामान्य इंटरैक्शन बिगड़ जाते हैं, अब पता चला है। फिर भी माइक्रोग्रैविटी में फेज-बैक्टीरिया की डायनॉमिक्स पर बहुत कम अध्ययन हुए हैं। इस कमी को दूर करने के लिए हस और उनके साथियों ने दो सेट बैक्टीरियल ई. कोलाई सैंपल्स लिए, जिनमें टी-7 नाम का फेज संक्रमित किया गया, एक सेट पृथ्वी पर रखा और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर।

■ **संक्रमण की गति में बदलाव-** शुरुआत में संक्रमण धीमा हुआ, क्योंकि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की फिजियोलॉजी (शरीर क्रिया) और फेज-बैक्टीरिया के टकराव की भौतिकी को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए गुरुत्वाकर्षण की कमी से बैक्टीरिया की कोशिकाएं अलग-अलग तरीके से इकट्ठा होती हैं, जिससे फेज का लगाव (अटैचमेंट) मुश्किल हो जाता है।

■ **आनुवंशिक उत्परिवर्तन-** अंतरिक्ष के फेज में ऐसे उत्परिवर्तन यानी म्यूटेशन्स जमा हुए, जो उनकी संक्रमण क्षमता या बैक्टीरियल संग्राहक यानी रिसेप्टर्स से चिपकने की ताकत बढ़ाते हैं। वहीं, बैक्टीरिया ने बचाव और अंतरिक्ष में जीवित रहने के नए आनुवंशिक बदलाव विकसित किए। डीप म्यूटेशनल स्कैनिंग तकनीक से पता चला कि फेज का रिसेप्टर बाइंडिंग प्रोटीन (आरबीपी) स्पेस में अलग तरीके से बदलता है।

■ **अंतरिक्ष अन्वेक्षण में उपयोगिता-** अंतरिक्ष अन्वेक्षण में सूक्ष्मजीव एक बड़ी चुनौती हैं, क्योंकि वे अंतरिक्ष यान (स्पेसक्राफ्ट) को दूषित कर सकते हैं और क्रू की सेहत को प्रभावित कर सकते हैं। यह रिसर्च इन रहस्यों से कई फायदे दे सकती हैं।

■ **क्रू हेल्थ प्रोटेक्शन-** लॉन्ग-टर्म मिशन्स (जैसे मंगल यात्रा) में माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया को ज्यादा विरुलेंट (खतरनाक) बना सकती है, लेकिन फेज उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं। अध्ययन दिखाता है कि स्पेस में फेज बैक्टीरिया के साथ अनुकूलित होकर नए बचाव तरीके ईजाद करते हैं, जो स्पेस में माइक्रोबियल कंट्रोल के लिए नए टूल्स दे सकता है।

■ **ग्रहीय सुरक्षा-** स्पेस में सूक्ष्मजीवों के अनुकूलन को समझने से हम अन्य ग्रहों (जैसे मंगल) पर पृथ्वी के जीवों को फैलने से रोक सकते हैं। फेज रिसर्च से पता चलता है कि माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया के जीनोम में बदलाव लाती है, जो स्पेसक्राफ्ट स्टरलाइजेशन के नए तरीके सुझा सकती है। भविष्य में यह ज्ञान हमारी ग्रहीय सुरक्षा (प्लैनेटरी प्रोटेक्शन) के काम आएगा।

■ **भविष्य के मिशन -** नासा और ईएसए जैसे संगठन अंतरिक्ष में माइक्रोबायोलॉजी को समझने के लिए आईएसएस का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह रिसर्च अर्टेमिस या मंगल मिशन्स में क्रू को बैक्टीरियल संक्रमणों से बचाने के लिए फेज-आधारित थेरेपी विकसित करने में मदद करेगी। कुल मिलाकर, ये रहस्य अंतरिक्ष अन्वेक्षण को सुरक्षित और टिकाऊ बनाते हैं, क्योंकि सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में अप्रत्याशित तरीके से व्यवहार करते हैं।

■ **मानव स्वास्थ्य के लिए उपयोगिता-** पृथ्वी पर, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक वैश्विक संकट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2050 तक इससे 10 मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह शोध मानव स्वास्थ्य में क्रांति ला सकता है।

आइए जानते हैं

बेहतर फेज थेरेपी

स्पेस में हुए म्यूटेशन्स से फेज को इंजीनियर करके दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया (जैसे एमडीआर ई. कोलाई) के खिलाफ ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि अंतरिक्ष के फेज यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) पैदा करने वाले स्ट्रेन्स को बेहतर तरीके से मारते हैं। इससे फेज थेरेपी को क्लिनिकल स्तर पर मजबूत किया जा सकता है, जो एंटीबायोटिक्स का विकल्प है।

नई अंतर्दृष्टि

माइक्रोग्रैविटी बैक्टीरिया की प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी) और फेज की इवोल्यूशन को अलग तरीके से प्रभावित करती है, जो पृथ्वी पर संक्रमणों के मॉडल्स को सुधार सकती है।

व्यापक प्रभाव

यह रिसर्च जैव चिकित्सा उन्नति को बढ़ावा देगी, जैसे कैंसर थेरेपी या वैक्सीन विकास में फेज का इस्तेमाल। शोधकर्ताओं का कहना है कि अंतरिक्ष-प्रेरित बदलावों से पृथ्वी पर 'फार सुपीरियर एक्टिविटी' वाले फेज बनाए जा सकते हैं। इससे अस्पतालों में सुपरबग्स से लड़ना आसान हो सकता है।

मरीन लाइफ

सी पेन: समुद्र की गहराइयों में खड़ी एक जीवित कलम

सी पेन (Sea Pen) एक अत्यंत रोचक और कम चर्चित समुद्री जीव है, जो देखने में जितना साधारण लगता है, व्यवहार में उतना ही अनोखा है। यह जीव आमतौर पर एक ही स्थान पर स्थिर रहता है और बहुत अधिक हिलता-डुलता नहीं है। अपनी संरचना और जैविक बनावट के कारण यह समुद्री एनीमोन्स और कोरल से काफी मिलता-जुलता है। एनीमोन्स वही जीव हैं, जिनका नाम फिल्म फाइंडिंग नीमो में नीमो ठीक से नहीं बोल पाता था। सी पेन का नाम उसके आकार से ही पड़ा है। यह बिल्कुल उस पारंपरिक कलम की तरह दिखता है, जिससे कभी लोग लिखते थे। नीचे एक मोटा आधार और ऊपर पंखनुमा फैलाव। वास्तव में सी पेन कोई एकल जीव नहीं होता, बल्कि यह सैकड़ों-हजारों सूक्ष्म जीवों (पॉलीप्स) की एक कॉलोनी होती है, जो मिलकर एक इकाई के रूप में कार्य करते हैं। इसका निचला हिस्सा समुद्र की नरम मिट्टी में धंसा रहता है, जिससे इसे स्थिरता मिलती है। सी पेन दुनियाभर के उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण जलक्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये आमतौर पर समुद्र की गहराइयों में रहते हैं, जहां रोशनी कम और तापमान स्थिर होता है। हालांकि ये पूरी तरह समुद्र तल से चिपके नहीं रहते। जरूरत पड़ने पर ये अपना स्थान बदल सकते हैं और उन क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं, जहां जलधाराएं तेज होती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि तेज धारा के साथ प्लवक, जो इनका मुख्य और पसंदीदा भोजन है। सीधे इनके पास पहुंच जाता है।

सी पेन की एक और खास विशेषता इसकी जैवदीप्ति है। कुछ प्रजातियां खतरे की स्थिति में हल्की रोशनी उत्पन्न करती हैं, जो समुद्र की अंधेरी गहराइयों में किसी जादुई दृश्य जैसा प्रतीत होती है। यह रोशनी शिकारियों को भ्रमित करने या डराने के काम आती है। कुल मिलाकर, सी पेन समुद्री दुनिया का एक शांत-स्थिर, लेकिन बेहद रहस्यमय जीव है, जो यह साबित करता है कि समुद्र की गहराइयों में आज भी प्रकृति के अनगिनत चमत्कार छिपे हुए हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

लेजर, पानी और भौतिकी का जादू

यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन लेजर किरण वास्तव में पानी की धारा के भीतर 'फंस' सकती है। यह कोई जादू नहीं, बल्कि भौतिकी की एक प्रसिद्ध और रोचक घटना है, जिसे पूर्ण आंतरिक परावर्तन (Total Internal Reflection) कहा जाता है। यही सिद्धांत आज फाइबर ऑप्टिक्स और हाई-स्पीड इंटरनेट की नींव भी है। इस घटना को समझाने के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक सरल, लेकिन प्रभावशाली प्रयोग किया। उन्होंने साफ पानी से भरे एक टैंक के एक सिरे पर लेजर लगाया। टैंक के दूसरे सिरे पर एक छोटा सा छेद बनाया गया, जिससे पानी बाहर निकलकर बाल्टी में गिर रहा था। जब लेजर किरण को बहती हुई पानी की धारा पर डाला गया, तो आश्चर्यजनक रूप से रोशनी पानी के बाहर नहीं फैली, बल्कि धारा के साथ-साथ मुड़ती चली गई।

असल में, पानी और हवा के बीच अपवर्तनांक (Refractive Index) का अंतर इस प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। पानी में मौजूद भारी कण लेजर की गति को धीमा कर देते हैं। जब लेजर किरण एक विशेष कोण पर पानी और हवा की सीमा से टकराती है, तो वह बाहर निकलने के बजाय बार-बार अंदर ही परावर्तित होती रहती है। इसी कारण लेजर किरण पानी की धारा के भीतर "कैद" हो जाती है। इस प्रयोग के दौरान बहता हुआ पानी लाल रंग के चमकदार झरने जैसा दिखाई देता है, क्योंकि लेजर की लाल रोशनी पूरी धारा में फैल जाती है। खास बात यह है कि जब पानी का प्रवाह धीरे-धीरे कम किया गया, तब भी लेजर किरण धारा के भीतर बनी रही। जैसे ही पानी पूरी तरह बंद हुआ, लेजर किरण भी अचानक गायब हो गई। यह प्रयोग न केवल देखने में बेहद आकर्षक है, बल्कि हमें यह भी समझाता है कि आधुनिक संचार तकनीक, जैसे ऑप्टिकल फाइबर असल में प्रकाश को 'फंसाकर' ही सूचना को एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंचाती है।

महासागरों की रहस्यमयी दुनिया

भूमंडल के 70 प्रतिशत भाग पर जलमंडल और 30 प्रतिशत भाग पर स्थल है। संपूर्ण भूमंडल का क्षेत्रफल 51.6 करोड़ वर्ग किमी है। इसमें 36.17 करोड़ वर्ग किमी पर जल और 14.89 करोड़ वर्ग किमी पर स्थल का विस्तार पाया जाता है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया पृथ्वी से काफी बड़ी है। जलमंडल के अंतर्गत महासागर, सागर, खाड़ियां आदि सम्मिलित हैं। महासागरों में इतनी विशाल जलराशि है कि यदि इसे धरातल पर समतल रूप में फैला दिया जाए, तो पूरी पृथ्वी पर 4.8 किमी गहरा सागर लहराने लगेगा। महासागरों की तली धरातल की भांति ऊंची-नीची है। महासागर इतने गहरे हैं कि उसमें हिमालय जैसे अनेक विशाल पर्वत समा सकते हैं। धरती की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट की ऊंचाई 8850 मीटर है, जबकि प्रशांत महासागर के मेरियाना गर्त की गहराई 11776 मीटर है। इस प्रकार महासागरों की दुनिया आज भी मानव के लिए एक अनबूझ पहेली बनी हुई है।

समुद्र केवल जलराशि के ही विशाल स्रोत नहीं, बल्कि यह खनिज सम्पदा, नमक, रत्न, मूंगा, मोती, मछलियां, शंख, घोंघा, सीप के भी विशाल भंडार हैं और मानव के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। यह जैविक संपदा के भी भंडार हैं। हमारे महासागरों और सागरों में मौजूद अपार जल संपदा के कारण ही पृथ्वी को 'वाटर प्लेनैट' भी कहा जाता है। जल के कारण ही पृथ्वी पर जीवन है। समुद्रों की महत्ता को बताने और उसके संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। समुद्र के जल का बढ़ता तापमान पृथ्वी और मानवता के लिए शुभ संकेत नहीं है।

आज पृथ्वी ही नहीं समुद्र के लिए भी सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक वेस्ट है। प्लास्टिक वेस्ट और समुद्र में हो रहे अंधाधुंध परमाणु विस्फोटों के कारण समुद्र का पानी उबल रहा है। इस वजह से तल में मौजूद समुद्री वनस्पतियां तेजी से खत्म होती जा रही हैं। यू.के. सरकार द्वारा हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली वेबसाइट 'इको वॉच' के अनुसार समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से प्रत्येक वर्ष 10 लाख से ज्यादा पक्षी एवं एक लाख से ज्यादा समुद्री जीवों की मौत हो रही है। पानी का तापमान बढ़ने से समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिसके भयानक समुद्री तूफान आने की आशंका बनी हुई है।

वैज्ञानिकों के अनुसार हम सब श्वांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं, उसकी दस फीसदी मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म बैक्टीरिया

ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं, जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। वैज्ञानिकों को अध्ययन में पता चला है कि समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये बैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। इससे समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है और पशु-पक्षियों समेत इंसानों के लिए बहुत बड़ा खतरा है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'वर्ल्ड वाइड फंड' द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण दोगुना हो जाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्र में 1950 से 2016 के बीच 66 वर्षों में जितना प्लास्टिक जमा हुआ है इतना केवल आगामी 10 सालों में जमा हो जाएगा। इससे महासागरों में प्लास्टिक कचरा 30 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। समुद्र में 2030 तक प्लास्टिक दहन पर कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन तिगुना हो जाएगा, जो हृदय संबंधी बीमारियों को तेजी से बढ़ाएगा। हर साल उत्पादित होने वाले कुल प्लास्टिक में से महज 20 फीसदी ही रिसाइकल हो पाता है। 39 फीसदी जमीन के अंदर दबाकर नष्ट किया जाता है और 15 फीसदी जला दिया जाता है। प्लास्टिक के जलने से उत्सर्जित होने वाली कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा 2030 तक तीन गुनी हो जाएगी, जिससे हृदय रोग के मामले में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

डब्ल्यू डब्ल्यू एफ का लक्ष्य 2030 तक स्ट्रा और पॉलिथीन बैग जैसी सिर्फ एक बार प्रयोग की जा सकने वाली प्लास्टिक की वस्तुओं को इस्तेमाल से हटाने का है। वैज्ञानिकों के अनुसार एक बार यूज होने वाली प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक है। प्लास्टिक कचरे में सबसे ज्यादा मात्रा सिंगल यूज प्लास्टिक की होती है। हर साल तकरीबन 10.4 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में मिल जाता है। 2050 तक समुद्र में मछली से ज्यादा प्लास्टिक के टुकड़े होने का अनुमान है। प्लास्टिक के मलवे से समुद्री जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कछुओं की दम घुटने से मौत हो रही है और व्हेल इसके जहर का शिकार हो रही है। प्रशांत महासागर में 'दा ग्रेट पैसिफिक गार्बेज बैच' समुद्र में कचरे का सबसे बड़ा ठिकाना है। यहां पर 80 हजार टन से ज्यादा प्लास्टिक जमा हो गया है। इस प्रकार प्लास्टिक वेस्ट समुद्र और समुद्री जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बनता जा रहा है। समुद्र के जल का तापमान निरंतर बढ़ रहा है, जिससे समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं। समुद्री तूफानों के आने की आशंका बनी रहती है।

समुद्र मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। विश्व के लगभग एक तिहाई लोगों का मुख्य भोजन समुद्री मछलियां हैं। जापान, नार्वे, फिनलैंड, आयरलैंड तथा भारत के समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र तटीय प्रदेश अपनी आजीविका के लिए समुद्र पर ही निर्भर हैं। विश्व का 80 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्ग से ही होता है। समुद्र, पृथ्वी पर होने वाली वर्षा का स्रोत है। समुद्र के जल से ही वाष्प बनती है, जिससे पृथ्वी पर वर्षा होती है। इस प्रकार समुद्र पृथ्वी पर जीवन का आधार है। समुद्र के जल में बढ़ता प्रदूषण पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है। प्लास्टिक वेस्ट को समुद्र में जाने से रोककर ही हम समुद्र और पृथ्वी के अस्तित्व को बनाए रख सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,674.92	25,807.20
गिरावट	558.72	146.65
प्रतिशत में	0.66	0.57

सोना 1,60,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आरसीएफ फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र के लिए 865 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) महाराष्ट्र में फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र लगाने के लिए 865 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। गुरुवार को एक नियामकीय सूचना में, कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल (बोर्ड) ने महाराष्ट्र के अलीबाग में थाई यूनिट में 300 टन प्रति दिन की प्रस्तावित क्षमता वाला एक नया फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र लगाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस संयंत्र को लगाने के लिए कुल 865.25 करोड़ का निवेश ज़रूरी है और इसे ऋण और इक्विटी के जरिये पूरा किया जाएगा। आरसीएफ देश की सबसे बड़ी उर्वरक बनाने वाली कंपनियों में से एक है।

सेल का दो करोड़ टन बिक्री का लक्ष्य

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 2025-26 में दो करोड़ टन बिक्री दर्ज करने का लक्ष्य रखा है। 2024-25 में यह 1.79 करोड़ टन रही थी। कंपनी भविष्य के विस्तार की तैयारी के तहत ऋण घटाने, लागत नियंत्रण और परिचालन दक्षता बढ़ाने पर जोर दे रही है। सेल के निदेशक (वित्त) डॉ. एके पंडा ने बताया कि अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि में कंपनी ने 5,000 करोड़ का ऋण चुकाया है। 31 दिसंबर 2025 तक कुल ऋण 24,852 करोड़ था जिसमें जनवरी 2026 में 2,000 करोड़ की और कमी आई। परिचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और मजबूत कोष प्रबंधन आदि से वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है और विकास निवेशों के लिए अवसर बने हैं।

एचयूएल का लाभ दोगुना होकर 6,603 करोड़

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का एकीकृत लाभ सालाना आधार पर दोगुना होकर 6,603 करोड़ तक पहुंच गया। एचयूएल ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने आइसक्रीम व्यवसाय को क्वालिटी वॉल्स को बेच दिया था जिससे उसके लाभ में यह वृद्धि दर्ज की गई। नई श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन से तिमाही के दौरान 576 करोड़ रुपये के असाधारण मद (हानि) दर्ज किए। कंपनी ने कहा कि शुद्ध लाभ 6,603 करोड़ रुपये रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 121 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अधिक आयकर संग्रह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत

उच्च सदन में केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं- देश मजबूत वृद्धि के साथ निम्न बेरोजगारी दर के रास्ते पर

- सीतारमण ने कहा- मध्य वर्ग का दायरा बढ़ रहा है, उसे दबाया नहीं जा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पर चर्चा का जवाब देतीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश मजबूत वृद्धि के साथ निम्न बेरोजगारी दर के रास्ते पर है। रोजगार के बिना वृद्धि (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) संप्रग सरकार की कहानी थी, वर्तमान सरकार की नहीं। सीतारमण ने राज्यसभा में 2026-27 के बजट पर चर्चा का जवाब देते कहा कि मध्य वर्ग का दायरा बढ़ रहा है, उसे दबाया नहीं जा रहा। व्यक्तिगत आयकर का संग्रह का कॉरपोरेट कर से अधिक होने का मतलब यह नहीं है कि मध्य वर्ग पर बोझ डाला जा रहा है बल्कि यह मध्य वर्ग के आगे बढ़ने का सबूत है।

सीतारमण ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले उनके बयान को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि वह देश की जनता का मजाक उड़ा रहे हैं, जो वास्तव में भारत के वृद्धि में अपना योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि बजट में उठाए गए कदम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सरकार के संकल्प को बताते हैं। कल्याणकारी योजनाओं के लिए राशि में कटौती को लेकर विपक्ष की आलोचना पर सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की राशि कोई मुफ्त भंडार नहीं है, जिसका मनमाने ढंग से उपयोग किया जा सके, बल्कि यह देश के प्रत्येक नागरिक का मेहनत से कमाया हुआ योगदान है, जिसे बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। राशि तभी जारी की जाती है जब इसकी आवश्यकता होती है, न कि खर्च बढ़ाने के लिए।

मंत्री ने कहा कि सरकारी खर्च प्रक्रिया में अब पूर्ण पारदर्शिता है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में मुद्रास्फीति कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम है। उन्होंने कहा कि मैं इस तथ्य रखना चाहती हूं कि वृद्धि दर उच्च होने के बावजूद मुद्रास्फीति ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर है। आज भारत में महंगाई का कोई संकट नहीं है। स्थिरता और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के कारण मुद्रास्फीति को काबू में लाया गया गया है।

सीतारमण ने कहा, रोजगार के बिना वृद्धि संप्रग सरकार की कहानी थी, वर्तमान सरकार की नहीं। विपक्ष के इस आरोप पर कि मध्यम वर्ग अधिक कर दे रहा है, सीतारमण ने कहा, यह निष्कर्ष निकालना कि व्यक्तिगत कर संग्रह कॉरपोरेट करों से अधिक होने के कारण मध्यम वर्ग हाशिए पर धकेला जा रहा है, यह स्थिति का पूरी तरह से गलत विश्लेषण है। मध्यम वर्ग को दबाये जाने का कोई सबूत नहीं है। वास्तव में, पिछले दस साल में किए गए आर्थिक सुधारों के कारण ऐतिहासिक रूप से मध्यम वर्ग का विस्तार हुआ है। इसके पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

आज कर योग्य आय वालों की संख्या अधिक

सीतारमण ने कहा कि आज कर योग्य आय वाले लोगों की संख्या अधिक है। अब संगठित क्षेत्र में अधिक आय दिखाई देती है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था अब केवल कुछ गिने-चुने वर्ग तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें भागीदारी बढ़ी है। मध्यम वर्ग का दायरा बढ़ रहा है। 2013-14 और 2024-25 के बीच, करदाताओं की संख्या, यानी रिटर्न दाखिल करने वाले या टीडीएस कटवाने वालों की संख्या, 5.26 करोड़ से बढ़कर 12.13 करोड़ हो गई है। पिछले 11 वर्षों में, करदाताओं की संख्या दोगुनी हो गई है। यह संचयी रूप से सालाना 7.9 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त मंत्री ने कहा, यह इस देश में मध्यम वर्ग का सबसे बड़ा संरचनात्मक विस्तार है। इसलिए, अगर कर का दायरा बढ़ रहा है तो दबाव नहीं हो सकता। लोग कर देने के लिए आगे आ रहे हैं और वे इसलिए आगे नहीं आ रहे हैं क्योंकि हम दरें बढ़ा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस विस्तार के बावजूद, आयकर सीमा सभी के लिए 12 लाख और वेतनभोगी वर्ग के लिए 12.75 लाख रुपये तक बढ़ाई गई है। अगर 12.75 लाख कमाने वाले वेतनभोगी वर्ग को कर नहीं देना पड़ता, तो फिर दबाने वाली बात कहां है? दूसरा, मानक कटौती भी बढ़ाई गई है। नई कर व्यवस्था ने कर रिटर्न भरने और जांच को सरल बना दिया है।

जीएसटी सुधारों से घरेलू खर्च हुए कम

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों और दरों को युक्तिसंगत बनाने से भी घरेलू खर्च कम हुए हैं। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से वस्तुओं के दाम कम होने से लोगों के मासिक खर्च कम हो रहे हैं। महंगाई भी ऐतिहासिक रूप से कम है। इसलिए, बढ़ती वास्तविक आय और रिकॉर्ड कम मुद्रास्फीति के साथ यह नहीं कहा जा सकता है कि मध्यम वर्ग दबाव में है। दोनों चीजें साथ नहीं चल सकती। कई कल्याणकारी योजनाओं में व्यय कटौती के आरोपों पर वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी योजना के लिए राज्यों को कोष आवंटन में कोई कमी नहीं है। उन्होंने सरकारी योजनाओं पर व्यय की तुलना करते कहा कि पिछले 10 साल में 14 सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं में केवल 37,000 करोड़ ही बिना खर्च के रहे, जबकि संप्रग शासन के दौरान यह राशि 94,000 करोड़ थी।

सरकार अत्यधिक कर्ज नहीं ले रही

सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस बढ़ते कर्ज पर मगरमच्छ के आंसू बहा रही है। वास्तविकता यह है कि सरकार अत्यधिक कर्ज नहीं ले रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में सीधे 48 लाख करोड़ से अधिक भेजे हैं और लीकेज यानी चोरी को रोककर 4.31 लाख करोड़ की बचत की है। बजट अतीत को नहीं भूलता। नाजुक स्थिति, दहाई अंक में मुद्रास्फीति को याद रखता है। वहीं आज भारत में मुद्रास्फीति का कोई संकट नहीं है। इसे काबू में कर लिया गया है।

देश ने वृहद आर्थिक संतुलन हासिल किया

वित्त मंत्री ने कहा कि देश एक ऐसे दुर्लभ संयोग से गुजर रहा है, जब उसने वृहद आर्थिक संतुलन हासिल किया है। यह अनूठी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश की उपलब्धि है। जीडीपी की वृद्धि दर अच्छी और ऊंची है तथा मुद्रास्फीति कम है, जो लगातार इसी स्तर पर बनी हुई है। सीतारमण ने कहा कि सरकार ने 2026-27 के बजट में शिक्षा से रोजगार और उद्यम स्थायी समिति का गठन करने का प्रस्ताव किया है ताकि युवाओं को सेवा क्षेत्र के लिए तैयार किया जा सके।

देश को परिधान उद्योग में बांग्लादेश की तरह मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका समझौता

- उद्योग मंत्री गोयल बोले- इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा

घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर मिलेगा व्यापक बाजार

मेडटेक, इनोवेशन और स्टार्टअप कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि भारत के अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों से घरेलू चिकित्सा उपकरण उद्योग को रियायती शुल्कों पर व्यापक बाजार पहुंच प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कुछ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भारतीय चिकित्सा उपकरणों को शुल्क में छूट भी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि हम नौ एफटीए के माध्यम से विकसित बाजारों के लिए द्वार खोल रहे हैं, जिनमें 38 ऐसे देश शामिल हैं जहां की आबादी समृद्ध है और प्रति व्यक्ति आय अधिक है। गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) देश में चिकित्सा उपकरण इकाइयों के लिए 50 से 100 एकड़ भूमि आरक्षित करने पर विचार कर सकता है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी धागा और कपास से बने परिधान पर वही रियायती शुल्क का लाभ मिलेगा, जो बांग्लादेश को वर्तमान में मिल रहा है। अमेरिका, बांग्लादेश की वस्तुओं पर जवाबी शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा, लेकिन वस्त्रों पर शून्य शुल्क तभी लगेगा जब वे अमेरिकी कपास और कृत्रिम रेशों से बने हों। वर्तमान में बांग्लादेशी परिधानों पर 31% शुल्क लगता है (12% तरजीही राष्ट्र शुल्क और 19% जवाबी शुल्क) और यदि उनमें अमेरिकी रेशों का उपयोग किया जाता है, तो शुल्क घटकर 12% हो जाता है।

गोयल ने कहा, बांग्लादेश को जो मिला है, वही भारत को भी अंतिम समझौते में मिलने वाला है। अगर कोई भारतीय कंपनी अमेरिका से धागा और कपास खरीदकर परिधान बनाती है और उन्हें अमेरिका को निर्यात करती है, तो उन परिधानों को भी बांग्लादेशी कंपनियों की तरह अमेरिका में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। गोयल ने कहा कि यह बात अमेरिका-बांग्लादेश समझौते में लिखी है और हमारे समझौते में भी होगी। इसका भारतीय कपास किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मंत्री ने बताया कि अमेरिका में कपास का उत्पादन सीमित है। उसका निर्यात केवल 50 लाख अमेरिकी डॉलर है, जबकि भारत का लक्ष्य 50 अरब डॉलर है। भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक रूपरेखा तैयार कर ली है। इसे मार्च में लागू किए जाने की संभावना है। ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता पूरी तरह से आत्मसमर्पण है, जिसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका को सौंप दी गई है और किसानों के हितों से समझौता किया गया है।

इंटेल पर 27.38 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने डेस्कटॉप कंप्यूटर के लिए बॉक्स्ड माइक्रो प्रोसेसर (बीएमपी) के संबंध में भारत के लिए एक अलग वारंटी नीति अपनाने को लेकर अमेरिकी कंपनी इंटेल कॉर्प पर 27.38 करोड़ का जुर्माना लगाया है। इंटेल अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय सेमीकंडक्टर कंपनी है, जो कंप्यूटर प्रोसेसर और चिप विनिर्माण के लिए जानी जाती है।

आयोग ने गुरुवार को कहा कि इंटेल ने भारत में बीएमपी के बाजार में अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग किया है। प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच में पाया गया कि भारत के लिए इंटेल की अलग वारंटी नीति चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों

- बीएमपी के संबंध में अलग वारंटी नीति पर सीसीआई ने की अमेरिकी कंपनी पर कार्रवाई

में लागू उसकी वारंटी नीतियों की तुलना में भेदभावपूर्ण थी। सीसीआई के अनुसार, अमेरिकी कंपनी की इस नीति ने उपभोक्ताओं और समानांतर आयातकों के विकल्प सीमित करने का काम किया, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। समानांतर आयात का मतलब ऐसे वैध उत्पादों के आयात से है, जो किसी कंपनी के आधिकारिक वितरण चैनल के बाहर से खरीदे जाते हैं।

आयोग ने कहा कि डेस्कटॉप कंप्यूटर के बीएमपी पर वारंटी संबंधी इंटेल की यह नीति आठ वर्षों तक लागू रही। इसको ध्यान में रखते हुए नियामक ने इंटेल के औसत प्रासंगिक कारोबार के आठ 8% के बराबर जुर्माना तय किया। 1 अप्रैल, 2024 से नीति वापस लेने को ध्यान में रखते हुए आयोग ने जुर्माने को घटाकर 27.38 करोड़ रुपये कर दिया। आयोग ने इंटेल को निर्देश दिया है कि वह भारत-केंद्रित इस विवादित वारंटी नीति को वापस लिए जाने का व्यापक प्रचार-प्रसार करे और इस पर अनुपालन रिपोर्ट भी पेश करे।

बीमा एक जरूरत पर अब भी बड़ी आबादी है दूर

भारत में हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस की जरूरत आज पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। तेजी से बढ़ते मेडिकल खर्च, बीमारियों का खतरा और अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियां हर परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा को जरूरी बना रही हैं। इसके बावजूद देश की बड़ी आबादी अब भी बीमा कवरेज से दूर है। आंकड़े बताते हैं कि जीवन बीमा कवरेज बेहद सीमित है और हेल्थ इंश्योरेंस भी सभी तक नहीं पहुंच पाया है। महंगे प्रीमियम, जटिल पॉलिसी शर्तें और समझ की कमी इसके प्रमुख कारण हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब बीमा सबकी जरूरत है, तो आखिर क्यों आबादी का बड़ा हिस्सा इससे वंचित है और इस दूरी को कैसे कम किया जा सकता है।

शर्तें बनाती हैं प्रक्रिया जटिल

बढ़ती स्वास्थ्य लागत, गंभीर बीमारियों का जोखिम और कमाई करने वाले पर निर्भरता ने हर परिवार के लिए बीमा को अनिवार्य बना दिया है। फिर भी वास्तविकता ये है कि देश की बड़ी आबादी बीमा सुरक्षा से बाहर है। जीवन बीमा कवरेज सीमित है और हेल्थ इंश्योरेंस की पहुंच भी सार्वभौमिक नहीं हो पाई है। इसकी बड़ी वजह महंगा प्रीमियम और जटिल पॉलिसी है। जब बीमा उत्पादों में कई तरह के एड-ऑन, शर्तें और अपवाद जुड़े होते हैं, तो आम व्यक्ति के लिए उन्हें समझना मुश्किल हो जाता है। नतीजा यह होता है कि लोग फैसला टाल देते हैं या फिर न्यूनतम कवरेज पर ही रुक जाते हैं।

सरलीकरण में छिपा समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि समाधान प्रोडक्ट के सरलीकरण में छिपा है। आसान भाषा में तैयार की गई, सीमित लेकिन जरूरी कवरेज वाली योजनाएं नए ग्राहकों के लिए बेहतर एंट्री पॉइंट हैं। कम प्रीमियम वाली योजनाएं लोगों में भरोसा पैदा करती हैं। जब ग्राहक को स्पष्ट होता है कि वह किस जोखिम के लिए भुगतान कर रहा है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और आगे चलकर वह अधिक व्यापक कवरेज लेने के लिए भी तैयार होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स भी बीमा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ले आए हैं। ऑनलाइन तुलना, पारदर्शी शर्तें और तेज क्लेम प्रोसेस ने भरोसा बढ़ाया है।

एसएमई के लिए योजनाएं

छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए अनुकूलित बीमा योजनाएं महत्वपूर्ण हो सकती हैं। जरूरत आधारित कवरेज से गैर-जरूरी खर्च कम होते हैं और व्यवसाय अपने वास्तविक जोखिमों को बेहतर तरीके से कवर कर पाते हैं। टेक्नोलॉजी आधारित अंडरराइटिंग और क्लेम मैनेजमेंट से समय और लागत दोनों की बचत होती है। बीमा को व्यापक बनाने को कंपनियों को कम शर्तें, स्पष्ट कवरेज, किफायती प्रीमियम और सरल प्रक्रियाओं पर ध्यान देना होगा। जब बीमा समझने में आसान, खरीदने में सस्ता और भरोसेमंद बनेगा, तभी एलीट प्रोडक्ट से निकलकर लोगों की जरूरत का साधन बन पाएगा।

नई सीपीआई शृंखला के तहत खुदरा महंगाई जनवरी में 2.75 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। वर्ष 2024 को आधार वर्ष मानकर जारी अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नई शृंखला के तहत जनवरी में खुदरा महंगाई 2.75 प्रतिशत रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय से जारी नई शृंखला में वस्तुओं की संख्या 259 से बढ़ाकर 308 तथा सेवाओं की संख्या 40 से बढ़ाकर 50 कर दी गई है।

- नई शृंखला में वस्तुओं की संख्या 259 से बढ़ाकर 308 तथा सेवाएं 40 से बढ़ाकर 50 की गई

नई शृंखला में प्रमुख सुधारों में ग्रामीण मकान किराया, ऑनलाइन मीडिया सेवाएं एवं ईंधन (सीएनजी/पीएनजी) को शामिल किया गया है। डिजिटल व प्रशासनिक स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों के बेहतर कवरेज के लिए टेलीफोन शुल्क, रेल किराया, हवाई किराया, ईंधन, डाक शुल्क तथा ऑनलाइन मीडिया एवं स्ट्रीमिंग सेवाएं (ओटीटी सब्सक्रिप्शन) को भी नई शृंखला में शामिल किया गया है। 2012 को आधार वर्ष मानने वाली पुरानी शृंखला के तहत जनवरी, 2025 में खुदरा मुद्रास्फिति 4.26 प्रतिशत जबकि दिसंबर में 1.33 प्रतिशत रही थी।

नई सार्वजनिक उद्यम नीति को बिना देरी के लागू करे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय समिति ने राजकोषीय अनुशासन और संसाधनों के उपयोग की जरूरत पर दिया बल

संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति ने गुरुवार को आत्मनिर्भर भारत के तहत घोषित नई सार्वजनिक उद्यम (पीएसई) नीति को बिना देरी लागू करने की जरूरत पर जोर दिया है ताकि राजकोषीय अनुशासन और संसाधनों के कुशल उपयोग के लक्ष्य हासिल किए जा सकें।

नई पीएसई नीति के तहत घाटे में चल रहे गैर-रणनीतिक क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) का निजीकरण करने या उन्हें बंद करने का प्रावधान है। हालांकि दिसंबर, 2021 में दिशानिर्देश जारी होने के बाद से किसी भी गैर-रणनीतिक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीपीएसई) के विनिवेश प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली है। चार फरवरी, 2021 को मंत्रिमंडल की स्वीकृति के साथ अधिसूचित इस नीति का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की हिस्सेदारी को न्यूनतम करना है। भाजपा नेता भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा कि नई नीति राजकोषीय सुधार की दिशा में बड़ा बदलाव दर्शाती है, लेकिन इसके ठोस परिणाम सामने आने की गति धीमी है।

संसदीय समिति ने ठोस कदम उठाकर प्रक्रिया तेज करने और राज्यों को दिए जा रहे प्रोत्साहन पैकेज की व्यापक समीक्षा की सिफारिश की, ताकि सुधार प्रक्रिया में उनकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। नई पीएसई नीति राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण अवसंरचना, वित्तीय सेवाओं और अहम खनिजों की उपलब्धता के आधार पर चार रणनीतिक क्षेत्रों को परिभाषित करती है। इन क्षेत्रों में न्यूनतम सरकारी हिस्सेदारी होल्डिंग कंपनी के स्तर पर बनी रहेगी, जबकि शेष इकाइयों के निजीकरण, उनके विलय या उन्हें बंद करने पर विचार किया जाएगा।

डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ने का सिलसिला जारी : आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ने का सिलसिला अप्रैल-सितंबर, 2025 के दौरान भी जारी रहा। आरबीआई ने कहा कि उसका डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरबीआई-डीपीआई) सितंबर, 2025 में 516.76 पर पहुंच गया, जो सितंबर, 2024 में 465.33 और मार्च, 2025 में 493.22 पर था।

देशभर में डिजिटल भुगतान के प्रसार और दायरे को मापने वाला यह सूचकांक जनवरी, 2021 से प्रकाशित किया जा रहा है और मार्च, 2018 को आधार वर्ष मानता है। आरबीआई ने कहा कि सूचकांक में वृद्धि का मुख्य कारण भुगतान प्रदर्शन और भुगतान सक्षम कारकों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी है। आरबीआई-डीपीआई पांच प्रमुख मानकों पर आधारित है। इसमें भुगतान सक्षम कारक (25 प्रतिशत भार), मांग पक्ष का भुगतान ढांचा (10 प्रतिशत), आपूर्ति पक्ष का भुगतान ढांचा (15 प्रतिशत), भुगतान प्रदर्शन (45 प्रतिशत) और उपभोक्ता केंद्रीकरण (पांच प्रतिशत) शामिल हैं। इन सभी मानकों के कई उप-मानक और मापनीय संकेतक रखे गए हैं, जिनके आधार पर समय-समय पर डिजिटल भुगतान की प्रगति का आकलन किया जाता है।

केसीसी का दायरा बढ़ाने को मसौदा संशोधन जारी

मुंबई। आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन और एकीकरण के लिए बृहस्पतिवार को मसौदा जारी किया जिसका उद्देश्य कवरेज का विस्तार, परिचालन प्रक्रियाओं का सरलीकरण और कृषि क्षेत्र की उभरती जरूरतों का ध्यान रखना है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विनियमित संस्थाएं, आम लोग और अन्य हितधारक छह मार्च, 2026 तक मसौदे पर टिप्पणियां और सुझाव दे सकते हैं। आरबीआई ने केसीसी ऋण की स्वीकृति और पुनर्भुगतान कार्यक्रम में एकरूपता लाने के लिए फसल सत्रों की अवधि को मानकीकृत करने का प्रस्ताव भी रखा है। इसके तहत कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों को 12 माह के चक्र और लंबी अवधि वाली फसलों को 18 माह के चक्र के रूप में परिभाषित किया गया है। लंबी अवधि की फसलों के चक्र के अनुरूप ऋण अवधि तय करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की कुल अवधि छह वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है।

विशेष इंतजाम | रक्षा मंत्रालय ने तटरक्षक बल के लिए उन्नत डोर्नियर-228 विमानों का किया अनुबंध

एचएएल को आठ डोर्नियर विमानों के लिए 2,312 करोड़ का आर्डर

- समुद्री निगरानी, खोज और बचाव अभियान के साथ खुफिया मिशन में आएगा काम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली में कानपुर स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के परिवहन विमान प्रभाग के साथ भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए आठ डोर्नियर-228 विमानों और परिचालन संबंधी उपकरणों की खरीद के लिए 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध भारतीय उत्पाद खरीद (बाय (इंडियन) श्रेणी के तहत हुआ। अनुबंध पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। डोर्नियर 228 विमान उन्नत सेंसर और आधुनिक एवियोनिक्स से लैस हैं, जिनमें पूर्ण ग्लास कॉकपिट, एकीकृत मिशन प्रबंधन प्रणाली तथा समुद्री निगरानी और टोही अभियानों के लिए विशेष इंतजाम शामिल किए गए हैं।

इस अनुबंध से न सिर्फ एचएएल का उत्पादन तंत्र मजबूत होगा, बल्कि लघु एवं मध्यम उद्यमों के नेटवर्क को भी समर्थन मिलने से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित होगा। एचएएल ने बताया कि यह अनुबंध आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के साथ समुद्री सुरक्षा संरचना को भी मजबूत बनाएगा।

पिछले माह के अंत में भारतीय तटरक्षक बल को दो डोर्नियर- 228 विमान ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन से सौंपे गए थे। तटरक्षक बल तटीय निगरानी, प्रदूषण पर नजर, खोज और बचाव अभियान और रियल टाइम खुफिया जानकारी जुटाना में इसका प्रयोग करेगी। डोर्नियर-228 की शॉर्ट टेकऑफ और लैंडिंग क्षमता से इन्हें छोटे और दूरदराज के रनवे से भी उड़ाया जा सकता है। इससे द्वीपों और आगे के इलाकों में तटरक्षक बल की पहुंच बढ़ेगी।

एचएएल कानपुर के परिवहन विमान प्रभाग ने 1983 में जर्मनी की मूल कंपनी के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते के तहत डोर्नियर विमानों का उत्पादन शुरू किया था। अब तक यहां 124 से अधिक विमानों का निर्माण हो चुका है। यह विमान 19 यात्रियों या 2057 किग्रा तक माल ले जा सकते हैं। शार्ट टेक आफ एंड लैंडिंग परिचालन क्षमता वाले ये विमान छोटी तथा अविकसित हवाई पट्टियों और गर्म वातावरण में भी उतरने और उड़ान भरने में सक्षम है। डोर्नियर-228 का इस्तेमाल भारतीय वायु सेना, नौसेना और तटरक्षक बल द्वारा समुद्री गश्त और निगरानी के लिए किया जाता है। अब इसका उपयोग नागरिक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए भी हो रहा है। एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग की सहायक कंपनी एलायंस एयर ने एचएएल से अपना पहला सिविल डीओ-228 विमान खरीदा था। एचएएल अब इसका उन्नत नागरिक संस्करण "हिंदुस्तान 228" भी बना रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उपलब्धि है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने चुनाव में मदद के लिए उपहार में दिए नेपाल को 270 वाहन

काठमांडू। भारत सरकार ने बृहस्पतिवार को नेपाल को चुनाव से संबंधित सहायता की तीसरी खेप के तौर पर 270 वाहन सौंपे। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने गृह मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में यह तीसरी खेप नेपाल के गृह मंत्री ओम प्रकाश अर्याल को सौंपी। भारतीय दूतावास ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इसमें 270 वाहन शामिल है, जिनमें 50 ट्रक नेपाल सेना के लिए हैं। साथ ही पांच मार्च को होने वाले चुनाव की तैयारियों के लिए नेपाल की मांग के अनुरूप अन्य सामग्री भी सौंपी गई है। भारत सरकार चुनाव में सहायता के लिए पहली दो खेप जनवरी में नेपाल को सौंप चुकी है, जिसमें 310 से अधिक वाहन और अन्य सामग्री शामिल थी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आने वाले दिनों में कुछ अतिरिक्त सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

व्हाट्सएप का आरोप, रूस ने की एप को ठप करने की कोशिश

मास्को। रूस ने देश में व्हाट्सएप पर पूरी तरह से रोक लगाने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह इंटरनेट पर नियंत्रण कड़ा करने के सरकार का नया प्रयास है। व्हाट्सएप के एक प्रवक्ता ने बुधवार देर रात बताया कि रूसी अधिकारियों की यह कार्रवाई 'उपयोगकर्ताओं को सरकारी स्वामित्व के निगरानी वाले ऐप की ओर धकेलने' के उद्देश्य से की गई है। यह रूसी सरकारी समर्थित 'मैक्स' मैसेजिंग एप की ओर इशारा है, जिसे आलोचक एक निगरानी उपकरण मानते हैं। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने बताया, "यह 10 करोड़ से अधिक लोगों को निजी और सुरक्षित संचार से अलग करने का प्रयास है और इससे रूस में लोगों की सुरक्षा में ही कमी आएगी। हम लोगों को आपस में जोड़े रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

नेतन्याहू के साथ बैठक में ट्रंप का ईरान से वार्ता जारी रखने पर जोर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और ईरान के साथ वार्ता जारी रखने पर जोर दिया। अमेरिका ईरान के साथ परमाणु समझौते को आगे बढ़ाना चाहता है। ट्रंप और नेतन्याहू के बीच यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, यह मुलाकात बहुत अच्छी रही और दोनों देशों के बीच शानदार रिश्ते जारी रहेंगे। उन्होंने कहा, कुछ भी निश्चित नहीं हुआ है, सिवाय इसके कि मैंने ईरान के साथ बातचीत पर यह देखने के लिए जोर दिया कि यह समझौता हो सकता है या नहीं।

भारतीय छात्रा की मौत के मामले में 2.9 करोड़ डॉलर में समझौता

सिएटल, एजेंसी

- **सिएटल में तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आकर हुई थी मौत, आरोपी पुलिस अधिकारी बर्खास्त**

अमेरिका के सिएटल शहर ने 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर लगने से जान गंवाने वाली भारत की 23 वर्षीय छात्रा जाह्नवी कंदुला के परिवार के साथ 2.9 करोड़ डॉलर (262.65 रुपये) के समझौते पर सहमति जताई है। कंदुला को अधिकारी केविन डेव की गाड़ी ने उस समय टक्कर मारी थी, जब वह 40 किमी घंटे की सीमा वाले क्षेत्र में 119 किमी की रफ्तार से जा रहे थे।

कंदुला सिएटल स्थित नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी परिसर में इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स में मास्टर डिग्री के लिए पढ़ाई कर रही थीं। कंदुला के परिवार के वकीलों ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। दोनों पक्षों ने पिछले शुक्रवार को किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट में समझौते की सूचना दाखिल की। कंदुला की मौत के बाद व्यापक प्रदर्शन हुए थे।

लोगों का आक्रोश इस बात पर भड़का जब एक अन्य अधिकारी के बॉडी कैमरा की रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें वह हंसते हुए कंदुला के जीवन को मामूली बताते और यह कहते सुनाई दिया कि शहर को सिर्फ एक चेक लिख देना चाहिए। डेनियल ऑडरर नाम के इस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया था। पुलिस विभाग ने वाहन चला रहे अधिकारी को भी बर्खास्त कर दिया और उसे 5,000 डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया।

यौन अपराधी खादी कहीं संत के चोले में

जेफ्री एप्स्टीन की फाइल्स सार्वजनिक होने के साथ उसके घिनौने अपराधों पर दुनिया में नए सिरे से एक बहस छेड़ी है लेकिन एप्स्टीन को छोड़ भी दिया जाए तो दुनिया का इतिहास क्रूर यौन अपराधों से भरा हुआ है। अपनी संस्कृति और संस्कारों की वजह से जाने जाने वाले भारत में भी ऐसे अपराधों की कमी नहीं है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की अगस्त 2024 में जारी रिपोर्ट ऐसे ही घिनौने सच का पर्दाफाश करती है जिसके मुताबिक देश के 151 से ज्यादा मौजूदा सांसदों और विधायकों पर यौन अपराधों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। संत के चोले में भी तमाम यौन अपराधियों के क्रूर कारनामे जगजाहिर हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि समाज में दबदबा रखने वाले कई यौन अपराधियों के खिलाफ पुलिस के भ्रष्टाचार या राजनीतिक दबाव की वजह से पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया।

भारत के 'एप्स्टीन'

सफेदपोश यौन अपराधी

- देश के 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामलों की घोषणा की है।
- एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार इनमें 16 सांसद और 135 विधायक शामिल हैं। दो सांसद, 14 विधायकों पर बलात्कार के आरोप दर्ज हैं।
- भाजपा के सबसे अधिक 54 सांसदों और विधायकों पर ऐसे मामले दर्ज हैं। 23 के साथ कांग्रेस दूसरे 17 के साथ टीडीपी तीसरे स्थान पर है।
- पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 जनप्रतिनिधि, आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 जनप्रतिनिधियों पर यौन अपराधों के मामले दर्ज हैं।

सर्वाधिक चर्चित मामले

- पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के यौन शोषण के हजारों वीडियो वायरल हुए थे। उसे अगस्त 2025 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।
- उत्तर प्रदेश के पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को 2017 में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का दोषी पाया गया। उसे उम्रकैद की सजा दी गई।
- हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा पर एयरहोस्टेस गीतिका शर्मा के यौन उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा, सुसाइड नोट में नाम आया।
- मध्य प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री पर उनके घरेलू पुरुष सहायक ने कुकर्म के आरोप लगाए थे, मामला सुर्खियों में आने के बाद उन्हें इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा था।

दुनिया के सबसे क्रूर

- जापान के जुंको फुरुता में 1988 में 17 वर्षीय छात्रा को अगवा कर 44 दिनों में 400 से अधिक बार बलात्कार किया गया, उसकी मृत्यु हो गई।
- ऑस्ट्रेलिया में नर्स अनीता कोबी का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर होश में रहते बेरहमी से उनकी गर्दन काट दी गई।
- दिल्ली में 2012 में चलती बस में छात्रा से हुई दरिंदगी ने दुनिया को झकझोरा जिसकी मृत्यु हो गई। ये मामला निर्भया कांड के नाम से मशहूर हुआ।

खौफनाक आंकड़ा | यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 37 करोड़ से अधिक लड़कियां और महिलाएं बलात्कार या यौन हमले का शिकार हुई हैं।

संतों के चोले में यौन अपराधी

- आसाराम बापू नाबालिग लड़कियों से बलात्कार पर जोधपुर और गांधीनगर की अदालत से उम्रकैद।
- डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को दो महिला अनुयायियों से बलात्कार पर 20 साल जेल।
- आसाराम के बेटे नारायण साई को भी शिष्या से बलात्कार के जुर्म में सूरत की अदालत से उम्रकैद।
- तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित आश्रम संचालक प्रेमानंद ने 13 महिलाओं से बलात्कार किया।
- केरल का स्वयंभू संत अमृता चैतन्य नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के मामले में दोषी पाया गया।

बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं के बीच 13वें आम चुनाव के लिए हुआ मतदान

भारी सुरक्षा तैनाती के बावजूद मतदान केंद्रों पर धमाके, देर शाम मतगणना शुरू

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए लोगों ने बृहस्पतिवार को हिंसा की घटनाओं के बीच मतदान किया। जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ हुए 13वें आम चुनाव में देश भर में 300 में से 299 संसदीय सीट के लिए सुबह साढ़े सात बजे मतदान शुरू हुआ जो शाम साढ़े चार बजे तक जारी रहा। मतदान पूरा होने के बाद ज्यादातर जगहों पर मतगणना भी शुरू कर दी गई। एक उम्मीदवार की मृत्यु होने के कारण एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया गया है।

हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की गैरमौजूदगी में मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसकी पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद के मुताबिक दोपहर दो बजे तक 48 प्रतिशत मतदान हुआ। देश भर में 299 निर्वाचन क्षेत्रों में 42,779 मतदान केंद्रों पर लगभग 12.7 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। बांग्लादेश की दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के शीर्ष नेताओं के साथ मुख्य सलाहकार यूनुस ने शुरूआत में ही मतदान किया।

ढाका के एक मतदान केंद्र पर बृहस्पतिवार को अपना वोट डालकर लौटतीं महिलाएं।

कुल 50 राजनीतिक दलों के 1,755 उम्मीदवार और 273 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। बीएनपी के सर्वाधिक 291 उम्मीदवार हैं, चुनाव में 83 महिला उम्मीदवार हैं।

एक के बाद एक मतदान केंद्रों पर होते रहे बम के धमाके

मतदान के बीच कई जगहों से चुनावी हिंसा की खबरें आती रहीं। गोपालगंज में बम हमले में 13 वर्षीय लड़की सहित तीन लोग घायल हो गए। बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे निचुपाड़ा स्थित रेशमा इंटरनेशनल स्कूल में बने मतदान केंद्र में विस्फोट हुआ। इस घटना में चुनाव सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अर्द्धसैनिक सहायक बल 'अंसार' के दो सदस्य भी घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी जहिरुल इस्लाम ने बताया कि घायलों को मामूली चोट आई थी और मतदान थोड़ी देर बाद फिर शुरू हो गया। एक अन्य घटना में मुंशीगंज-3 निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र के बाहर सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए, जिससे मतदान अस्थाई रूप से बाधित हो गया। सुबह करीब 10 बजकर 15 मिनट पर मखाती गुरुचरण हाई स्कूल में बने मतदान केंद्र के सामने विस्फोट हुए। अधिकारियों ने बताया कि 10 से 12 देसी बमों में धमाका हुआ। केंद्र पर मतदान कुछ देर के लिए रोक दिया गया। पीठासीन अधिकारी मोहम्मद तितुमिर ने कहा कि विस्फोटों से मतदाताओं में दहशत फैल गई लेकिन कुछ देर बाद मतदान फिर से शुरू हो गया। इसके अलावा, खुलना में एक मतदान केंद्र के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के दौरान एक बीएनपी नेता की मौत हो गई। बीएनपी का कहना है कि जमात के एक नेता के धक्का देने की वजह से पेड़ से टकराकर वह घायल हो गए थे, जिससे उनकी मौत हुई।

ऐतिहासिक: हिंसा रोकने के लिए 10 लाख सुरक्षा कर्मी

निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर लगभग 10 लाख सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जो देश के चुनावी इतिहास में सुरक्षाकर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा प्रशासन ने राजधानी के प्रमुख इलाकों में बख्तरबंद वाहन और त्वरित कार्यबल (आरएटी) तैनात किए हैं। पहली बार चुनाव सुरक्षा के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। करीब 81 स्थानीय संगठनों के 55,454 पर्यवेक्षकों ने चुनाव की निगरानी की, जबकि विदेशी चुनाव पर्यवेक्षकों की संख्या 394 रही। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों में से 80 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों की तरफ से हैं, जबकि बाकी अलग-अलग देशों से हैं, जिनमें स्वतंत्र यूरोपीय पर्यवेक्षक भी शामिल हैं।

धांधली और फर्जी मतदान की भी तमाम खबरें

उत्तर पश्चिमी जॉयपुरहाट के कलाई इलाके में एक पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच मतपत्रों की फोटोकॉपी वितरित करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा, उत्तर पूर्व सिलहट के बालागंज उप-जिले में मतपत्रों की हेराफेरी के आरोपों में जमात और बीएनपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई, जहां एक स्थानीय जमात नेता और कई अन्य लोग आधी रात के आसपास एक मतदान केंद्र में घुस गए तभी बीएनपी कार्यकर्ताओं ने उन पर धावा बोला, जिसके परिणामस्वरूप हाथापाई हुई जिस पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

मतदान से पहले हिंदू मजदूर की हत्या

ढाका। पूर्वोत्तर बांग्लादेश के मौलवी बाजार इलाके में एक युवा हिंदू चाय बागान मजदूर का खून से लथपथ शव मिला जिसके हाथ-पैर रस्सियों से बंधे हुए थे। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान से पहले यह लगातार दूसरे दिन किसी हिंदू व्यक्ति की हत्या का मामला है।

- **चाय बागान में मिला खून से लथपथ शव, रस्सी से बंधे थे हाथ-पैर**

पुलिस ने बुधवार को ढाका से लगभग 200 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित मौलवी बाजार के कमलगांज उपजिले के एक चाय बागान से 28 वर्षीय रतन शुवो कार का शव बरामद किया। 'द डेली स्टार' ने कमलगांज पुलिस थाने के प्रभारी अब्दुल अवाल के हवाले से खबर दी कि मृतक रतन शुवो कार इस्लामपुर यूनियन के अंतर्गत चंपारा चाय बागान में बतौर मजदूर काम करता था। लोगों ने बुधवार पूर्वाह्न करीब 10:00 बजे बागान में शव को देखा और अधिकारियों को सूचना दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक शव पर चोट के स्पष्ट निशान थे और वह खून से लथपथ था। रतन के बड़े भाई लक्ष्मण कार ने बताया कि परिवार मंगलवार रात से ही उसकी तलाश कर रहा था। उन्होंने बताया, बुधवार सुबह हमें सूचना मिली कि उसका शव बागान में पड़ा है। हम वहां गए और उसकी पहचान की। हमें नहीं पता कि उसकी हत्या क्यों की गई।

इतालवी तटों पर कड़ी नौसैनिक नाकाबंदी का विधेयक पारित

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी सरकार ने अवैध आव्रजन से निपटने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दी है जिसके तहत इतालवी तटों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे प्रवासी पोतों के लिए नौसैनिक नाकाबंदी करने का प्रावधान भी शामिल है।

विधेयक को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में चर्चा और मंजूरी के बाद प्रभावी होगा। इसमें सीमाओं पर कड़ी निगरानी और यूरोपीय एजेंसियों के साथ सहयोग का प्रावधान शामिल है। विधेयक प्रवासन और शरण संबंधी नए यूरोपीय संघ समझौते को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद पारित किया गया है।

भारत के साथ समझौता ऐतिहासिक, विशाल ऊर्जा निर्यातक बनेंगे हम : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अमेरिका भारत और उन देशों को कोयले का निर्यात बढ़ाएगा जिनके साथ उसने व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने 'चैंपियन ऑफ कोल' शीर्षक वाले एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हमारे नेतृत्व में हम एक विशाल ऊर्जा निर्यातक बन रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में ही हमने जापान, कोरिया, भारत और अन्य के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते किए हैं ताकि हमारे कोयला निर्यात को बढ़ाया जा सके। अमेरिका और भारत ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे व्यापार पर एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर पहुंच गए हैं जिसके तहत नई दिल्ली सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं, खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक शृंखला पर शुल्क समाप्त करेगी या घटाएगी और अगले पांच साल में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी उत्पादों की खरीद करेगी।

- **अमेरिका के कोयला निर्यात में भारी वृद्धि होने का किया दावा**

ऊर्जा अवसंरचना पर रूस के हवाई हमले, यूक्रेन में बिजली-पानी ठप

कीव। रूसी हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई इलाकों में ऊर्जा अवसंरचनाओं को निशाना बनाया जिससे बिजली और पानी की आपूर्ति में बड़े पैमाने पर रुकावट आई है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रात भर में 24 बैलिस्टिक मिसाइल, एक निर्देशित एयर-लॉन्च मिसाइल और 219 हमला करने वाले ड्रोन लॉन्च किए। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 213 निशानों को रोक लिया, लेकिन नौ मिसाइल और 19 ड्रोन 13 जगहों पर हमला करने में कामयाब रहे जिससे अवसंरचना को नुकसान हुआ।

ब्रिटिश शाही सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देगी भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना पहली बार ब्रिटेन की शाही वायुसेना के पायलटों को प्रशिक्षण देने जा रही है। यह निर्णय बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में आयोजित 19वीं ब्रिटेन-भारत वायुसेना वार्ता में लिया गया। ब्रिटेन के मुताबिक, नवीनतम समझौते के तहत, भारतीय वायुसेना तीन योग्य उड़ान प्रशिक्षकों को ब्रिटेन में शाही वायुसेना ली में तैनात करेगी जो ब्रिटिश लड़ाकू विमानों के पायलटों के लिए प्रशिक्षण केंद्र है। यह पहली बार है कि भारतीय योग्य उड़ान प्रशिक्षक आरएएफ वैली में ब्रिटिश पायलटों को लड़ाकू विमानों का प्रशिक्षण देंगे। यह घटनाक्रम जनवरी में भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी की शाही वायुसेना महाविद्यालय क्रैनवेल में प्रशिक्षक के रूप में पहली बार तैनाती के ठीक बाद हुआ है।

- **ब्रिटेन-भारत वायुसेना की वार्ता में लिया गया निर्णय**

कनाडा पर टैरिफः पहली बार अमेरिकी प्रतिनिधि सभा राष्ट्रपति के विरोध में

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा पर लगाए गए टैरिफ को पलटने के लिए मतदान किया जो व्हाइट हाउस के एजेंडे की एक दुर्लभ आलोचना है। बुधवार को इस प्रस्ताव के पक्ष में 219 और इसके खिलाफ 211 मत पड़े। ऐसा संभवतः पहली बार है जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा ने किसी महत्वपूर्ण नीति को लेकर राष्ट्रपति का विरोध किया है।

प्रस्ताव का उद्देश्य उस राष्ट्रीय आपात स्थिति को समाप्त करना है, जिसे ट्रंप ने टैरिफ लगाने के लिए घोषित किया है लेकिन इस नीति को पलटने के लिए वास्तव में ट्रंप के भी समर्थन की जरूरत होगी जो असंभव प्रतीत होता है। यह प्रस्ताव अब सीनेट के पास जाएगा। ट्रंप का मानना है कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए असरदार हैं लेकिन सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापार युद्धों के कारण जूझ रहे कारोबारियों एवं इनके जेब पर पड़ने वाले असर एवं ऊंची कीमतों से परेशान मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेता एवं न्यूयॉर्क से सांसद ग्रेगरी मीक्स ने यह प्रस्ताव पेश किया।

कई वैश्विक हस्तियां आएंगी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के पूर्वावलोकन कार्यक्रम (कर्टेन रेजर) 'एआई फॉर ऑलः रीइमेजिनिंग ग्लोबल कोऑपरेशन' में वक्तव्य देंगे। सार्वजनिक नीति शोध संस्था कार्नेगी इंडिया ने यह घोषणा की। इस आयोजन के लिए अब तक 100 से अधिक देशों के 35,000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 500 से अधिक स्टार्टअप सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे और इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों मोदी के साथ 'होराइजन 2047 रोडमैप' के अंतर्गत द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक चर्चा करेंगे। वे मुंबई में संयुक्त रूप से 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026' का भी उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' नीति, अनुसंधान, उद्योग और सार्वजनिक सहभागिता पर केंद्रित है। 'जनमानस, पृथ्वी और प्रगति' के तीन आधारभूत स्तंभों पर आधारित यह शिखर सम्मेलन वैश्विक नेताओं, नीति निर्माताओं, नवाचारियों और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाएगा, ताकि शासन, नवाचार और सतत विकास में एआई की भूमिका पर विचार किया जा सके।संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

- **सौ देशों के 35,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण**
- **मैक्रो और सुनक भी आएंगे, भारत मंडपम में 16 से पांच दिनी कार्यक्रम**

एआई यानी अमेरिका-इंडिया, मोदी का यह कथन सटीक

इस सम्मेलन में यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएएसआईएसपीएफ) की भागीदारी होगी। सम्मेलन से पूर्व यूएएसआईएसपीएफ ने '' बोर्ड एआई टास्क फोर्स'' के गठन की घोषणा की है जिसका नेतृत्व जॉन चैंबर्स करेंगे। कार्यबल के शुभारंभ पर जॉन चैंबर्स ने कहा, जैसा कि मोदी ने कहा है, एआई का अर्थ '' अमेरिका और इंडिया'' है। सिलिकॉन वैली के अपने अनुभव से मैं देख सकता हूं कि एआई हमारे समय की निर्णायक तकनीक बनेगी, ठीक वैसे ही जैसे भारत-अमेरिका संबंध इस युग की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी है।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 13 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 14.25 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

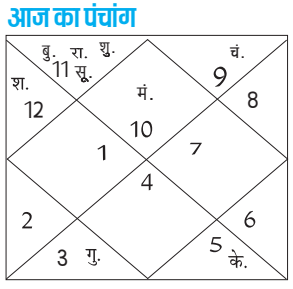

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 16.12 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष - आज मन में असंतोष का भाव रह सकता है। धार्मिक लोगों से सलाह लेना उत्तम होगा। प्रेम संबंधों को लेकर भावुक हो सकते हैं। आर्थिक निवेश को लेकर सावधान रहें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। सर्दी-खांसी से आपको परेशानी हो सकती है।

वृष - आज ऊंचाई वाली जगहों से दूरी बनाकर रखें। जीवनसाथी के प्रति आसक्ति का भाव बढ़ेगा। संतान से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने मित्रों की काफी सहायता करेंगे। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मिथुन - आज आपका दिन विशेष उन्नतिकारक रहेगा। आय की दृष्टि से भी दिन बहुत ही अच्छा है। दोपहर तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपके स्वभाव में विनम्रता बढ़ेगी। आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। अधूरे पड़े कार्य आप प्रारंभ कर सकते हैं।

कर्क - आज पुराने लोन को चुकाने के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके भीतर स्नेह और वात्सल्य की भावना रहेगी। पाचन तंत्र की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है। आप काफी अच्छा महसूस करेंगे।

सिंह - आज अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। घर के सदस्यों को महत्व दें। वाणी में संयम रखें। रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या - आज जीवन की सच्चाइयों का सामना करना पड़ेगा। आपको कारोबार में अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। अपने स्वभाव में लचीलापन बनाकर रखें।

तुला - आज प्रतियोगिता और परीक्षा में आपको सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपको पिछले अनुभवों का लाभ प्राप्त होगा। उच्च-अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक - आज आप अपनी आय बढ़ाने के लिए अत्यधिक प्रयत्नशील रहेंगे। परिवार में छोटों की चिंता रहेगी। प्रियजनों के व्यवहार को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ाएगा। लोगों पर आपका प्रभाव काफी अच्छा पड़ेगा।

धनु - आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहना वाला है। प्रेमीजन से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करेंगे। नए कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

मकर - आज के दिन आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। दांपत्य जीवन में कड़वाहट हो सकती है। कुछ लोग आपकी तरक्की से ईर्ष्या कर सकते हैं। मेडिकल सेवा से जुड़े लोगों को परेशानी हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को कम करने का प्रयास करें।

कुंभ - आज दार्शनिक लोगों के विचारों से आप प्रभावित रहेंगे। लोगों की बातों को अधिक महत्व न दें। जीवनसाथी की सलाह का अनुसरण करें, इससे आपको लाभ होगा। नया वाहन खरीद सकते हैं। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। पुराने लोन को चुकाने में आसानी होगी।

मीन - आज आपको शारीरिक श्रम अधिक करना पड़ सकता है। सरकारी कार्यों में ध्यान देने का प्रयास करें। गंभीरता से परिस्थितियों का अवलोकन करें। घर के वास्तु में कुछ परिवर्तन करने का विचार बना सकते हैं। पिता की सलाह से काम करना हितकर होगा।

सुडोकू-60

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 59 का हल

5	3	1	2	8	4	9	7	6
8	9	4	6	3	7	2	1	5
2	6	7	5	1	9	8	3	4
6	5	2	9	7	3	4	8	1
4	7	9	1	2	8	6	5	3
3	1	8	4	6	5	7	9	2
1	4	3	7	9	6	5	2	8
9	2	5	8	4	1	3	6	7
7	8	6	3	5	2	1	4	9

विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी पूरी तरह फिट नहीं है। वह एक-दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें पेट में इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी।
-सूर्यकुमार यादव, कप्तान

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-जिम्बाब्वे	पूर्वाह्न 11 बजे
कनाडा-यूएई	दोपहर 3 बजे
नीदरलैंड्स-अमेरिका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

चोटिल लियोनेल मेसी का खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेसी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।

फेडरर के समारोह के टिकट दो मिनट में बिके

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। रोजर फेडरर ने भले ही टेनिस को अलविदा कह दिया हो लेकिन उनका जादू अब भी प्रशंसकों पर सर चढ़कर बोलता है जिसकी बानगी यहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ़ फेम में शामिल करने के समारोह के टिकटों की भारी मांग में देखने में मिली। फेडरर से जुड़े इस समारोह के सभी टिकट दो मिनट में बिक गए। आयोजकों ने आउटडोर पार्टी के लिए अलग से अतिरिक्त टिकट जारी किए जो हाथों हाथ बिक गए। आखिर में आयोजकों को कहना पड़ा कि उनकी क्षमता सीमित है और वह अधिक टिकट जारी नहीं कर सकते हैं।

भारतीय घुड़सवारी महासंघ को नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 156 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) को पहली बार 4.62 करोड़ रुपये का मांग नोटिस जारी किया है। आधिकारिक दस्तावेजों में यह जानकारी दी गई है। ईएफआई को नौ फरवरी, 2026 के नोटिस में कहा गया है कि इस खेल महासंघ को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4,62,18,102 रुपये की राशि भुगतान करनी होगी। इस नोटिस की एक प्रति पीटीआई के पास भी है जिसमें कहा गया है कि निर्धारित की गई राशि नोटिस मिलने के 30 दिनों के भीतर किसी अधिकृत बैंक में जमा करनी होगी।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने सड़क पर बिताया समय

कराची। पाकिस्तान हॉकी टीम के सदस्यों को कैनबरा पहुंचने पर कई घंटे सड़क पर बिताने पड़े क्योंकि धन के अभाव में पाकिस्तान हॉकी महासंघ होटल के बिल का भुगतान नहीं कर सका जिससे होटल बुकिंग रद्द हो गई। पाकिस्तानी टीम होबर्ट में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के मैच खेलने आस्ट्रेलिया में है। टीम के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को घंटों तक सड़क पर रहना पड़ा। एक सूत्र ने बताया खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिये कैनबरा में एक चार सितारा होटल में कमरे बुक किये गए थे। उन्हें बताया गया था कि पाकिस्तान खेल बोर्ड और पीएचएफ ने कैनबरा में उनके रहने के लिये सारे भुगतान कर दिए हैं।

अर्जेंटीना ने हॉकी प्रो लीग में भारत को रौंदा

राउरकेला। भारत को बृहस्पतिवार को यहां एफआईएच पुरुष प्रो लीग के राउरकेला चरण में अर्जेंटीना से 0-8 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना के लिए टॉमस डोमेने ने चार गोल दागे। डोमेन (15, 20, 26, 60वें मिनट) के अलावा टॉमस रुइज (14वें मिनट), लुसियो मेंडेज (22वें मिनट), इग्नासियो इबारा (25वें मिनट) और निकोलस डेला टोरे (30वें मिनट) ने भी गोल किए। भारत ने शुरुआत में बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन कुछ देर तक दबदबे के बाद उन्होंने पहले क्वार्टर के अंत में पेनल्टी स्ट्रोक मिलने पर बढ़त लेने का सुनहरा मौका गंवा दिया। हरमनप्रीत सिंह के प्रयास को अर्जेंटीना के गोलकीपर ने रोक दिया। अर्जेंटीना ने तुरंत गोल दाग दिया।

ईशान और हार्दिक की तूफानी पारियों से भारत की बड़ी जीत

टी-20 विश्व कप : नामीबिया को 93 रनों से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज ईशान किशन और हार्दिक पंड्या के तूफानी अर्धशतक के बाद वरुण चक्रवर्ती के फिरकी के जादू से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के एकतरफा मैच में बृहस्पतिवार को यहां नामीबिया को 93 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

ईशान (61 रन, 24 गेंद, पांच छक्के, छह चौके) और पंड्या (52 रन, 28 गेंद, चार छक्के, चार चौके) के अर्धशतक से भारत ने नौ विकेट पर 209 रन बनाए जिसके जवाब में नामीबिया की टीम चक्रवर्ती (सात रन पर तीन विकेट), (21 रन पर दो विकेट) और अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। नामीबिया की ओर से सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप (29) और जेन फ्राइलिंक (22) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया। टीम ने अपने अंतिम आठ विकेट सिर्फ 30 रन जोड़कर गंवाए। भारतीय टीम अब अपना अगला मैच 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी जिस पर सभी की नजरें टिकी होंगी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नामीबिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 57 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। फ्राइलिंक ने पंड्या पर चौका और छक्का मारने के बाद अर्शदीप सिंह पर भी लगातार दो चौके जड़े लेकिन इसी तेज गेंदबाज की गेंद पर डीप मिडविकेट पर दुबे को कैच दे बैठे। स्टीनकैंप ने छठे ओवर में अर्शदीप पर दो चौके और एक छक्के से 17 रन बटोरे। चक्रवर्ती ने पहली ही गेंद पर स्टीनकैंप को बोल्ड करके नामीबिया को दूसरा झटका दिया। कप्तान इरास्मस ने अक्षर पटेल का स्वागत मिडविकेट पर दो छक्कों के साथ किया लेकिन जेन निकोल लॉफ्टी ईटन (13) चक्रवर्ती की गेंद को हवा में लहराकर लॉन्ग ऑफ पर अक्षर के हाथों लपके गए। चक्रवर्ती ने एक गेंद बाद जेजे स्मिट (00) को भी बोल्ड किया।

भारतीय टीम के लिए ईशान किशान और संजू सैमसन की जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए महज दो ओवर में 25 रन बना डाले। इसी दौरान दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बेन शिकोंगो ने संजू सैमसन को अपना शिकार बना लिया। संजू सैमसन ने आठ गेंदों में तीन छक्के और एक चौका उड़ाते हुए 22 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए तिलक वर्मा ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। ईशान किशन ने 24 गेंदों में छह चौके ओर पांच छक्के लगाते हुए 61 रनों की पारी खेली। उन्होंने महज 20 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। 11वें ओवर में सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुये। तिलक वर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 25 रन बनाए। एक समय महज 20 रन जोड़कर भारत ने तीन विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे की जोड़ी ने एक बार फिर भारतीय पारी को संभाला और तेजी के साथ रन जोड़े। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की उपयोगी साझेदारी हुई।

भारत

209/9 (20 ओवर)

ईशान का शिकोंगो बो इरास्मस	61
सैमसन का स्टीनकैंप बो शिकोंगो	22
तिलक वर्मा का स्मिट बो इरास्मस	25
सूर्यकुमार स्टं ग्रीन बो स्कोल्ट्ज	12
हार्दिक का स्थानापन्न बो इरास्मस	52
शिवम दुबे रन आउट	23
रिंकू सिंह का इरास्मस बो स्मिट	01
अक्षर पटेल बो इरास्मस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01
अर्शदीप सिंह रन आउट	02

गेंदबाजी : ट्रंपलमैन 4-0-38-0, शिकोंगो 3-0-41-1, स्मिट 4-0-50-1, हेइंगो 1-0-18-0, गेरहार्ड इरास्मस 4-0-20-4, स्कोल्ट्ज 4-0-41-1

नामीबिया

116/10 (18.2 ओवर)

लॉरेन स्टीनकैंप बो चक्रवर्ती	29
जेन फ्राइलिंक का दुबे बो अर्शदीप	22
जेन निकोल का अक्षर को चक्रवर्ती	13
गेरहार्ड का तिलक बो अक्षर	18
जेजे स्मिट बो चक्रवर्ती	00
जेन ग्रीन हिट विकेट दुबे	11
मलान क्रूगर का बुमराह बो अक्षर	05
रूबेन ट्रंपलमैन बो बुमराह	06
स्कोल्ट्ज का अक्षर बो पंड्या	04
बेन शिकोंगो पगबधा बो पंड्या	00
मैक्स हेइंगो नाबाद	00

गेंदबाजी : पंड्या 4-0-21-2, अर्शदीप 3-0-36-1, दुबे 2.2-0-11-1, बुमराह 4-0-20-1, चक्रवर्ती 2-0-7-3, अक्षर 3-1-20-2

इटली ने नेपाल को रौंद आईसीसी टूर्नामेंट में जीत का खाता खोला

मुंबई, एजेंसी

इटली ने टी20 विश्व कप पदार्पण में अपने दूसरे ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया और बृहस्पतिवार को यहां के ग्रुप सी मैच में नेपाल को 44 गेंद रहते 10 विकेट से रौंदकर आईसीसी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए नेपाल की पूरी टीम को 19.3 ओवर में महज 123 रन पर समेट दिया। इसके बाद उसने एंथनी मोस्का (नाबाद 62 रन) और जस्टिन मोस्का (नाबाद 60 रन) के बीच अटूट साझेदारी से 12.4 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत हासिल की। मोस्का बंधुओं में से बड़े भाई एंथोनी ने 32 गेंद की नाबाद पारी में छह छक्के और तीन चौके जड़े जबकि छोटे भाई जस्टिन ने 44 गेंद की नाबाद पारी के दौरान तीन छक्के और पांच चौके जमाए। यह इटली के लिए टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा ही मैच था। पिछले मैच में उसे कोलकाता में स्कॉटलैंड से 73 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में नेपाल को जीत का दावेदार माना जा रहा था जिसने इसी स्थल पर इंग्लैंड को कड़ी चुनौती दी थी। लेकिन उनका कोई भी बल्लेबाज इटली की सटीक स्पिन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के सामने नहीं टिक सका। नेपाल ने अपने सर्वश्रेष्ठ स्पिनर संदीप लामिचाने को इस्तेमाल में भी बहुत बाद में किया। इंडियन प्रीमियर लीग सहित कई टी20 टूर्नामेंट खेल चुके लामिचाने को तब गेंदबाजी के लिए लगाया गया जब इटली के सलामी बल्लेबाज 58 रन बना चुके थे।

इटली के सलामी बल्लेबाजों ने प्रति ओवर करीब 10 रन बनाए और नेपाल किसी भी मौके का फायदा नहीं उठा सका जिससे वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद बड़ी संख्या में उसके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। इससे पहले यहां स्पिनरों का दबदबा जारी रहा जिसमें इटली के लिए बेन मानेंटी ने नौ रन दकर दो जबकि कृशन कालुगामागे ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके। सटीक लाइन एवं लेंथ के साथ इटली के क्षेत्ररक्षकों ने भी शानदार प्रदर्शन किया जिससे नेपाल के खिलाड़ी दबाव में रहे। नेपाल के लिए आरिफ शेख ने सर्वाधिक 27 रन और कप्तान रोहित पौडेल ने 23 रन बनाए।

इटली के बल्लेबाज एंथनी मोस्का और जस्टिन मोस्का। एजेंसी

- एंथनी और जस्टिन मोस्का ने नाबाद पारियां खेल आसानी से हासिल किया लक्ष्य

भारत-पाकिस्तान का मैच देखने जाएंगे बीसीबी प्रमुख

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप मैच देखने के लिए कोलंबो में जाएंगे। उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सप्ताह से चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ उनके संबंध सुधरेंगे। इस्लाम ने बांग्लादेश के अखबार 'प्रथम आलो' से कहा कि इस हाई-प्रोफाइल मैच के लिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तरफ से निमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा आईसीसी ने एक फैसला लिया है। आईसीसी के प्रमुख हितधारक ये पांच एशियाई देश हैं तथा वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को होने मैच के लिए सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ स्टेडियम में मौजूद रहें, मैच देखें और एक-दूसरे से बात करें। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया के आईसीसी में महत्वपूर्ण सदस्य हैं। इस्लाम से पूछा गया कि क्या इस बैठक से बीसीसीआई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध खत्म करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा, आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं।

मेंडिस, रत्नायके व शनाका की पारी से श्रीलंका की बड़ी जीत

पल्लीकल, एजेंसी

कप्तान दासुन शनाका सहित तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक और बाद में धारदार गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में गुरुवार को यहां ओमान को 105 रन से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। कुसल मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने अर्धशतक जमाए और ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीलंका ने इनके शानदार प्रदर्शन की मदद से पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद पांच विकेट पर 225 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

ओमान के बल्लेबाजों के पास श्रीलंका के तेज और स्पिन आक्रमण का कोई जवाब नहीं था और उसकी टीम नौ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से केवल मोहम्मद नदीम ही संघर्ष कर पाए जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से दुष्मंत चामीरा और महीश तीक्षणा ने दो दो विकेट लिए। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। ओमान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले श्रीलंका के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाकर बड़ी जीत की नींव रखी। जितेन रामानंदी ओमान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट लिए। मेंडिस ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी जबकि रत्नायके और शनाका ने महत्वपूर्ण समय पर अपनी लय हासिल की। आयरलैंड के खिलाफ केवल पांच रन बनाकर आउट होने वाले रत्नायके ने 24 गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12वें ओवर में तेज गेंदबाज रामानंदी पर पारी का पहला छक्का लगाया और सुफयान महमूद को लगातार तीन चौके लगाकर यह अपना अर्धशतक पूरा किया। रत्नायके और मेंडिस ने केवल 52 गेंद पर 94 रन की साझेदारी की। इस बीच उन्होंने स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते श्रीलंका के बल्लेबाज पवन रत्नायके। एजेंसी

- ओमान को 105 रनों से हराकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें मजबूत कीं

उम्मीद जीवंत रखने की कोशिश करेगा नीदरलैंड्स

चेन्नई, एजेंसी

पिछले मैच में जीत हासिल करके वापसी करने वाले नीदरलैंड्स को शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए आक्रामक बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी करनी होगी जो सुपर आठ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को जीवित रखने के लिए जरूरी है। नीदरलैंड को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उसने अपने अगले मैच में नामीबिया को हराकर शानदार वापसी की। नीदरलैंड ने 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो ओवर शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल की। नीदरलैंड्स की टीम के पास शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज हैं लेकिन उसके मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

अमेरिका ने गेंदबाजी में तो अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बल्लेबाजी में वे लड़खड़ा गए और खराब फील्डिंग ने भी उन्हें नुकसान पहुंचाया। अमेरिका के गेंदबाजों में शैडली वैन शालविक ने पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया है।

- अमेरिका को करनी होगी वापसी बल्लेबाज नहीं दिखा पाए जलवा

नीदरलैंड्स के बल्लेबाज मैक्स ओडॉउड।

हमारे बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी खेलने में सक्षम : हैरी ब्रूक

मुंबई। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है। इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया। जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया।

टी20 विश्व कप | ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला आज, मार्श की फिटनेस पर होगी निगाह

बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी

कई प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम जब शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा तो कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस पर निगाह टिकी रहेगी।

मार्श बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार इस ऑलराउंडर को मैदान पर वापसी करने से पहले काफी आराम की जरूरत होगी। मार्श के कवर के रूप में स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिया गया है। उनकी टीम को हालांकि आयरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में मार्श की कमी नहीं खली। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके 67 रन से जीत हासिल की थी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 180 से अधिक रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद तेज गेंदबाज नाथन एलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा ने मिलकर आठ विकेट लिए और अपनी टीम को पूरे दो अंक दिलाए। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेगी। उसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और ग्लेन मैक्सवेल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। मार्श अगर टूर्नामेंट में आगे नहीं खेल पाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया को बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि स्मिथ ने हाल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है।

जिम्बाब्वे ने अपनी पिछले मैच में ओमान को आसानी से हराया था। उसके पास ब्रैड इवांस, ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा जैसे तेज गेंदबाज हैं जो अपने दिन में सबसे मजबूत बल्लेबाजों को भी कड़ी टक्कर दे सकते हैं। सिकंदर रजा की ऑफ और लेग ब्रेक गेंदों का मिलाजुला रूप उनकी गेंदबाजी को एक नया आयाम देता है। टी20 के बेहद अनुभवी खिलाड़ी रजा को ब्रायन बेनेट, डियोन मायर्स और 40 वर्षीय ब्रेंडन टेलर के साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देना होगा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श।

कनाडा-यूएई की निगाह पहली जीत पर

नई दिल्ली। अपने शुरुआती मैच में करारी हार झेलने वाले कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शुक्रवार को यहां जब टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के मुकाबले में आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल करना होगा। तीन शीर्ष 10 टीमों न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ 'ग्रुप ऑफ डेथ' में शामिल होने के कारण यूएई और कनाडा दोनों को सुपर आठ चरण में जगह बनाने के लिए कड़ी और असंभव चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। दोनों टीमों के अभियान की शुरुआत निराशाजनक रही। जहां कनाडा को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा, वहीं यूएई को न्यूजीलैंड ने करारी शिकस्त दी।